



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 159]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 21, 2004/भाद्र 30, 1926

No. 159]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 21, 2004/BHADRA 30, 1926

दि इन्स्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 2004

परिषद् की रिपोर्ट

1. प्रस्तावना

फा. सं. 104/32/लेखा.—इन्स्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज ऑफ इण्डिया की परिषद् कम्पनी सचिव अधिनियम, 1980 की धारा 18 की उप-धारा (5) की अपेक्षाओं के अनुरूप 31 मार्च, 2004 को समाप्त इन्स्टीट्यूट के कामकाज से संबंधित अपनी 24वीं वार्षिक रिपोर्ट और इसके साथ लेखा-परीक्षित लेखा-विवरण एवं इन पर लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट प्रस्तुत करती है।

2. घटनाएं

2.1 विज़न योजना 2010

इन्स्टीट्यूट की परिषद् ने व्यापक रूप से परामर्श करने के बाद विज़न योजना 2010 को अपनाया है। इस विज़न योजना में कम्पनी सेक्रेटरी को एक अच्छे कॉर्पोरेट गवर्नेंस, कॉर्पोरेट योजनाकार और एक रणनीतिक प्रबंधक के प्रेरक के रूप में परिकल्पना की है। विज़न योजना का आधार तथ्यों के यथार्थ आकलन और भविष्य के यथार्थवादी मूल्यांकन को उद्देश्य के रूप में रखा है। विज़न योजना का लक्ष्य है कि कम्पनी सेक्रेटरी में विश्वास का संचार हो, उसे अपनी क्षमता पर पूरा भरोसा हो और पूरी तरह से अपने व्यवसाय की संभावनाओं को आगे बढ़ाने में वह अपने अटल संकल्प को अभिव्यक्त कर सके।

विज़न योजना की सफलता निश्चित ही इस बात पर निर्भर करेगी कि किस प्रकार से हम प्रभावी ढंग से रणनीति तैयार करते हैं। विज़न योजना को कार्यान्वित करने के लिए निम्नलिखित सांकेतिक रणनीति अपनाई गई है :-

- ◆ आई.सी.एस.आई. के सदस्यों, विद्यार्थियों और कर्मचारियों के बीच तालमेल बढ़ाना।
- ◆ कम्पनी सचिवों की प्रतिस्थापना
- ◆ व्यावसायिक आचरणों को मजबूत करना
- ◆ इन्स्टीट्यूट के कार्यों में अच्छे ढंग का शासन
- ◆ संगठनात्मक पुनः रचना
- ◆ उत्कृष्ट प्रबंधन व्यवस्था
- ◆ ज्ञान प्रबंधन
- ◆ उत्कृष्ट व्यावसायिक विकास और अनवरत शिक्षा
- ◆ मानव संसाधन विकास
- ◆ बुनियादी ढांचे का विकास
- ◆ अन्तर्राष्ट्रीय नेटवर्किंग

2.2 आई.सी.एस.आई. विज़न योजना 2010 के कार्यान्वयन के लिए टू-टायर टीम दृष्टिकोण अपनाया गया है। एक रणनीतिक प्रबंधन टीम (टायर-1—टीम) में विभागाध्यक्षों और वरिष्ठ अधिकारियों को लेकर गठित किया गया है, जिन्हें निम्नलिखित उत्तरदायित्व सौंपे गए हैं :

- 1 विज़न योजना इन्स्टीट्यूट के सभी सम्बन्धित सदस्यों, विद्यार्थियों और कर्मचारियों तक पहुंचे और इसके कार्यान्वयन के बारे में उन सभी के विचार, सुझाव और सहयोग की मांग की जाए।
- 2 जहां कहीं सरकार और परिषद् से आवश्यक अनुमोदन/स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक हो, इसे प्राप्त किया जाए।

3 विज्ञान योजना में रणनीतियों को कार्यान्वयन करने के लिए संचालन योजना तैयार की जाए और उसके कार्यान्वयन पर नज़र रखी जाए।

4 जहां आवश्यक हो, वहां निवारक तथा सुधारात्मक कार्य किए जाएं और

5 निरंतर बैंक मार्किंग और मूल्यांकन कार्य किया जाए।

आई.सी.एस.आई. विज्ञान योजना 2010 में प्रत्येक रणनीतिक क्षेत्र के सफल कार्यान्वयन के लिए एक लघु उप-समूह (टायर-2-टीम) का गठन किया गया है जिसमें सभी स्तरों और विभागों में अधिकारियों की भागीदारी शामिल की है।

कार्यान्वयन के प्रारम्भिक स्तर पर आई.सी.एस.आई. सभी कर्मचारियों की क्षमता पर निर्भर कर रहा है ताकि वे आई.सी.एस.आई. विज्ञान योजना 2010 के कार्यान्वयन में अपनी पूरी सामर्थ्य से योगदान कर सकें।

3. अकादमिक और व्यावसायिक घटनाएँ

3.1 कार्यक्रम

3.1.1 35वां स्थापना दिवस समारोह

इंस्टीट्यूट ने 28 नवम्बर 2003 को नई दिल्ली में बड़ी धूमधाम से 35वां स्थापना दिवस समारोह मनाया। माननीय श्री जगमोहन, तत्कालीन पर्यटन और संस्कृति मंत्री ने "एक्सीलेंस थ्रू गुड गवर्नेंस" विषय पर स्थापना दिवस समारोह में भाषण दिया। कम्पनी कार्यों के विभाग के सचिव श्री एम. एम. के सरदाना ने समारोह की अध्यक्षता की।

3.1.2 कार्पोरेट गवर्नेंस में सर्वोत्तम पुरस्कार के रूप में तीसरा आई.सी.एस.आई. राष्ट्रीय पुरस्कार

15 दिसम्बर 2003 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में एक भव्य समारोह में 'एक्सीलेंस इन कार्पोरेट गवर्नेंस' तथा आई.सी.एस.आई. लाइफ-टाइम एचीवमेंट एवार्ड फॉर ट्रान्सलेटिंग एक्सीलेंस इन कार्पोरेट गवर्नेंस इंटू रियलिटी में तीसरा सर्वोत्तम आई.सी.एस.आई. पुरस्कार प्रदान किया गया। तत्कालीन माननीय भारत के उप-प्रधान मंत्री श्री लाल कृष्ण आडवाणी ने माननीय जस्टिस श्री एम.एन. वैकेंटाचलैया, भूतपूर्व चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया और चेयरमैन, जूरी, श्री अमर सिंह, माननीय सांसद, श्री एम.एम.के. सरदाना, कम्पनी कार्य विभाग के सचिव, श्री जी. एन. बाजपेयी, सेबी के अध्यक्ष, प्रतिष्ठित उद्योगपतियों, जूरी सदस्यों, इंस्टीट्यूट के पूर्व अध्यक्षों, परिषद् के सदस्यों तथा विद्यार्थियों की उपस्थिति में बांटा गया। विजेता इस प्रकार हैं :-

सर्वाधिक प्रशासित कम्पनी पुरस्कार

प्राइवेट सेक्टर

हाउसिंग डेवलपमेंट फिनांस चेयरमैन—श्री दीपक एस. पारेख

कार्पोरेशन लि० (एच.डी.एफ.सी.) सचिव—श्री एम. शिशिर कुमार

रिलाइंस इंडस्ट्रीज लि० चेयरमैन और प्रबंध निदेशक—

श्री मुकेश डी. अम्बानी

उपाध्यक्ष (कार्पोरेट सेक्रेटरियल)

श्री के सेतुरमण

पब्लिक सेक्टर

आयल एंड नेचुरल गैस चेयरमैन और

कार्पोरेशन लि० (ओ.एन.जी.सी.) प्रबंध निदेशक — श्री सुबीर राहा
सचिव — एच.सी. शाह

2003 वर्ष के आई.सी.एस.आई. "लाइफ टाइम एचीवमेंट एवार्ड फॉर ट्रान्सलेटिंग एक्सीलेंस इन कार्पोरेट गवर्नेंस इंटू रियलिटी" पुरस्कार

श्री रहन एन. टाटा

चेयरमैन

टाटा ग्रुप

जूरी

2003 के पुरस्कार की जूरी इस प्रकार थे :

चेयरमैन

माननीय जस्टिस

भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश

श्री एम.एन. वैकेंटाचलैया

सदस्य

1. श्री जी.एन. बाजपेयी

चेयरमैन, सेबी

2. श्री नरेश चन्द्र, आई.ए.एस.

पूर्व कैबिनेट सेक्रेटरी

3. श्री विनोद ढल्ल, आई.ए.एस.

सदस्य (प्रशासन)

कम्प्यूटीशन कमीशन ऑफ इण्डिया

4. सुश्री नैना लाल किदवाई

वाइस-चेयरमैन और प्रबंध निदेशक, एच.एस.बी.सी. सिन्धोरिटीज एंड कैपिटल मार्केट्स (इण्डिया) प्रा० लि०

5. प्रो. एन.आर. माधव मेनन

निदेशक, नेशनल जुडिशियल अकादमी

6. श्री एस.एस. मुकर्जी

प्रबंध निदेशक, ई.आई.एच. लि०

7. टी.एस. कृष्णमूर्ति

भारत के निर्वाचन आयुक्त

8. श्री बी.डी. नारंग

चेयरमैन और प्रबंध निदेशक, ओरियंटल बैंक ऑफ कामर्स

9. श्री रवि नारायण

प्रबंध निदेशक और सी.ई.ओ., नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इण्डिया लि०

10. श्री नन्दन एम. नीलेकानी

सी.ई.ओ. अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, इंफोसिस टेक्नोलॉजीस लि०

11. श्री आर. रवि मोहन

प्रबंध निदेशक और सी.ई.ओ., दि क्रेडिट, रेटिंग इंफार्मेशन सर्विसेज ऑफ इण्डिया लि०

12. डॉ० के. अंजी रेड्डी

चेयरमैन, डॉ० रेड्डी लेबोरेट्री लि०

13. डॉ० पी.एल. संजीव रेड्डी

निदेशक, इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ

आई.ए.एस. (सेवा निवृत्त)

पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन

14. श्री एम.एम. के सरदाना, सचिव, भारत सरकार,
आई.एस. कम्पनी कार्य विभाग
15. प्रो० मनुभाई शाह, ट्रस्टी, कंज्यूमर एजुकेशन एंड रिसर्च
सेंटर
16. श्री पवन कुमार विजय, प्रसीडेंट, आई.सी.एस.आई.

पुरस्कार समारोह से पूर्व "कार्पोरेट गवर्नेंस—की टू कार्पोरेट एक्सीलेंस" पर पेनल की बहस हुई। पूर्व कैबिनेट सेक्रेटरी श्री नरेश चन्द्र ने इस बहस की शुरुआत की और श्री अनिल डी. अम्बानी, चेयरमैन तथा प्रबंध निदेशक, बी.एस.ई.एस. लि०; श्री दीपक एस. पारेख, चेयरमैन एच.डी.एफ.सी.; सुश्री नैना किदवाई, वाइस-चेयरमैन और प्रबंध निदेशक, एच.एस.बी.सी. सिन्योरिटीज एंड केपीटल मार्केट्स (इण्डिया) लि०; श्री रवि नारायण, एम. डी एंड सी.ई.ओ., नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इण्डिया लि० और श्री आर. रवि मोहन, प्रबंध निदेशक, आई.सी.एस.आई., क्रिसिल ने उत्कृष्ट कार्पोरेट गवर्नेंस पर अपने विचारों तथा धारणाओं को प्रस्तुत किया तथा कार्पोरेट गवर्नेंस में कम्पनी सेक्रेटरीजों की व्यापक भूमिका की सराहना की।

3.1.3 31वां राष्ट्रीय सम्मेलन

कम्पनी सचिव के 31वें राष्ट्रीय सम्मेलन का सफल आयोजन आगरा में 11-13 सितम्बर 2003 के दौरान विषय "कार्पोरेट एक्सीलेंस एंड प्रोफेशनल एकाउंटेबिलिटी" पर किया गया। इसका उद्घाटन राज्य सभा की तत्कालीन उप-समापति डॉ० नजमा हेपतुल्ला ने किया। सेबी के चेयरमैन श्री जी.एन. बाजपेयी ने विशेष सम्बोधन किया तथा जे.पी. इंडस्ट्रीज लि० के चेयरमैन श्री जय प्रकाश गौर ने प्रमुख भाषण दिया। महामहिम श्री विष्णु कांत शास्त्री, तत्कालीन राज्यपाल, उत्तर प्रदेश ने समारोह में उपस्थित जनों के सामने अपने विचारों, स्पष्ट और दार्शनिक विचारों को अपने समापन भाषण में प्रगट किया।

यह पहला रोजीडेशनल नेशनल कन्वेंशन था और पहली बार मुख्यालय क्षेत्रीय परिषदों और पी.सी.आई.ए. की गतिविधियों और उपलब्धियों को दर्शाया गया था; अनेक प्रकाशनों का भी विमोचन किया गया; आई.सी.एस.आई. ध्वज फहराया गया; सदस्यों के शिल्प और निपुणता को दर्शाया गया; कार्पोरेट कंपलायंस केलेण्डर को जारी किया गया।

3.1.4 प्रेक्टिस कम्पनी सचिव का पांचवां राष्ट्रीय सम्मेलन

बंगलूर में 24-25 मई 2003 को "प्रेक्टिसिंग कम्पनी सेक्रेटरीज: ए फोकस आन दि रोड अहेड" विषय पर प्रेक्टिसरत कम्पनी सचिवों का पांचवां सम्मेलन बड़ी सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस विचार विमर्श में विशेष रूप से ब्राड ईक्विटी (वेबसाइट डिजाइनिंग, इमेज-बिल्डिंग और कोर्ट क्रांट), नेशनल कम्पनी ला ट्रिब्यूनल-नए अवसर, सचिवीय लेखा परीक्षा, आई पी आर के अन्तर्गत अवसर, सिन्योरिटीज प्रेशरल लॉ के अन्तर्गत पी.सी.एस. की भूमिका, मार्केट इंटरमीडियरी सूचीबद्ध कम्पनियों के यथोचित अध्यक्षीय प्रयासों पर ध्यान दिया गया। यह एक प्रेक्सीर का लघु सम्मेलन था, जिसमें 224 व्यावसायिकों ने भाग लिया जिसमें बंगलूर से बाहर के 105 लोग भी शामिल हुए।

3.2 व्यावसायिक घटनाएं

3.2.1 व्यावसायिक विकास तथा अनवरत शिक्षा

व्यावसायिक विकास कार्यक्रम तथा ऐसे ही अन्य गतिविधियों के

माध्यम से इंस्टीट्यूट ने अपने सदस्यों को अनवरत शिक्षा देने, कार्पोरेट तथा व्यापार मामलों संबंधी दूरगामी और बार-बार होने वाले परिवर्तनों के बारे में अद्यतन करने का प्रयास किया गया है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए 8 राष्ट्रीय स्तर के व्यावसायिक विकास कार्यक्रम रखे गए हैं जिनमें समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 31वां राष्ट्रीय कन्वेंशन तथा पांच प्रेक्टिसरत कम्पनी सचिव का राष्ट्रीय सम्मेलन भी शामिल है।

3.2.2 कम्पनी सचिवों के लिए प्रोफेशनल ड्रेस कोड के लिए मार्ग-निर्देशन

इस प्रोफेशनल कोड और अधिक दृश्यमान बनाने और ब्रांड-बिल्डिंग को बढ़ाने के लिए तथा यूनीफार्मिटी तैयार करने को ध्यान में रख कर इंस्टीट्यूट ने जुडिशियल/क्वासी जुडिशियल निकायों और अधिकरणों के सामने उपस्थित होने के समय सदस्यों के लिए प्रोफेशनल ड्रेस पहनने के वास्ते निर्धारित मार्ग-निर्देशन दिए हैं।

4. परिषद

4.1 अध्यक्ष और उपाध्यक्ष

19 जनवरी 2004 को परिषद की 146वीं बैठक में 19 जनवरी 2004 से एक वर्ष के लिए पश्चिमी क्षेत्र के श्री महेश अनंत अठावले को अध्यक्ष और दक्षिणी क्षेत्र के श्री आर. रवि को उपाध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया गया है।

4.2 परिषद की बैठक

समिति के विभिन्न बैठकों के अलावा परिषद ने इस वर्ष के दौरान नौ बैठकों आयोजित कीं।

4.3 समितियों का गठन

परिषद द्वारा गठित विभिन्न स्थायी और गैर-स्थायी समितियों और सलाहकार बोर्डों की विवरण इस रिपोर्ट के परिशिष्ट 'क' में दिया गया है।

4.4 परिषद तथा समितियों की बैठकों में उपस्थिति

परिषद और स्थायी तथा गैर-स्थायी समितियों की बैठकों के सदस्यों की उपस्थिति का ब्योरा परिशिष्ट 'ख' में दिया गया है।

5. क्षेत्रीय परिषदें और शाखाएं

5.1 क्षेत्रीय परिषदें

सभी चारों क्षेत्रीय परिषदों ने बड़े उत्साह और जोश से अपनी गतिविधियां और कामकाज को चला कर परिषद को अपना समर्थन और सहायता देना जारी रखा। क्षेत्रीय परिषदों ने व्यावसायिक विकास कार्यक्रम, सेमिनार, कार्यशालाएं, एस.एम.टी. कार्यक्रमों, मौखिक शिक्षण कक्षाओं, और विद्यार्थी मार्गनिर्देशी बैठकों, अध्ययन-सक्रिय बैठकों और क्षेत्रीय सम्मेलनों का आयोजन किया व कैरियर मेलों में भाग लिया। के.परिषदें पुस्तकालयों को भी व्यापक रूप से अद्यतन रखने, समाचार-बुलेटिन प्रकाशित करने और आंकड़े रखते हुए रोजगार सेवाएं प्रदान करने, सदस्यों और विद्यार्थियों को जानकारी प्रदान करने, इंस्टीट्यूट के प्रकाशनों की बिक्री करने का काम भी कर रही हैं।

इस वर्ष दक्षिणी भारत क्षेत्रीय परिषद/कार्यालय के आई.सी.एस.आई.-एस.आई.आर.सी. के भवन का निर्माण किया, जिसका उद्घाटन 29 अगस्त 2003 को मद्रास उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश माननीय जस्टिस बी. सुब्रह्मण्यम ने किया। किन्नर प्रसन्न, ज्ञानशक्ति, प्रमोद

31 मार्च 2004 को प्रत्येक क्षेत्रीय परिषद की रिजर्व सलाह तथा सदस्यों और विद्यार्थियों की संख्या में भी दी गई

मद	पूर्वी भारत क्षेत्रीय परिषद्	उत्तरी भारत क्षेत्रीय परिषद्	दक्षिणी भारत क्षेत्रीय परिषद्	पश्चिमी भारत क्षेत्रीय परिषद्
31.03.2004 को सामान्य रिजर्व (रु०)	1209995	6881084	—	2889820
अधिशेष (घाटा) 2003-04 (रु०)	184033	1860214	(314604)	289983
नियमित विद्यार्थियों की संख्या				
31-03-2004 को	12105	25475	21391	24346
31-03-2003 को	12875	26779	21228	24844
2003-04 के दौरान वृद्धि/कमी का प्रतिशत	(5.98)	(4.87)	0.77	(2.00)
फाउंडेशन पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों की संख्या				
31 मार्च 2004 को	5343	13747	4432	8690
31 मार्च 2003 को	3903	10916	4368	7016
2003-04 के दौरान वृद्धि/कमी का प्रतिशत	36.89	25.93	1.47	23.86
सदस्यों की संख्या				
31 मार्च 2004 को	1768	5009	3990	5256
31 मार्च 2003 को	1703	4815	3929	5107
2003-04 के दौरान वृद्धि/कमी का प्रतिशत	3.82	4.03	1.55	2.92

5.3 शाखायें

इस वर्ष आगरा, भीलवाड़ा, जोधपुर, मेरठ और राजकोट सेटलाइट शाखाओं को पूरे दर्जे की शाखा का दर्जा दिया गया। पश्चिमी भारत क्षेत्रीय परिषद् के ठाणे में एक नई शाखा स्थापित की गई, जिससे कुल शाखाओं की संख्या बढ़कर 45 हो गई। सभी शाखाओं ने विद्यार्थियों को मौखिक शिक्षण, उनको प्रशिक्षण देने, उनके लिए व्यावसायिक तथा अनवरत शिक्षा कार्यक्रम आयोजित करने, नियमित रूप से न्यूज बुलेटिन प्रकाशित करने तथा लाइब्रेरी सुविधाएं आदि सम्बन्धी विभिन्न गतिविधियां सम्पन्न की।

आज तक जिन शाखाओं के अपने कार्यालय भवन हैं उनके नाम इस प्रकार हैं:-

अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, डोम्बीवली, गाजियाबाद, गोवा, हैदराबाद, इन्दौर, जयपुर, कामपुर, कोची, मदुरई, मंगलौर, पूणे, सूरत और वडोदरा।

5.4 सर्वोत्तम शाखा पुरस्कार

वर्ष 2002 के सर्वोत्तम शाखा पुरस्कार को 11-13 सितम्बर 2003 को आगरा में आयोजित 31वें राष्ट्रीय सम्मेलन समारोह के उद्घाटन पर निम्नलिखित शाखाओं को दिये गये:

सर्वोत्तम राष्ट्रीय शाखा पुरस्कार : अहमदाबाद

श्रेणी-क्रम सर्वोत्तम क्षेत्रीय शाखायें

ए-1	:	पूणे
बी	:	कोयम्बटूर
सी	:	भुवनेश्वर
डी	:	मदुरई और नागपुर
ई	:	विशाखपटनम

5.5 सेटलाइट शाखाएं

आज की तारीख में निम्नलिखित स्थानों पर 20 सेटलाइट शाखाएं काम कर रही हैं :

दक्षिण — कालीकट, हुबली-धारवाड़, कोट्टयम, सेलम, त्रिचुर और विजयवाड़ा

पश्चिम— औरंगाबाद, ग्वालियर और नासिक

उत्तर — अजमेर, इलाहाबाद, अमृतसर, बरेली, ब्यावर, देहरादून, जालंधर, जम्मू, करनाल-पानीपत, वाराणसी, और यमुना नगर

वर्ष के दौरान सदस्यों और विद्यार्थियों के लिए सभी शाखाओं ने

विभिन्न सेटलाइट शाखाओं में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। इंस्टीट्यूट की सेटलाइट शाखाओं पर इंस्टीट्यूट की अध्ययन सामग्री, जर्नल और अन्य प्रकाशन उपलब्ध कराए गए।

6 प्रकाशन

6.1 सचिवीय मानक और मार्गनिर्देशन नोट्स

वर्ष 2000-2001 में एक अद्वितीय और परिवर्तनकारी प्रयास शुरू किया गया है, जिसमें कार्पोरेट सेक्टर में विभिन्न सचिवीय प्रेक्टिस प्रोसेस को सम्मिलित, संगत तथा मानकीकृत बनाने के लिए सचिवीय मानक बोर्ड का गठन किया गया है; वर्ष 2001-02 में प्रथम सचिवीय मानक-एस. एस.-1 अर्थात् "सचिवीय मानक बोर्ड की बैठक" का विमोचन किया गया।

दूसरा सचिवीय मानक एस.एस.-2 अर्थात् "साधारण सभा के बारे में सचिवीय मानक" को सचिवीय मानक बोर्ड द्वारा तैयार और स्वीकृत कर समीक्षाधीन वर्ष में जारी किया गया।

तीसरा सचिवीय मानक एस.एस.-3 अर्थात् "लामांश संबंधी सचिवीय मानक" तथा उन पर गाइडेंस नोट तथा सचिवीय मानक बोर्ड द्वारा तैयार तथा परिषद् द्वारा स्वीकृत किया गया है, जिसे 'सेबी' के चेयरमैन श्री जी. एन. वाजपेयी ने 22 मई 2003 को जारी किया।

इंस्टीट्यूट ने बोर्ड ऑफ डायरेक्टर की बैठकों पर गाइडेंस नोट्स, पोस्टल बैलट द्वारा प्रस्ताव को पारित करना तथा साधारण बैठकों पर इस वर्ष जारी किए हैं।

आज बहुत सी कम्पनियां स्वैच्छिक रूप से सचिवीय मानक अपना कामकाज में अपना रही हैं। अनेक कम्पनियों की वार्षिक रिपोर्ट में सचिवीय मानक 1 और 2 के अनुपालन के संबंध में 'डिस्क्लोजर' को भी शामिल किया गया है। कार्पोरेट सेक्टर द्वारा सचिवीय मानक को अपनाने के बारे में सचिवीय प्रेक्टिस की गुणवत्ता पर पर्याप्त प्रभाव पड़ेगा ताकि इसकी तुलना सर्वाधिक सचिवीय पद्धति से की जा सके।

6.2 चार्टर्ड सेक्रेटरी

पिछले 33 साल से इंस्टीट्यूट मासिक जर्नल 'चार्टर्ड सेक्रेटरी' का प्रकाशन कर रहा है, जिसका 34वें वर्ष में इसकी प्रकाशन संख्या 26000 से भी अधिक है। चार्टर्ड सेक्रेटरी को विभिन्न क्षेत्रों से अनेक सराहना पत्र प्राप्त हुए हैं; इसे यह सराहना उद्योग, वाणिज्य या व्यापार से अथवा व्यावसायिकों से सभी तरफ से मिले हैं, सभी मानते हैं कि इसमें समसामयिक विषय पर अनेक ज्ञानवर्धक लेखों का गुणवत्तापूर्ण प्रकाशन होता है, साथ

ही सरकारी अधिसूचनाएं, कानूनी निर्णय आदि भी तुरन्त प्रकाशित किए जाते हैं। यह जर्नल इंस्टीट्यूट, इसके सदस्यों तथा अन्य लोगों के बीच संचार के दौरान प्रभावशाली मध्यस्थता के रूप में कार्य करता है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान हुए निम्नलिखित विषय पर विशेष अंक प्रकाशित किए हैं -

1. इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी एंड कार्पोरेट मैनेजमेंट
2. कार्पोरेट गवर्नेंस
3. प्रोफेशनल एथिक्स
4. डब्ल्यू.टी.ओ. एंड प्रोफेशनल सर्विसेज

6.3 30 वर्ष का 'चार्टर्ड सेक्रेटरी सीडी' में

इंस्टीट्यूट से सी.डी. - रोम में 30 वर्ष के 'चार्टर्ड सेक्रेटरी' को व्यापक अनुसंधान सुविधाओं के साथ चित्रित किया है। इस सीडी का स्वागत अनेक सदस्यों और अन्य लोगों ने किया है। इस सीडी को प्रति वर्ष अद्यतन बनाया जाएगा।

6.4 अनुपालन प्रमाण पत्र सम्बन्धी गाइडेंस नोट (दूसरा संस्करण)

मार्च 2001 में प्रधान संस्करण के प्रकाशन के बाद, कम्पनी अधिनियम 1956 और इसके अन्तर्गत बने नियमों में प्रमुख परिवर्तन आ चुके हैं। इस वर्ष प्रकाशित किए गए संशोधित संस्करण में अद्यतन सूचना देने के अलावा 'लेटर अफ रिप्रजेंटेशन' का नमूना दिया गया था, जिसे प्रेक्टिसरत कम्पनी सचिवों को प्राप्त कर सकता है, जिनसे सत्यापित कराना व्यावसायिक नैतिकता के लिए बहुत उपयोगी रहेंगे।

6.5 डिपॉजिटरी प्रावधानों के संचालन कार्य में आन्तरिक लेखापरीक्षा पर पुस्तिका

डिपॉजिटरी एक्ट, 1996 तथा सेबी (डिपॉजिटरी एंड पार्टिसिपेंट्स) रेगुलेशंस, 1996 में डिपॉजिटरी सर्विस प्रोवाइडर्स के नियामक ढांचे का प्रावधान है; इसमें प्रेक्टिसरत कम्पनी सचिवों को डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स के संचालन कार्य की आन्तरिक लेखा परीक्षा करने का अधिकार है।

प्रेक्टिसरत कम्पनी सचिवों और अन्य व्यावसायिकों को मार्ग निर्देशन देने के विचार से इंस्टीट्यूट ने इंटरनल ऑडिट आफ अप्रेशन आफ डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स की एक पुस्तिका प्रकाशित की है, जिसमें आन्तरिक लेखापरीक्षा करने के लिए एक व्यापक चेकलिस्ट सहित डिपॉजिटरीयों के सम्बन्ध में ब्यौरेवार सूचना दी गई है।

6.6 इन्वेस्टर एजुकेशन और प्रोटेक्शन फंड रूल्स के अन्तर्गत प्रमाणीकरण सम्बन्धी गाइडेंस नोट

इन्वेस्टर एजुकेशन एंड प्रोटेक्शन फंड (अवेयरनेस एंड प्रोटेक्शन आफ इन्वेस्टर) रूल्स, 2001 अर्थात् निवेशक शिक्षा तथा संरक्षण निधि (निवेशक के लिए जागरूकता तथा संरक्षण) नियमावली 2001 के अनुसार प्रेक्टिसरत कम्पनी सचिवों को कम्पनी अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत स्थापित इन्वेस्टर एंड प्रोटेक्शन फंड के अन्तर्गत प्रदत्त। अदावाकृत लाभांश को क्रेडिट के सम्बन्ध में किसी कम्पनी द्वारा कम्पनी रजिस्ट्रार को प्रस्तुत विवरण की सत्यता से प्रमाणित करने के लिए अधिकृत है। इंस्टीट्यूट द्वारा प्रकाशित गाइडेंस नोट में ब्यौरेवार चेक लिस्ट दी गई है ताकि नियमावली के फार्म-1 और फार्म-2 में प्रस्तुत सूचना की सत्यता की जांच की जा सके।

6.7 कम्पनी सचिवों के लिए आचार संहिता पर गाइडेंस नोट (द्वितीय संस्करण)

वर्ष 1989 में जब कम्पनी सचिवों के लिए आचार संहिता पर गाइडेंस नोट का प्रथम संस्करण प्रकाशित हुआ था, तब से सामान्य रूप

से कम्पनी सचिवों और विशेष रूप से उनकी प्रेक्टिस के मामले में कार्यापलट हो गया है। सरकार और नियामक प्राधिकारियों ने निरन्तर प्रेक्टिसरत कम्पनी सचिवों में गहरा भरोसा और विश्वास व्यक्त किया है, जिससे उन्हें विभिन्न प्रकार के अवसर प्राप्त हुए हैं। परिणामस्वरूप, और अधिक सदस्य प्रेक्टिस कार्य को अपना रहे हैं। इसे देखते हुए, इंस्टीट्यूट ने इस गाइडेंस नोट का संशोधित एवं अद्यतन संस्करण तैयार किया है। संशोधित संस्करण में "सदस्यों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही का संक्षेप" भी शामिल है।

6.8 कार्पोरेट गवर्नेंस (सर्वोत्तम प्रेक्टिस के मापदण्ड)

इंस्टीट्यूट ने अपने पूर्व प्रकाशन का व्यापक रूप से संशोधन और अद्यतन किया है ताकि कार्पोरेट कम्पनियों को न केवल कानूनी कार्पोरेट गवर्नेंस मापदण्ड के अनुपालन में राहत पहुंचाई जाए, बल्कि इससे वे आगे जाकर पारदर्शी ढंग से कम्पनियों के प्रदर्शन और प्रक्रियाओं के मामले में पणधारियों को संगत सूचनाएं भी दे सकें। इस संस्करण में संशोधित और अद्यतन फार्मेट, लेखा परीक्षा समिति की आदर्श नीतियां, माडल 'व्हिसल ब्लोअर' नीति, नैतिक संहिता, मानव संसाधन पर आदर्श नीतियां एवं मार्ग निर्देशन, सिलसिलेवार योजना, रोजगार में विविधता, पर्यावरण, उपहारों की स्वीकृति आदि अनेक बातें दी गई हैं। इस पुस्तक में कम्पनियों के 'ओम्बड्समैन' की विवादास्पद नीति, नियामक प्राधिकारियों की धारणा सहित चुनिंदा कम्पनियों के वजन और मिशन विवरण, चैम्बर आफ कामर्स, कार्पोरेट गवर्नेंस पर कार्पोरेट तथा व्यावसायिक निकायों को भी शामिल किया है।

6.9 कम्पनी बैठकें - सार-संग्रह ग्रन्थ

किसी कम्पनी के कार्यों तथा निर्णयों को लोकतांत्रिक, प्रभावी और बाध्यकारी होना चाहिए जिसके लिए आवश्यक है कि उसके इन कार्यों से पूर्व वैध रूप से बैठकें बुलाई जाएं। इस प्रकाशन के चुनिंदा सार-संग्रह जमा किए गए हैं, जिनके बारे में कम्पनी विधि के विशेषज्ञों ने प्रामाणिक और व्यावहारिक लेख लिखे हैं, यह पुस्तक कम्पनी बैठकों के विभिन्न जटिल पहलुओं पर पाठकों के लिए एक उपयोगी गाइड है।

6.10 सिक्योरिटीज प्रबंधन और अनुपालन

आज के बदले हालात में सिक्योरिटीज (प्रतिभूति) प्रबंधन, अनुपालन और उनकी लेखापरीक्षा का और भी महत्त्व बढ़ गया है क्योंकि इससे निदेशक की संतुष्टि और अच्छे कार्पोरेट गवर्नेंस का प्रारम्भ होता है। इस प्रकाशन में पब्लिक ईशू और राइट ईशू, बोनस ईशू, प्रोफेशनल ईशू, एम्पलाई स्टॉक ऑप्शन, ऋण प्रतिभूतियों और विदेश ईशू प्रबंधन के बारे में बड़े अध्ययन से प्रबन्ध करने का उल्लेख किया गया है। इस पुस्तक में प्रतिभूतियों को वापस खरीदने, टेक ओवर कोड, इनसाइडर ट्रेडिंग, कम्पनी अधिनियम, फेमा, स्टाम्प एक्ट और आचार अधिनियम के बारे में प्रबंधन और कानूनी अनुपालन का उल्लेख भी है।

6.11 वर्ल्ड ट्रेड आर्गेनाइजेशन, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, संयुक्त सद्यम और स्वदेशी सहयोग

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि लम्बे समय से चली आ रही अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं के कारण और भी दृढ़ हो गई है और डब्ल्यू.टी.ओ की स्थापना से इनमें और भी तेजी से वृद्धि हुई है। इसी प्रसंग में इंस्टीट्यूट ने इस प्रकाशन को प्रकाशित किया है ताकि विशेष रूप से डब्ल्यू.टी.ओ व्यवस्था कायम होने से अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की विशिष्ट जानकारी को व्यापक रूप में दर्शाया जा सके। बौद्धिक सम्पदा अधिकारों, विदेशी सहयोग, संयुक्त सद्यम, निर्यात-आयात नीति और प्रक्रिया तथा अन्तर्राष्ट्रीय वाणिज्य मध्यस्थता पर और भी अधिक बल दिया गया है।

6.12 अन्य प्रकाशन

- 1 बैंकग्राउण्डर आफ फिफ्थ नेशनल काफ्रेस आफ प्रेक्टिसिंग कम्पनी सेक्रेटरीज।
 - 2 सीडी आफ रेफ्रेंसर आन प्रोफ़ाउण्डिंग एरियाज आफ प्रेक्टिस फार कम्पनी सेक्रेटरीज।
 - 3 बैंकग्राउण्डर फार थर्टी-फर्स्ट नेशनल कंवेशन आफ कम्पनी सेक्रेटरीज
 - 4 कार्पोरेट कम्पलायंस केलेण्डर
 - 5 सीडी आफ रेफ्रेंसर आन नेशनल कम्पनी लॉ ट्रिब्यूनल
 - 6 कार्पोरेट सोशल रिस्पॉसिबिलिटी
 - 7 सेगमेंट-वाइज रोल आफ कम्पनी सेक्रेटरीज
 - 8 कंसलटेटिव पेपर आन होल्लिडिंग आफ बोर्ड मीटिंग्स थू वीडियो-काफ्रेसिंग
- 7 कार्पोरेट अनुसंधान और प्रशिक्षण का आई.सी.एस.आई. - केन्द्र

पिछले 4 वर्षों में आई.सी.एस.आई.-सी.सी.आर.टी. ने एक छवि बनाई है और अपनी अनुसंधान और प्रशिक्षण के जरिए एक ब्रांड बनाया है, जो उसकी गतिविधियों से संबंधित है। कार्पोरेट बैंक तथा अन्य संस्थानों की सेवा करने के अलावा, सी.सी.आर.टी. ने कुछ अन्य नई अनुसंधान गतिविधियों को अपने हाथ में लिया है और कार्पोरेट तथा इसके सदस्यों और विद्यार्थियों के लाभ के लिए अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया है। इनका विवरण नीचे प्रस्तुत है :

7.1 अनुसंधान गतिविधि

7.1.1 इंस्टीट्यूट सी.सी.आर.टी. को प्रोएक्टिव अनुसंधान तथा उत्कृष्ट प्रशिक्षण केन्द्र के रूप सक्रिय बनाने की प्रक्रिया की शुरुआत की है। अनुसंधान पहल के उसी प्रसंग में एक योजना तैयार की गई है और अनेक विषयों पर अनेक सदस्यों तथा विशेषज्ञों से अनुसंधान प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं।

7.1.2 कम्पनी सचिव व्यवसाय और अन्य अनुसंधानकर्ताओं के सदस्यों में प्रोएक्टिव अनुसंधान को बढ़ाने और पुष्ट करने के लिए आई.सी.एस.आई. अनुसंधान पहल की घोषणा अप्रैल-मई 2003 में की गई। इसके पीछे बुनियादी विचार यह था कि कार्पोरेट सम्बंधित कानूनों की सुदृढ़ सूचना आधार और अन्तर्दृष्टि का विकास किया जाए; उनके तंत्र को लोगों तक पहुंचाया जाए और जिस तरह की कार्पोरेट गवर्नेंस में वह वास्तविकताएं उभर कर आ रही हैं उन्हें देखते हुए उनमें समरसता परिवर्तन की जरूरत है और इन ब्रांड-बिल्डिंग के विकसित ज्ञानवर्धक आधार तथा सरकार, विनियामक और अन्तर्राष्ट्रीय एजेंसियों के बीच सलाह-मशविरा के प्रयोजन के लिए उपयोग में लाया जाए। इस योजना को कार्यान्वित करने की जिम्मेदारी आई.सी.एस.आई. - सी.सी.आर.टी. को सौंपी गई है।

7.1.3 तदनुसार आई.सी.एस.आई. - सी.सी.आर.टी. ने आई.सी.एस.आई. के मासिक जर्नल 'चाटर्ड सेक्रेटरी' के माध्यम से इस व्यवसाय के चुनिंदा संगत विषयों पर अनुसंधान प्रस्तावों को आमंत्रित किया है। 31 मार्च, 2004 को सी.सी.आर.टी. से 69 पृष्ठताछ की गई, जिसमें से 25 प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए। इन प्रस्तावों की सूची में से 11 प्रस्तावों को प्रोसेसिंग के लिए चुना गया है, जिनमें से 7 अनुसंधान परियोजनाएं प्रगति पर हैं।

7.1.4 इस वर्ष कार्पोरेट, सोशल रिस्पॉसिबिलिटीज आफ इण्डियन कम्पनीज पर एन.एस.ई. ने अनुसंधान में पहल करते हुए धन दिया है, जिससे यह अध्ययन पूरा किया जा रहा है। इस अध्ययन के आधार पर आई.सी.एस.

आई-सी.सी.आर.टी. के प्रकाशन का विमोचन आगरा में आयोजित 31वें राष्ट्रीय कन्वेंशन में इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ फारेन ट्रेड के सेवा-निवृत्त महानिदेशक डॉ० आबिद हुसैन ने किया।

7.2 प्रशिक्षण कार्यक्रम

7.2.1 रेजीडेंशियल सेक्रेटेरियल माड्यूलर ट्रेनिंग प्रोग्राम के जरिए विद्यार्थियों के लिए सी.सी.आर.टी. प्रशिक्षण पहल उपायों के रूप में एक नई गतिविधि शुरू की है। वर्ष के दौरान सी.सी.आर.टी. ने ऐसे 4 कार्यक्रम आयोजित किए हैं। विद्यार्थियों को विशेषज्ञों की पैनल के सामने ग्रुप परियोजनाओं को प्रस्तुत करके अपनी संचार निपुणता और सहकारी ज्ञान को बढ़ाने का अवसर मिला है।

7.2.2 सी.सी.आर.टी. ने प्रतिभूतियों को सूची से हटाए जाने, सेबी अपडेट्स (पूरे दिन का सेमिनार), प्रतिभूतियों की वापसी खरीद आदि जैसे विभिन्न विषयों पर पश्चिमी भारत क्षेत्रीय परिषद (आई.सी.एस.आई की परिषद) और नवी मुम्बई शाखा के साथ मिलकर संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस वर्ष सी.सी.आर.टी. ने अकादमी ऑफ कार्पोरेट गवर्नेंस के साथ मिलकर कार्पोरेट गवर्नेंस के चुनिंदा मोड्यूलों पर कार्यक्रम आयोजित किए।

7.2.3 कम्पनी सचिवों के लिए अपनी नियमित सेमीनारों के अलावा सी.सी.आर.टी. ने तरह-तरह के प्रबंधनों की पूर्ति के लिए अपनी प्रशिक्षण पहल-उपायों को निम्नलिखित अनेक कार्यशालाओं का आयोजन किया जैसे 'सफलता की ओर', 'उत्कृष्ट प्रबंधन प्रणाली आई.एस.ओ 9001 : 2000 एस.टी.डी.', 'पूँजी बाजार पर गोल सम्मेलन' आदि। वर्ष 2003-04 में सी.सी.आर.टी. ने 35 कार्यक्रमों का आयोजन किया जबकि पिछले वर्ष 9 कार्यक्रम हुए थे। इन आयोजनों में भाग लेने वालों की संख्या पिछले वर्ष की 197 से बढ़ कर इस वर्ष 1300 हो गई।

7.2.4 सी.सी.आर.टी. ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टी.सी.एस.) और एस.बी.आई.ग्रुप, हीकल लि०, कॉकण रेलवे कार्पोरेशन लि० (के.आर.सी.एल.), थिंक साट ग्लोबल, आई.डी.बी.आई., दीवान हाउसिंग फिनांस कं० लि० (डी.एच.एफ.एल.), इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ मेटेरियल्स मैनेजमेंट (आई.आई.एम.एम.), इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ इण्डस्ट्रियल इंजीनियर्स (आई.आई.आई.ई.), हिन्दुस्तान लीवर लि० (एच.एल.एल.) और के.एल.जी.सिस्टम्. लि० का सहयोग भी प्राप्त किया।

7.2.5 मार्च 2004 में निजी सदस्यों तथा कम्पनियों के लिए वार्षिक सदस्यता योजना शुरू की गई और इस बारे में सदस्यों की संख्या संतोषजनक रही है।

8 सूचना प्रौद्योगिकी**8.1 वेबसाइट**

इंस्टीट्यूट की वेबसाइट में कई नई विशेषताओं को जोड़ा गया है। दृश्य और महसूस करने सम्बन्धी अनेक वैयक्तिकरण जैसी विशेषताओं को कार्यान्वित किया गया है। कार्पोरेट गवर्नेंस में उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार के प्रयोजन के लिए विवरण प्रस्तुत करने के लिए विभिन्न कम्पनियों से सूचना प्राप्त करने के वास्ते ऑन लाइन फार्मों की शुरुआत की है।

8.2 कम्प्यूट्राइजेशन गतिविधियां

एमएस. नेट जैसी नवीनतम प्रौद्योगिकी पर साफ्टवेयर का विकास किया जा रहा है। इससे इंस्टीट्यूट की कुछ प्रक्रिया स्वतः चालित होने लगेंगी और विद्यार्थियों को ऑन लाइन सुविधाएं मिल पाएंगी।

क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं में कम्प्यूट्राइजेशन के काम को और तेज किया जा रहा है।

इंस्टीट्यूट ने पंजीकरण की स्कैनिंग और नामांकन फार्म जैसी स्वतः चालित प्रक्रियाओं को अपनाया है ताकि तेजी से सेवाएँ दी जा सकें।

एन.आई.आई.टी. के साथ मिलकर इंस्टीट्यूट के विद्यार्थियों और सदस्यों को कंप्यूटर शिक्षा में निपुण बनाने के लिए पहल की जा रही है।

9 सदस्य

9.1 नए प्रवेश

2003-04 वर्ष में 932 एसोसिएट सदस्य तथा 209 फेलो सदस्यों को प्रविष्ट किया गया। 31 मार्च 2004 को इंस्टीट्यूट के रजिस्टर में 16023 सदस्य दर्ज थे, जिनमें से 11956 एसोसिएट और 4067 फेलो सदस्य थे। 31 मार्च 2004 को विदेशों में रहने वाले सदस्यों की संख्या 228 थी।

2003-04 वर्ष में 843 सदस्यों को प्रेक्टिस प्रमाण पत्र जारी किए गए। 31 मार्च 2004 को प्रेक्टिसरत प्रमाणपत्रधारियों की संख्या 2910 थी। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान परिषद को 30 सदस्यों की मृत्यु की सूचना देते हुए हार्दिक दुःख है।

9.2 सदस्यों की सूची

कम्पनी सचिव विनियमावली 1982 के विनियम 161 के साथ पठित कम्पनी सचिव अधिनियम 1980 की धारा 19(3) के अनुसार में 1 अप्रैल, 2004 को सदस्यों की सूची प्रकाशित की जा रही है। सदस्यों के अनुरोध पर उन्हें यह सूची मिल सकती है। सदस्यों की डायरेक्टरी भी इंस्टीट्यूट की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

9.3 सदस्यों को पहचान पत्र

इंस्टीट्यूट ने उन सदस्यों को पहचान पत्र जारी किए थे और उन सदस्यों को भी निरन्तर ही पहचान पत्र जारी कर रही है, जिनसे इन पहचान पत्रों की मांग प्राप्त हो रही है।

9.4 लाइसेंसधारी

इस वर्ष जिन 148 विद्यार्थियों ने फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण की, उन्हें आई.सी.एस.आई. में लाइसेंसधारी के रूप में प्रवेश दिया गया है। 31 मार्च, 2004 को आई.सी.एस.आई. के लाइसेंसधारियों की कुल वैध संख्या 511 थी।

9.5 नैतिकता, मूल्य और सदाचार

परिषद ने निरन्तर ही विभिन्न मंचों से व्यवसाय की नैतिकता और नीतिगत मूल्यों और इंस्टीट्यूट की सदाचार संहिता को सच्ची भावना से उच्चतम स्तर पर अपनाने की आवश्यकता का प्रचार किया है और इस पर बल दिया है।

9.6 चुनाव

8वीं परिषद का कार्यकाल 18 जनवरी, 2004 को समाप्त हो गया। 9वीं परिषद और क्षेत्रीय परिषदों का चुनाव दिसम्बर, 2003 को किया गया जिसकी अधिसूचना 1 सितम्बर, 2003 को जारी की गई। शाखाओं की प्रबंधन समितियों का पुनर्गठन भी तीन वर्ष के लिए किया गया। देशभर में चुनाव सुचारु रूप से सम्पन्न हुए। परिषद ने राज्यसभा सचिवालय के अधिकारी दल का मतगणना के लिए सहयोग और मार्ग निर्देशन करने के लिए सराहना की।

9.7 नियोजन सेवाएँ

इंस्टीट्यूट ने इस वर्ष भी सदस्यों को नियोजन सहायता प्रदान करने के प्रयास जारी रखे हैं।

समाचार पत्रों, पत्रिकाओं तथा वेबसाइट सहित सभी संभावित स्रोतों से कम्पनी सचिव की रक्तियों की पहचान करने के लिए प्रयास किए गए हैं और सदस्यों के बायो-डाटा को विभिन्न संग्रहों के पास भेजा गया है। इसी प्रकार क्षेत्रीय परिषदों तथा शाखाओं ने भी सेवाएँ प्रदान की हैं। अनेक

कैम्पस इंटरव्यूज भी आयोजित किए गए हैं, जिसमें कम्पनी सचिवों को मौके पर ही संगठनों को उन्हें चयन करने की सुविधा प्रदान की गई है। सदस्यों/नियोक्ताओं को ऑन लाइन पंजीकरण सुविधाएँ भी प्रदान की गई हैं।

9.8 पञ्च सदस्ता अर्हता पाठ्यक्रम

पूजीगत बाजार और वित्त सेवा के बारे में पञ्च-सदस्ता अर्हता पाठ्यक्रम को चुस्त-दुरुस्त करने के लिए एक समिति का गठन किया गया है। इसका पाठ्य-विवरण जल्द ही तैयार हो जाएगा। कापरिट गवर्नर्स का नया पाठ्यक्रम उसी आधार पर तैयार किया है, जैसा कि विदेशों के प्रख्यात विश्वविद्यालयों में पाठ्यक्रम रखे जाते हैं और इस योजना का विभिन्न चैम्बर्स आफ कामर्स को उनका विचार जानने के लिए भेज दिया गया है और इसके बाद इसे भारत सरकार की स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा।

10 छात्र सेवाएँ

10.1 पंजीकरण

समीक्षाधीन वित्त वर्ष 2003-04 के दौरान 1641 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया जबकि पिछले वर्ष 17436 विद्यार्थियों का पंजीकरण हुआ था। 31 मार्च 2004 को विद्यार्थियों की चालू पंजीकरण संख्या 83317 थी, जबकि 2003 में पिछली बार यह संख्या 85726 थी।

10.2 फाउण्डेशन पाठ्यक्रम में प्रवेश

रिपोर्टाधीन वित्त वर्ष में फाउण्डेशन पाठ्यक्रम में 10796 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया, जबकि पिछले वर्ष 11533 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया था। वर्तमान फाउण्डेशन पाठ्यक्रम में 31.3.2004 को यह संख्या 32212 थी जबकि 31.3.2003 को यह संख्या 26203 थी।

10.3 शिक्षण

रिपोर्टाधीन वर्ष में मौखिक तथा डाक शिक्षण में विद्यार्थियों को 22933 शिक्षण सामान्य प्रमाण पत्र जारी किए गए जबकि पिछली बार शिक्षण समाप्ति पर 14850 शिक्षण समाप्ति प्रमाण पत्र जारी किए गए थे।

10.4 परीक्षा फार्मों की स्कैनिंग

पहली बार इंस्टीट्यूट ने परीक्षा में बैठने वाले परीक्षार्थियों के आवेदन पत्रों के नामांकन की स्कैनिंग का काम शुरू किया है। तदनुसार, दिसम्बर 2003 में बैठने वाले परीक्षार्थियों को प्रवेश पत्र जारी किए गए हैं जिन पर परीक्षा में बैठने वाले परीक्षार्थियों के स्कैनिंग वाले फोटोग्राफ और हस्ताक्षर हैं।

10.5 परीक्षाएँ

10.5.1 परीक्षाओं का आयोजन

रिपोर्टाधीन वर्ष 2003-04 में जून और दिसम्बर 2003 में कम्पनी सचिवों की फाउण्डेशन, इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षाओं के लिए देशभर में 58 केन्द्र थे और एक केन्द्र विदेश में दुबई में था। जून और दिसम्बर 2003 की परीक्षाओं में क्रमशः 28720 और 26749 विद्यार्थियों ने परीक्षा में बैठने के लिए नामांकन पत्र भरे। 2003-04 में परीक्षाओं के विभिन्न स्तरों पर अपनी परीक्षा पूरी करने वालों का विवरण नीचे दिया गया है :-

परीक्षा का स्तर	परीक्षा सत्र	जून 2003	दिसम्बर 2003
फाउण्डेशन (पुराना पाठ्यक्रम)		78	24
फाउण्डेशन (नया पाठ्यक्रम)		1170	723
इंटरमीडिएट (पुराना पाठ्यक्रम)		530	499
इंटरमीडिएट (नया पाठ्यक्रम)		169	330
फाइनल (पुराना पाठ्यक्रम)		431	573
फाइनल (नया पाठ्यक्रम)*		15	15

* (दिसम्बर 2003 में शुरू किया गया)

परीक्षा संबंधी आंकड़े इस रिपोर्ट के परिशिष्ट ग में दिए गए हैं।

10.5.2 पञ्च-सदस्यता अर्हता (पी.एम.क्यू.) परीक्षा का आयोजन

इंस्टीट्यूट ने जून 2002 और दिसम्बर 2002 में 8 केन्द्रों—अर्थात्—अहमदाबाद, बंगलौर, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकता, मुम्बई और पुणे में “पूँजी बाजार और वित्तीय सेवाओं” की पी.एम.क्यू. परीक्षा आयोजित की।

10.5.3 अखिल भारतीय पुरस्कार

जून और दिसम्बर 2003 की परीक्षाओं के लिए प्रेजीडेंट के अखिल भारतीय पुरस्कार निम्नलिखित विद्यार्थियों ने जीते हैं :

पाठ्यक्रम	जून 2003	केन्द्र
इंटरमीडिएट	आदित्य बंसल	जयपुर
फाइनल	अंशुल गोयल	चण्डीगढ़
पाठ्यक्रम	दिसम्बर 2003	केन्द्र
इंटरमीडिएट	अभिषेक तकमणि	कोलकता
फाइनल	मयंक कनकारिया (सुश्री)	कोलकता

10.5.4 योग्यता प्रमाण पत्र/योग्यता छात्रवृत्तियाँ/वित्तीय सहायता

जून 2003 सत्र में पुराने और नए पाठ्यक्रमों की फाउण्डेशन परीक्षा में क्रमशः प्रथम सर्वोच्च 11 और 25 रैंक पाने वाले परीक्षार्थियों और इंटरमीडिएट में पुराने और नए पाठ्यक्रमों में क्रमशः प्रथम सर्वोच्च 10 और 20 रैंक पाने वाले परीक्षार्थियों को तथा पुराने पाठ्यक्रम में फाइनल परीक्षाओं में सर्वोच्च 10 रैंक पाने वाले परीक्षार्थियों को योग्यता प्रमाण दिए गए।

इसी प्रकार दिसम्बर 2003 सत्र में पुराने तथा नए पाठ्यक्रम में प्रत्येक में फाउण्डेशन परीक्षा के प्रथम 10 और 25 सर्वोच्च रैंक पाने वाले परीक्षार्थियों को, इंटरमीडिएट परीक्षा में पुराने तथा नए पाठ्यक्रम में क्रमशः प्रत्येक 10 और 18 प्रथम सर्वोच्च रैंक पाने वाले परीक्षार्थियों और फाइनल परीक्षा में पुराने तथा नए पाठ्यक्रम में प्रथम सर्वोच्च 10 रैंक पाने वाले परीक्षार्थियों को योग्यता प्रमाण पत्र दिए गए।

योग्यता छात्रवृत्ति योजना के अनुसरण में उन प्रथम सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले 15 परीक्षार्थियों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जिन्होंने जून 2003 सत्र में प्रथम प्रयास में ही फाउण्डेशन तथा इंटरमीडिएट परीक्षाओं के सभी प्रश्न पत्रों में अर्हता प्राप्त कर ली है। इसी प्रकार योग्यता व साधन सहायता योजना के अन्तर्गत जून 2003 परीक्षा के योग्य परीक्षार्थियों को भी वित्तीय सहायता दी गई है।

10.6 प्रशिक्षण**10.6.1 कम्पनियों में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए कम्पनियों/प्रेक्टिसरत कम्पनी सचिव की सूची बनाना**

इस वित्त वर्ष 2003-04 में 136 कम्पनियों को 15 महीने के प्रशिक्षण के लिए सूचीबद्ध किया गया तथा 43 कम्पनियों को 3 महीने के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सूचीबद्ध किया गया। प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रेक्टिसरत कम्पनी की संख्या 145 थी।

10.6.2 प्रशिक्षण प्रदान करना

इस वित्त वर्ष 2003-04 में 414 विद्यार्थियों ने 15 महीने का प्रशिक्षण प्राप्त किया, 116 विद्यार्थियों ने साढ़े तीन महीने का प्रेक्टिकल ट्रेनिंग कोर्स किया तथा 314 विद्यार्थियों ने प्रेक्टिसरत कम्पनी सचिव के साथ प्रशिक्षण कार्य पूरा किया।

10.6.3 प्रशिक्षण पुनश्चर्चा कार्यक्रम (टी.ओ.पी.)

इंस्टीट्यूट की परिषद ने निर्णय लिया है कि किसी कम्पनी या किसी प्रेक्टिसरत कम्पनी सचिव में 15 महीने का प्रशिक्षण पाने वाले विद्यार्थियों को प्रवेश प्रशिक्षण के रूप में 5 दिन का प्रशिक्षण पुनश्चर्चा कार्यक्रम (टी.ओ.पी.) को अनिवार्यतः पूरा करना होगा। इसका उद्देश्य है कि विद्यार्थियों को कार्पोरेट क्षेत्र के पर्यावरण और कामकाज के बारे में ज्ञान प्राप्त हो सके।

वित्त वर्ष 2003-04 में 40 प्रशिक्षण पुनश्चर्चा कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें से पूर्वी भारत क्षेत्रीय परिषद में पांच कार्यक्रम, उत्तरी भारत क्षेत्रीय परिषद में नौ कार्यक्रम, दक्षिणी भारत क्षेत्रीय परिषद में चार कार्यक्रम, पश्चिमी भारत क्षेत्रीय परिषद में चार कार्यक्रम और चण्डीगढ़ शाखा में एक कार्यक्रम, हैदराबाद शाखा में चार कार्यक्रम, जयपुर शाखा में दो कार्यक्रम, इंदौर शाखा में दो कार्यक्रम, कानपुर शाखा में दो कार्यक्रम, लखनऊ शाखा में दो कार्यक्रम तथा पुणे शाखा में तीन कार्यक्रम हुए। उक्त वित्त वर्ष में इस टी.ओ.पी. में 1205 विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की।

10.6.4 प्रशिक्षक कम्पनियों, प्रेक्टिसरत कम्पनी सचिवों और प्रशिक्षार्थियों के साथ बैठक

प्रशिक्षण कार्यक्रम को और मजबूत बनाने की दृष्टि से गुरु-शिष्य परम्परा की भावना के अनुसार इंस्टीट्यूट ने प्रशिक्षण देने वाली कम्पनियों, इंस्टीट्यूट के साथ पंजीकृत प्रशिक्षण प्रदान करने वाले प्रेक्टिसरत सचिवों और प्रशिक्षार्थियों के साथ क्रमशः 02.06.2003, 02.09.2003 तथा 16.07.2003 को बैठकों का आयोजन किया। सभी बैठकों में अच्छी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

10.6.5 सचिवीय माड्यूलर प्रशिक्षण कार्यक्रम (एस.एम.टी.पी.)**(1) नियमित एस.एम.टी.पी.**

वित्तीय वर्ष 2003-04 में क्षेत्रीय परिषद तथा ए-1 तथा ए-ग्रेड की शाखाओं द्वारा 26 नियमित माड्यूलर प्रशिक्षण कार्यक्रमों (एसएमटीपी) का आयोजन किया और 967 विद्यार्थियों ने सफलतापूर्वक एसएमटीपी पूरा किया।

(2) विशेष एस.एम.टी.पी.

यह देखा गया है कि कुछ विद्यार्थियों ने इंस्टीट्यूट की फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है और छूट हासिल करने के लिए अपेक्षित अनुभव प्राप्त कर लिया है, किन्तु अपनी पूर्व-व्यस्तताओं के कारण 15 दिन का एस.एम.टी.पी. पूरा न कर पाने के कारण इंस्टीट्यूट की सदस्यता ग्रहण नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे उम्मीदवारों को मदद देने के लिए इंस्टीट्यूट की परिषद ने निर्णय लिया है कि शनिवार, रविवार तथा अन्य दूसरी छुट्टियों के दिनों में इनके लिए विशेष एस.एम.टी.पी. लगाए जाएं जो 2-3 महीने या अन्य साप्ताहिक दिनों की अवधि में 15 दिन के लिए कार्य दिवस के पहले या बाद में लगाया जा सकता है।

वित्त वर्ष 2003-04 वर्ष में उत्तरी भारत क्षेत्रीय परिषद ने दो तथा दक्षिण भारत क्षेत्रीय परिषद ने एक विशेष एस.एम.टी.पी. कक्षाएं लगाई और उक्त एस.एम.टी.पी. में कुल 38 उम्मीदवारों ने इन विशेष एस.एम.टी.पी. का लाभ उठाया। उम्मीदवारों द्वारा इस कार्यक्रम की बहुमुखी सराहना प्राप्त हुई है।

(3) रेजीडेंशियल एस.एम.टी.पी.

एस.एम.टी.पी. को मजबूत बनाने और इसे और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रशिक्षण तथा शैक्षिक सुविधा समिति ने निर्णय लिया है कि

मुम्बई में सी सी आर टी को नियमित आधार पर रेजीडेंशियल एस. एम. टी. पी. का आयोजन करना चाहिए।

वित्त वर्ष 2003-04 में सी सी आर टी ने चार रेजीडेंशियल एस. एम. टी. पी. आयोजित किए और इस कार्यक्रम में 84 उम्मीदवारों ने भाग लिया।

10.6.6 पाठ्य-विवरण समीक्षा समिति

आज के परिवर्तनशील प्रतिस्पर्धी पर्यावरण में कम्पनी सेक्रेटरीशिप कोर्स के वर्तमान पाठ्य विवरणों को अद्यतन करना और उसकी समीक्षा करना एक निरन्तर प्रक्रिया है। इसलिए इंस्टीट्यूट ने पाठ्य-विवरण समीक्षा समिति का गठन किया है।

11 जन-सम्पर्क और कार्पोरेट कम्युनिकेशंस

11.1 मीडिया दृष्टि क्षेत्र

देशभर से कम्पनी सचिव व्यवसाय में सर्वोत्तम प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए प्रिंट और इलेक्ट्रिक मीडिया के माध्यम से एकजुट प्रयास करने की आवश्यकता है तथा समीक्षाधीन वर्ष में अन्य अनेक जागरूक अभियान प्रयास किए गए। छवि निर्माण सम्बन्धी इस प्रयास से आम लोगों, विद्यार्थी समुदाय और कार्पोरेट क्षेत्र को और अधिक स्वीकार्यता मिली है।

11.2 ब्रांड-बिल्डिंग

आई सी एस आई के लिए ब्रांड-ईक्विटी तैयार करने के लिए, जो उसके समन्वित विज्ञान और मिशन स्टेटमेंट्स से मिलता हो, इंस्टीट्यूट ने कार्पोरेट पहचान के बुनियादी तत्वों के मानकीकरण के आधार पर एक व्यापक "कार्पोरेट आइडेंटिटी म्युचुअल" प्रदान करने वाली गाइड लाइन का प्रकाशन किया है। आई.सी.एस.आई. का यह स्थान-निर्धारण कार्पोरेट छवि निर्माण और इंस्टीट्यूट की राष्ट्रव्यापी ब्रांड बिल्डिंग के मामले में एक कदम है।

11.3 विशिष्ट कैरियर काउंसलिंग किट्स

कैरियर काउंसलिंग के लिए संशोधित काउंसलिंग किट तैयार की गई है जिसमें बहुरंगी पोस्टर, मल्टी मीडिया प्रस्तुति लेख, कम्पनी सचिव कैरियर पर एक फिल्म तथा कम्पनी सचिव पर नए डिजाइन का ब्रोशर शामिल है और इसे सभी क्षेत्रीय शाखा कार्यालयों को भेजा गया।

11.4 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया

कम्पनी सेक्रेटरीशिप अर्थात् "कैरियर ट्रेड्स" पर 30 मिनट का कार्यक्रम का प्रसारण दूरदर्शन (डी डी-2) की मैट्रो चैनल पर किया गया। ज्ञान दर्शन पर "कम्पनी सेक्रेटरी के रूप में कैरियर" पर एक घण्टे का सजीव इंटरएक्टिव पैनल बहस का प्रसारण किया गया। कम्पनी सचिव पर 15 मिनट का एक सजीव फोन-इन-कार्यक्रम 'ईवनिंग लाइव शो' के दौरान दूरदर्शन के राष्ट्रीय नेटवर्क पर प्रसारित किया गया।

सभी प्रमुख बिजनेस समाचार पत्रों और टी.वी. चैनलों ने इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित प्रमुख कार्यक्रमों को कवर करती रहीं।

11.5 कैरियर फीचर्स/प्रेस इन्टरव्यू

"कम्पनी सचिव के रूप में कैरियर" पर कैरियर फीचर्स का एन. सी.आर. ट्रिब्यून, टाइम्स ऑफ इण्डिया, इण्डियन एक्सप्रेस, हिन्दुस्तान टाइम्स, दैनिक हिन्दुस्तान और दैनिक जागरण के सभी संस्करणों में प्रकाशित हुए।

कम्पनी सचिवों के व्यवसाय के विभिन्न पहलुओं पर प्रेसीडेंट तथा सचिव के प्रेस इन्टरव्यू नियमित रूप से हिन्दू बिजनेस लाइन, फिनांशियल एक्सप्रेस, इकोनामिक टाइम्स तथा बिजनेस स्टैंडर्ड में इस पूरे समीक्षाधीन वर्ष में प्रकाशित होते रहे।

11.6 कैरियर मेले

कम्पनी सचिव के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए इंस्टीट्यूट ने एक दर्जन कैरियर मेलों में भाग लिया और पूरे वर्ष देश भर में कैरियर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

11.7 प्रेस सम्मेलन

कम्पनी सचिव व्यवसाय के दृष्टिक्षेत्र को बढ़ाने के लिए कई-प्रेस सम्मेलन तिरुवनंतपुरम, कालीकट, कोयम्बटूर, मुम्बई, जोधपुर, चैन्नई, हैदराबाद, रायपुर, जयपुर, अहमदाबाद, पुणे और नागपुर और आगश में आयोजित हुए।

11.8 कार्पोरेट फिल्म

हमारे व्यवसाय की दृष्टि क्षेत्र को बढ़ाने के लिए 17 मिनट की कार्पोरेट फिल्म लिखी गई और इंस्टीट्यूट ने इसका निर्माण किया। इस फिल्म में कम्पनी सचिव व्यवसाय में बहुआयामी भूमिका और कम्पनी सचिव पाठ्यक्रम को उजागर किया गया है। उद्योग कप्तानों और हमारे व्यवसाय के वरिष्ठ सदस्यों के साथ इंटरव्यू इस फिल्म में दिए गए हैं। विभिन्न आई सी एस आई सेमिनारों/कार्यक्रमों में इस फिल्म के प्रदर्शन के लिए सी डी में इसकी प्रतियां सभी क्षेत्रीय शाखा कार्यालयों में भेजी गईं जिनमें ट्रेड, उद्योग और कार्पोरेट क्षेत्र के व्यावसायिक भाग लेते हैं।

12 वित्त

12.1 अधिशेष

सामान्य रिजर्व में अन्तरित की गई व्यय से अधिक आय की अधिशेष राशि 103.56 लाख रुपये रही जबकि पिछले वर्ष 2002-03 में यह राशि 244.53 लाख रुपये थी।

12.2 रिजर्व

(क) पूंजी रिजर्व

31 मार्च 2004 को सदस्यों से प्राप्त प्रवेश शुल्क के पूंजी रिजर्व की पूंजीकृत राशि 69.57 लाख रुपये थी, जबकि 31 मार्च 2003 को यह राशि 66.19 लाख रुपये थी।

(ख) सामान्य रिजर्व

पिछले वर्ष 31 मार्च 2003 को जो रिजर्व 2677.67 लाख रुपये था, अब बढ़ कर 31 मार्च 2004 को 2816.63 लाख रुपये हो गया है।

12.3 सांविधिक लेखा परीक्षक

कम्पनी सचिव अधिनियम 1980 की धारा 18(4) के अनुसरण में मैसर्स खन्ना एंड अन्नाधनम, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स, नई दिल्ली को 31 मार्च 2004 को समाप्त वर्ष के लिए इंस्टीट्यूट का सांविधिक लेखा परीक्षक पुनः नियुक्त किया गया। लेखा परीक्षक की रिपोर्ट लेखा विवरण के साथ प्रकाशित की गई है।

12.4 क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं को पूंजीगत अनुदान और ऋण

इंस्टीट्यूट ने अपनी क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं को 31 मार्च 2004 तक अपना कार्यालय भवन लेने के लिए जो कुल अनुदान और ऋण दिया है उसका ब्यौरा इस प्रकार है:

(क) अनुदान : 195.56 लाख रुपये

(ख) ऋण : 309.22 लाख रुपये

इंस्टीट्यूट का प्रयास है कि क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं द्वारा अपने काम काज के लिए भवन लेने के प्रयासों में उनकी सहायता करे।

कुछ क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं ने अपने कार्यालय स्थल/भवन परियोजनाओं के लिए संसाधन जुटाने के लिए सराहनीय प्रयास किये हैं। परिषद इन क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं द्वारा किये गये इन प्रयासों की प्रशंसा करती है।

13 कम्पनी सेक्रेटरी बनेवोलेंट फंड (सी.एस.बी.एफ.)

31.3.2004 को कम्पनी सेक्रेटरी बनेवोलेंट फंड की सदस्यता 4512 थी, जबकि 31 मार्च 2003 को यह सदस्यता 3981 थी। 31 मार्च 2003 को सी.एस.बी.एफ. की पूंजीगत राशि और सामान्य राशि क्रमशः 113.07 लाख रुपये और 57.64 लाख रुपये थी।

14 मानव संसाधन विकास

14.1 इस सार्वजनिक सिद्धांत को स्वीकार करते हुए कि किसी भी संगठन के जीवित रहने तथा विकास के लिए परिवर्तन एक प्राकृतिक तत्त्व और निरन्तर प्रक्रिया की आवश्यकता है, इसलिए इंस्टीट्यूट ने ऐसे क्षेत्रों में समाधान निकालने के लिए संगठन के पुनर्निर्माण का प्रयास शुरू कर दिया है, जहां सुधार की गुंजाइश है। नए संगठनात्मक ढांचे का कार्यान्वयन जून 2003 में किया गया था, जिसमें सभी संगठन की सभी वर्तमान और भावी गतिविधियों को इस ढंग से जोड़ दिया था कि विभिन्न गतिविधियों के कार्यों को प्रभावकारी ढंग से कार्यान्वित करने के लिए वर्तमान कर्मचारियों से पूरा कर लिया जाए।

14.2 "लोगे नए भविष्य की आधारशिला है और इंस्टीट्यूट के विजन और मिशन को प्राप्त करने के लिए विषय की महत्ता को समझते हुए मानव संसाधन के समग्र विकास की योजना निम्नलिखित तत्त्वों के आधार पर तैयार की गई है --

1. संगठनात्मक संदर्भ, जिसमें प्रबंधन तकनीकों के माध्यम से मानव और गैर-मानव संसाधनों दोनों को प्रभावी उपयोग करना भी शामिल है।
2. ढांचा, जिसमें प्राधिकारियों और कामकाज सम्बन्धी जिम्मेदारियों की परिभाषा करते हुए संगठन में श्रेणीबद्ध व्यवस्था भी शामिल है।
3. प्रक्रिया जिसमें उद्देश्यों की पूर्ति के लिए संचार, निर्णय क्षमता, नेतृत्व आदि भी शामिल है।
4. भौतिक पर्यावरण।
5. प्रवृत्ति, गुण तथा तरीके

14.3 पणाली के कामकाज में उत्पादकता सुधार पर सूचना प्रौद्योगिकी के प्रभाव और कम्प्यूटर इस्तेमाल के लाभों को देखते हुए, इंस्टीट्यूट ने एम.आई.आई.टी. के साथ मिल कर व्यवस्था की है ताकि अपने कार्यालय के सभी कर्मचारियों को कम्प्यूटर के विभिन्न प्रयोगों में प्रशिक्षण दिया जा सके जिसमें कार्यालय ओटोमेशन, मास्टरिंग आफिस टूल्स, इंटरनेट ब्राउसिंग, ई-मेल का इस्तेमाल और नई तकनीकों को भी शामिल किया गया है।

14.4 इंस्टीट्यूट मानता है कि मानव संसाधन विकास एक प्रक्रिया है जिससे कर्मचारियों को अपने विभिन्न कामकाज करने में उनकी क्षमता को प्राप्त किया जा सकता है, व्यक्ति के रूप में क्षमताओं को विकसित किया जा सकता है, इसलिए संगठनात्मक संस्कृति का विकास करने के लिए उनकी आन्तरिक संभावनाओं की खोज करना महत्वपूर्ण है, जिसमें अधीक्षक-अधीनस्थ के बीच संबंधों, टीम-वर्क और विभिन्न विभागों के बीच सहयोग दिखाई पड़ता है। इस दृष्टिकोण को लेकर और आई.सी.एस.आई. विजन योजना 2010 के भाग के रूप में सहायक निदेशकों और इस से ऊपर के स्तर के अधिकारियों के लिए 26-27 जून 2004 को "आइडिया-लैब

फार चैम्पियनिंग स्टेकहोल्डर इंटरेस्ट" विषय पर दो दिन की रेजीडेंशियल वर्कशॉप का आयोजन किया ताकि टीम भावना और अन्तर-वैयक्तिक नेतृत्व को मजबूत बनाया जा सके और व्यक्ति, टीम और संगठनात्मक लक्ष्यों के समायोजन को समझा जा सके। इस दृष्टिकोण से लाभप्रद परिणाम प्राप्त करने के लिए "इंटेन्सीफाइंग को-आपरेशन फार स्टेकहोल्डर्स इंटरेस्ट" विषय पर जुलाई से अगस्त 2004 के महीने में इंस्टीट्यूट के सभी कर्मचारियों के लिए कार्यशालाओं की एक श्रृंखला का आयोजन किया गया।

14.5 स्टाफ प्रशिक्षण लागत को पूरा करने के लिए इस वर्ष के दौरान 100 लाख रुपये की राशि से शुरुआत की गई है।

15 भावी दृष्टिकोण

आज हम ऐसे युग में रह रहे हैं जहां निर्णय लेने का समय कुछ ही सैकंडों का रह गया है और कामकाज की व्यवस्था में तेजी से बदलाव आ रहा है। आज भविष्य की ओर देखने के लिए जिस प्रकार के बदलाव की जरूरत है और नई संचालन व्यवस्था और काम काज की प्रणाली जिस तरह से निकट आती जा रही है, उसे समझना चाहिए।

कम्पनी सचिव के व्यवसाय ने कार्पोरेट क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया है, अतः उसे व्यावसायिक उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अपनी बहुमुखी निपुणताओं को प्रगतिशील बनाकर विकास और वैश्वीकरण की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। इस दिशा में बढ़ने के लिए आवश्यक है कि भारत तथा विदेशों दोनों में ही कम्पनियों को एक ही स्थान पर मूल्य-वर्धित बहु-विधि सेवाओं को प्रदान करते हुए मूल क्षमताओं को इकट्ठा कर विजन और परिप्रेक्ष्य को व्यापक रूप प्रदान किया जाए।

16 आभार

परिषद् केन्द्रीय सरकार के मंत्रालयों और विशेष रूप से कम्पनी कार्य विभाग और भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड 'सेबी' तथा अन्य नियामक प्राधिकरणों के प्रति उनके द्वारा इस वर्ष व्यवसाय और इंस्टीट्यूट की गतिविधियों के विकास में सहायता व मार्गदर्शन तथा समर्थन प्रदान करने के लिए आभार प्रगट करती है। परिषद् सामान्य रूप से विभिन्न राज्य सरकारों, वित्तीय/औद्योगिक/निवेश संस्थानों कार्पोरेट क्षेत्र, विभिन्न चैम्बर्स ऑफ कामर्स, ट्रेड एसोसिएशनों तथा अन्य एजेंसियों के प्रति आभार प्रगट करती है, जिन्होंने इंस्टीट्यूट के सदस्यों की सेवायें लेने और देने की विशेषज्ञता को मान्यता प्रदान करने में लगातार रुचि दिखाई है।

परिषद् इंस्टीट्यूट के सचिवीय मानक बोर्ड के सदस्यों की गहन सराहना करती है। परिषद् क्षेत्रीय परिषदों और इनकी शाखाओं जिनमें सेटेललाइट शाखाएं भी शामिल हैं, पूरे हृदय से प्रदान की गई सहायता और सहयोग के लिए तथा इंस्टीट्यूट के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की पूरी प्रतिबद्धता तथा उनकी निष्ठा एवं कर्तव्य की भावना का परिचय देने के लिए भी उनका धन्यवाद करती है।

परिषद् की ओर से

नई दिल्ली

तारीख : 5 सितम्बर, 2004

महेश अनंत अठावले, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/IV/121/04-असा.]

**स्थायी और गैर-स्थायी समितियाँ तथा सलाहकार बोर्ड
(बिन्दु 4.3 का अनुबंध)**

स्थायी समितियाँ**1. अनुशासन समितियाँ**

- | | |
|----------------------|---------|
| 1. महेश अनंत अठावले | चेयरमैन |
| 2. शीला भिड़े (डॉ०) | सदस्य |
| 3. प्रदीप के. मित्तल | सदस्य |

2. परीक्षा समिति

- | | |
|-----------------|---------|
| 1. आर. रवि | चेयरमैन |
| 2. निसार अहमद | सदस्य |
| 3. अमित के. सेन | सदस्य |

3. कार्यकारी समिति

- | | |
|-----------------------------|---------|
| 1. महेश अनंत अठावले | चेयरमैन |
| 2. आर. रवि | सदस्य |
| 3. एच.एम. चोराडिया | सदस्य |
| 4. प्रीति मलहोत्रा (सुश्री) | सदस्य |

गैर-स्थायी समितियाँ**4. व्यावसायिक विकास समिति**

- | | |
|-----------------------------|---------|
| 1. महेश अनंत अठावले | चेयरमैन |
| 2. निसार अहमद | सदस्य |
| 3. प्रीति मलहोत्रा (सुश्री) | सदस्य |
| 4. आर. नारायणन | सदस्य |
| 5. सावित्री पारेख (सुश्री) | सदस्य |
| 6. वी. श्रीधरन | सदस्य |

5. प्रशिक्षण और शैक्षिक सुविधा समिति

- | | |
|----------------------|---------|
| 1. आर. रवि | चेयरमैन |
| 2. एच.एम. चोराडिया | सदस्य |
| 3. पी.पी. जीबी जोस | सदस्य |
| 4. दातला हनुमंत राजू | सदस्य |
| 5. प्रदीप के. मित्तल | सदस्य |
| 6. अमित कुमार सेन | सदस्य |

6. प्रेक्टिसरत कम्पनी सचिव समिति

- | | |
|----------------------|---------|
| 1. निसार अहमद | चेयरमैन |
| 2. बिपिन एस. आचार्य | सदस्य |
| 3. एच.एम. चोराडिया | सदस्य |
| 4. पी.पी. जीबी जोस | सदस्य |
| 5. आर. नारायणन | सदस्य |
| 6. दातला हनुमंत राजू | सदस्य |

7. सी.सी.आर.टी. प्रबंधन समिति

- | | |
|-----------------------------|---------|
| 1. आर. नारायणन | चेयरमैन |
| 2. बिपिन एस. आचार्य | सदस्य |
| 3. एच.एम. चोराडिया | सदस्य |
| 4. दातला हनुमंत राजू | सदस्य |
| 5. प्रीति मलहोत्रा (सुश्री) | सदस्य |

8. पी.एम.व्यू कोर्स समिति

- | | |
|-----------------|---------|
| 1. आर. रवि | चेयरमैन |
| 2. निसार अहमद | सदस्य |
| 3. अमित के. सेन | सदस्य |

9. विनियमन समिति

- | | |
|----------------------|---------|
| 1. आर. नारायणन | चेयरमैन |
| 2. बिपिन एस. आचार्य | सदस्य |
| 3. दातला हनुमंत राजू | सदस्य |
| 4. अमित के. सेन | सदस्य |

10. नियोजन समिति

- | | |
|----------------------------|---------|
| 1. दातला हनुमंत राजू | चेयरमैन |
| 2. निसार अहमद | सदस्य |
| 3. आर. नारायणन | सदस्य |
| 4. सावित्री पारेख (सुश्री) | सदस्य |

11. सूचना प्रौद्योगिकी समिति

- | | |
|-----------------------------|---------|
| 1. प्रीति मलहोत्रा (सुश्री) | चेयरमैन |
| 2. निसार अहमद | सदस्य |
| 3. शीला भिड़े (डॉ०) | सदस्य |
| 4. एस.डी. इसरानी (डॉ०) | सदस्य |
| 5. सावित्री पारेख (सुश्री) | सदस्य |
| 6. वी. श्रीधरन | सदस्य |

12. अनुसंधान और प्रकाशन समिति

- | | |
|----------------------|---------|
| 1. प्रदीप के. मित्तल | चेयरमैन |
| 2. एच.एम. चोराडिया | सदस्य |
| 3. दातला हनुमंत राजू | सदस्य |
| 4. वी. श्रीधरन | सदस्य |

13. आई.सी.एस.आई. कॉर्पोरेट गवर्नेंस उत्कृष्टता पुरस्कार समिति

- | | |
|-----------------------------|---------|
| 1. अमित के. सेन | चेयरमैन |
| 2. एच.एम. चोराडिया | सदस्य |
| 3. प्रीति मलहोत्रा (सुश्री) | सदस्य |
| 4. प्रदीप के. मित्तल | सदस्य |
| 5. आर. नारायणन | सदस्य |

14. अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य समिति

- | | |
|-----------------------------|---------|
| 1. अमित के. सेन | चेयरमैन |
| 2. दातला हनुमंत राजू | सदस्य |
| 3. प्रीति मलहोत्रा (सुश्री) | सदस्य |
| 4. वी. श्रीधरन | सदस्य |

15. समन्वय समिति

- | | |
|----------------------|---------|
| 1. महेश अनंत अठावले | चेयरमैन |
| 2. निसार अहमद | सदस्य |
| 3. प्रदीप के. मित्तल | सदस्य |
| 4. अमित कुमार सेन | सदस्य |
| 5. वी. श्रीधरन | सदस्य |

16. लेखा परीक्षा समिति

1	एच.एम. चोराडिया	चेयरमैन
2	दातला हनुमंत राजू	सदस्य
3	आर. नारायणन	सदस्य

17. आई.सी.एस.आई. हाउस परियोजना समिति

1.	आर.एन. बंसल	चेयरमैन
2.	निसार अहमद	सदस्य
3.	गिरीश आहूजा	सदस्य
4.	योगेश गुप्ता	सदस्य
5.	प्रीति मलहोत्रा (सुश्री)	सदस्य
6.	प्रदीप के. मित्तल	सदस्य
7.	हरिश के. वैद	सदस्य
8.	पवन कुमार विजय	सदस्य
9.	एन.के. जैन	सदस्य सचिव

18. पाठ्य-विवरण समीक्षा समिति

1.	आर. नारायणन	चेयरमैन
2.	दातला हनुमन्त राजू	सदस्य
3.	प्रदीप के. मित्तल	सदस्य
4.	सावित्री पारेख (सुश्री)	सदस्य
5.	वी.के. अग्रवाल	सदस्य सचिव

19. सचिवीय मानक बोर्ड

1.	एन.जे.एन. वजीफदार	चेयरमैन
2.	आर.एस. अदुकिया	आई.सी.एस.आई. प्रतिनिधि
3.	ओ.पी. अग्रवाल	सदस्य
4.	जी.के. अग्रवाल	सदस्य
5.	निसार अहमद	सदस्य

6. डी. चन्दा सेबी प्रतिनिधि

7. एस. चन्द्रशेखन सदस्य

8. एम.आर. गोपीनाथ सदस्य

9. के.एल. कामबोज डी.सी.एस. प्रतिनिधि

10. वी.एस. खानवालकर सदस्य

11. के.एस. रविचन्द्रन सदस्य

12. ए.जी. रविन्द्रनाथ रेड्डी सदस्य

13. जे. श्रीधर सदस्य

14. एच.आर. सुब्रह्मण्यम (डॉ०) आई.सी.डब्ल्यू.ए.आई. प्रतिनिधि

15. एस.सी. वासुदेव सदस्य

20. सम्पादकीय सलाहकार बोर्ड

1.	एस. बालासुब्रह्मण्यम	चेयरमैन
2.	वी.के. अग्रवाल	सदस्य
3.	वी.के. भसीन	सदस्य
4.	जी.आर. भाटिया	सदस्य
5.	रेणु बुद्धिराजा (सुश्री)	सदस्य
6.	रमेश चन्द्र	सदस्य
7.	दिलीप गोस्वामी	सदस्य
8.	एल.एम. गुप्ता	सदस्य
9.	संजीव कुमार (डॉ०)	सदस्य
10.	प्रदीप के. मित्तल	सदस्य
11.	यू.सी. नाहटा	सदस्य
12.	टी.वी. नारायणस्वामी	सदस्य
13.	आर.एस. निगम (प्रोफेसर)	सदस्य
14.	आर.के. पाण्डेय	सदस्य
15.	वी.के. सिंहानिया (डॉ०)	सदस्य

क्रम सं.	परिवर्त सदस्यों के नाम	नियोजन समिति		सी सी आर टी प्रबंधन समिति		सूचना प्रौद्योगिकी समिति		आई सी एस आई राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार समिति		परिशिष्ट 'ख' (जारी)			
		सदस्य के कार्यकाल में आयोजन	उपस्थिति	सदस्य के कार्यकाल में आयोजन	उपस्थिति	सदस्य के कार्यकाल में आयोजन	उपस्थिति	सदस्य के कार्यकाल में आयोजन	उपस्थिति	सदस्य के कार्यकाल में आयोजन	उपस्थिति	सदस्य के कार्यकाल में आयोजन	उपस्थिति
1	महेश अनंत अठावले									1	1		
2	आर. रवि												
3	विपिन आचार्य			1						1	1		
4	निसार अहमद	1											
5	गिरिश आहुजा					1	1						
6	कैथुर एम. बक्शी							1	0	1	0		
7	हेमन्त आई. मट्ट					1	0						
8	शीला लिडे (डॉ०)					1	0						
9	एच.एस. चोराडिया	1	1			2	1	1	1			1	0
10	रीता दीक्षित (सुश्री)			1	1			2	2	2	2		
11	एस. गंगोपाध्याय												
12	जी. गेहानी							1	1			1	1
13	दातला हनुमंत राजू	1	1	1	0			1	1	1	1	1	1
14	एस.डी. इसरानी (डॉ०)					1	0			1	0	1	1
15	वी.वी.एस. जगन मोहन राव (डॉ०)												
16	प्रीति मलहोत्रा (सुश्री)												
17	प्रदीप कुमार मित्तल			1	0	1	1	1	1			1	0
18	आर. नारायणन							1	1			1	1
19	सावित्री पारख (सुश्री)	2	1	1	1			1	1				
20	अमित कुमार सेन	1	0			1	0	2	2	1	1		
21	पल्लवी शर्मा (सुश्री)							1	1			1	1
22	वी. श्रीधरन											1	0
23	हरिश के. वैद	1	0			1	1					1	1
24	पवन कुमार विजय											1	0
25	यमल अश्विनी कुमार व्यास					1	1					1	0
26	पी.पी. जिबी जोस												
		बैठक की तारीख 18.05.2003, 27.03.2004		बैठक की तारीख 18.03.2004		बैठक की तारीख 17.06.2003, 28.03.2004		बैठक की तारीख 17.06.2003, 28.03.2004		बैठक की तारीख 16.12.2003, 18.03.2004		बैठक की तारीख 18.05.2003, 28.03.2004	

परिशिष्ट 'ग'

**परीक्षा परिणामों के आंकड़े
(मद सं. 10.5.1 का अनुबन्ध)
जून 2003 का सत्र**

परीक्षा-स्तर	परीक्षार्थियों की संख्या		उत्तीर्ण	उत्तीर्ण प्रतिशत
	नामांकित	बैठे		
फाउंडेशन (नया पाठ्यक्रम)	5706	4704	1170	24.87
फाउंडेशन (पुराना पाठ्यक्रम)	503	355	78	21.97
इंटरमीडिएट*				
नया पाठ्यक्रम				
— ग्रुप-1	6293	4490	487	10.85
— ग्रुप-2	2648	1785	275	15.41
इंटरमीडिएट**				
पुराना पाठ्यक्रम				
— ग्रुप-1	5358	3302	644	19.50
— ग्रुप-2	5067	3106	255	8.21
फाइनल#				
— ग्रुप-1	3012	2106	510	24.22
— ग्रुप-2	4388	2972	472	15.88

* इंटरमीडिएट (नए पाठ्यक्रम) के दोनों ग्रुपों में 616 परीक्षार्थी बैठे, जिनमें से दोनों ग्रुपों में 79 ने परीक्षा पास की (12.82 प्रतिशत)।

** इंटरमीडिएट (पुराने पाठ्यक्रम) के दोनों ग्रुपों में 883 परीक्षार्थी बैठे, जिनमें से दोनों ग्रुपों में 29 ने परीक्षा पास की (3.28 प्रतिशत)।

फाइनल के दोनों ग्रुपों में 591 परीक्षार्थी बैठे जिनमें से दोनों ग्रुपों में कुल 68 ने परीक्षा पास की (11.51 प्रतिशत)।

दिसम्बर 2003 का सत्र

परीक्षा-स्तर	परीक्षार्थियों की संख्या		उत्तीर्ण	उत्तीर्ण प्रतिशत
	नामांकित	बैठे		
फाउंडेशन (नया पाठ्यक्रम)	4457	3727	723	19.40
फाउंडेशन (पुराना पाठ्यक्रम)	158	102	24	23.53
इंटरमीडिएट (नया पाठ्यक्रम)*				
— ग्रुप-1	7222	5170	650	12.57
— ग्रुप-2	4077	2766	405	14.64
इंटरमीडिएट (पुराना पाठ्यक्रम)**				
— ग्रुप-1	4150	2465	317	12.86
— ग्रुप-2	4567	2841	443	15.59
फाइनल#				
(नया पाठ्यक्रम)				
— ग्रुप-1	92	63	26	41.27
— ग्रुप-2	80	55	23	41.82
— ग्रुप-3	76	53	26	49.06

फाइनल#

(पुराना पाठ्यक्रम)

— ग्रुप-1	3093	2174	569	26.17
— ग्रुप-2	4606	3105	611	19.68

- * इंटरमीडिएट (नया पाठ्यक्रम) के दोनों ग्रुपों में 1197 परीक्षार्थी बैठे, जिनमें से दोनों ग्रुपों में कुल 112 ने परीक्षा पास की (9.36 प्रतिशत)।
- ** इंटरमीडिएट (पुराने पाठ्यक्रम) के दोनों ग्रुपों में 1070 परीक्षार्थी बैठे जिनमें से दोनों ग्रुपों में 26 ने परीक्षा पास की (2.43 प्रतिशत)।
- # फाइनल (नया पाठ्यक्रम) के तीनों ग्रुपों में 33 परीक्षार्थी बैठे जिनमें से तीनों ग्रुपों में कुल 15 परीक्षार्थियों ने परीक्षा पास की (45.45 प्रतिशत)।
- # # फाइनल (पुराने पाठ्यक्रम) के दोनों ग्रुपों में 677 परीक्षार्थी बैठे जिनमें से दोनों ग्रुपों में कुल 63 परीक्षार्थियों ने परीक्षा पास की (9.31 प्रतिशत)।

खन्ना एंड अन्नाधनम चार्टर्ड एकाउण्टेंट्स लेखापरीक्षक की रिपोर्ट

- हमने इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया के 31 मार्च 2004 को समाप्त होने वाले वर्ष के तुलन पत्र और इसके साथ सम्बद्ध उसी तारीख को समाप्त वर्ष के आय एवं व्यय लेखा की लेखा परीक्षा की है, जिसमें हमारे द्वारा लेखा परीक्षित 'मुख्यालय' के लेखे शामिल हैं, 'कार्पोरेट अनुसंधान और प्रशिक्षण हेतु' (सी.सी.आर.टी.) नवी मुम्बई, 39 शाखाओं, 23 सेटेलाइट शाखाओं तथा 4 क्षेत्रीय परिषदों के लेखों की लेखापरीक्षा एक दूसरे लेखापरीक्षक ने की है, 2 शाखाओं के बारे में विवरण प्राप्त नहीं हुए और उन पर विचार नहीं किया जा सका (देखिए अनुसूची 13 की टिप्पणी सं. 9)। लेखापरीक्षकों की रिपोर्टें (3 शाखाओं से) और लेखांकन नीतियां और टिप्पणी (5 शाखाओं से) प्राप्त नहीं हुई और इस रिपोर्ट को बनाते हुए उन पर विचार नहीं किया जा सका। ये वित्तीय विवरण इंस्टीट्यूट के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जिम्मेदारी अपनी लेखापरीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपनी सम्मति अभिव्यक्त करना है।
- हमने अपनी लेखापरीक्षा भारत के सामान्यतः स्वीकृत लेखापरीक्षा मानदण्डों के अनुसार की है। इन मानकों के अनुसार अपेक्षित है कि हम लेखापरीक्षा की योजना और निष्पादन इस प्रकार से करें जिससे वित्तीय विवरणों के बारे में समुचित रूप से आश्वस्त हो सकें कि इन विवरणों में भौतिक रूप से गलत बयानी नहीं हुई है। लेखापरीक्षा में प्रयुक्त लेखाविधि के सिद्धांतों के आंकलन और प्रबंधन द्वारा लगाए गए महत्वपूर्ण अनुमान एवं समग्र रूप से वित्तीय विवरण प्रस्तुति को देखना भी शामिल रहता है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखापरीक्षा में हमारी सम्मति के लिए युक्तियुक्त आधार हैं।
- उपर्युक्त पैराग्राफ (1) और (2) में उल्लिखित लेखापरीक्षा के आधार पर हमारी रिपोर्ट निम्नलिखित है:
 - हमें वह सभी सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त हो गए, जो हमें अपेक्षित जानकारी और विश्वास के अनुसार लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए प्राप्त करने आवश्यक थे।
 - रिपोर्ट का संदर्भाधीन तुलन पत्र और आय एवं व्यय लेखे रखी गई लेखा पुस्तकों और रिकार्डों से मेल खाते हैं।
 - जिस हद तक आदेशात्मक लेखांकन मानकों का अनुपालन लागू होता है, तदनुसार तुलन पत्र और आय एवं व्यय लेखे तैयार किए गए हैं।
 - शाखाओं/सेटेलाइट शाखाओं के इंटर-यूनिट लेखों के समाधान पर काम चल रहा है, जिसमें इस वर्ष के दौरान मुख्यालय द्वारा दिए गए विभिन्न अनुदानों से सम्बन्धित लेन-देन की मदें (ट्रांजेक्शन), हस्तांतरित प्रकाशनों का स्टॉक, व्यय की प्रतिपूर्ति, भवन और अन्य रिजर्व आदि शामिल हैं। पुरानी प्रविष्टियों के समाधान और निकासी (क्लीयरेंस) के बारे में पर्याप्त प्रगति हुई है तथा बाकी प्रविष्टियों की निकासी के लिए भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इनके समाधान/समायोजन के कारण लेखों पर पड़ने वाले प्रभाव की ओर संकेत नहीं किया जा सकता है (देखिए अनुसूची सं. 13 की टिप्पणी सं. 8)।
 - 14 शाखाओं/सेटेलाइट शाखाओं की परिसम्पत्तियों का अंकित मूल्य 31.3.2004 को 3.57 लाख रुपए था, जिसे स्थायी परिसम्पत्तियों की अनुसूची में शामिल कर लिया गया है, क्योंकि मूल लागत का विवरण और आज तक किए गए संग्रहीत मूल्यवृद्धि का प्रावधान उपलब्ध नहीं है कि उनसे इन आंकड़ों का फिर से विवरण तैयार किया जा सके। प्रबंधन के विचार

में इन आंकड़ों के पुनः विवरण तैयार करने/समायोजित करने से लेखों पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ेगा। (देखिए अनुसूची सं. 13 की टिप्पणी 7)।

- (3) 2 शाखाओं से वित्तीय विवरण प्राप्त नहीं हुए हैं और इस कारण विचार नहीं हो सका है। यदि कोई समायोजन करना होगा तो इसे अगले वित्तीय वर्ष में करने का प्रस्ताव है (देखिए अनुसूची सं. 13 की टिप्पणी सं. 9)।

हमें यह भी रिपोर्ट में कहना है कि उपर्युक्त पैराग्राफ 1 और 3 (क) से (घ) के प्रभाव का इस समय कोई संकेत नहीं दिया जा सकता है। उपर्युक्त टिप्पणियों के अधीन रहते हुए हमारी राय में और जहां तक हमारी जानकारी है तथा प्रस्तुत किये गये स्पष्टीकरणों के अनुसार वित्तीय विवरण इनके साथ दी गई टिप्पणियों और लेखांकन नीतियों के पढ़ने पर निम्नलिखित के बारे में भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के आधार पर ये लेख सही और पर्याप्त स्पष्ट स्थिति प्रगट करते हैं:

(1) इंस्टीट्यूट के मामले से संबंधित 31 मार्च, 2004 को समाप्त अवधि के तुलन पत्र के बारे में स्थिति।

(2) इंस्टीट्यूट के उपर्युक्त तारीख को समाप्त वर्ष के आय व व्यय लेख में अधिशेष से संबंधित स्थिति।

कृते खन्ना एंड अन्नाधनम
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

(के ए बालासुब्रह्मण्यन)
पार्टनर

सदस्य संख्या 17415

स्थान : नई दिल्ली
तारीख : 5-9-2004

बाराखम्बा नं० : 706, आकाशदीप बिल्डिंग, 26-ए, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-110 001
टेलीफोन: 91(11) 23315110, 23315119 • फैक्स: 91(11) 23739215
E-mail — khanna@del2.vsnl.net.in

आसफ अली रोड : 3/7-बी, द्वितीय तल, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-110 002
टेलीफोन: 91(11) 23244061, 23244062, 23244003 • फैक्स: 91(11) 23244475

दि इस्टीमेट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज आफ इण्डिया, नई दिल्ली
तुलन पत्र : 31 मार्च, 2004

विवरण	अनुसूची	31 मार्च की स्थिति	
		2004	2003
		रु०	रु०
निधि का स्रोत			
पूँजी रिजर्व	1	6,956,570	6,618,670
सामान्य रिजर्व	2	281,662,873	267,767,370
योग		288,619,443	274,386,040
निधि का प्रयोग			
स्थायी परिसम्पत्तियाँ:	3		
सकल ब्लॉक		183,343,426	166,059,161
घटाएँ: मूल्यहास		71,890,051	62,824,747
निवल ब्लॉक		111,453,375	103,234,414
जोड़ें: भूमि क्रय और निर्माणाधीन भवन के लिए पेशगी		450,000	594,053
		111,903,375	103,828,467
निवेश	4	139,779,510	138,460,468
चालू परिसंपत्तियाँ, ऋण और पेशगी	5		
चालू परिसंपत्तियाँ			
निवेश पर बना व्याज		16,774,537	12,713,192
हस्तगत स्टॉक		2,606,333	5,966,762
विविध देनदार		1,915,768	1,120,022
नकदी और बैंक शेष		85,573,290	84,871,126
		106,869,928	104,671,102
ऋण और पेशगियाँ	6	6,087,042	5,684,250
		112,956,970	110,355,352
घटाएँ: चालू देयतायें और प्राक्धान	7		
देयताएँ		53,683,380	45,409,663
प्राक्धान		22,337,032	32,848,584
		36,936,558	32,097,105
निवल चालू परिसम्पत्तियाँ			
योग		288,619,443	274,386,040
लेखांकन नीतियाँ और वित्तीय विवरण पर टिप्पणियाँ	13		

इसी तारीख की हमारी रिपोर्ट के अनुसार

खन्ना एंड अन्नाधनम
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
(के.ए. बालासुब्रह्मण्यन)
पार्टनर

(एन.के. जैन)
सचिव

(आर. रवि)
उपाध्यक्ष

(महेश अनंत अठावले)
अध्यक्ष

सदस्य (अकारादि क्रमानुसार)

स्थान: नई दिल्ली
तारीख : 5.9.2004

(एस.के. अरोड़ा)
संयुक्त निदेशक
(वित्त तथा लेखा)

बिपिन एस. आचार्य

निसार अहमद

शीला भिड़े (डॉ०)

एच.एम. चोरारिया

रीता दीक्षित (सुश्री)

दातला हनुमन्त राजू

एस.डी. इसरानी (डॉ०)

प्रीति मलहोत्रा (सुश्री)

प्रदीप के. मित्तल

आर. नारायणन

सावित्री पारेख (सुश्री)

अमित कुमार सेन

वी. श्रीधरन

पी पी. जिबि जोस

दि इन्स्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज आफ इण्डिया, नई दिल्ली
आय तथा व्यय लेखा वर्ष 2003-2004 के लिए

विवरण	अनुसूची	31 मार्च को समाप्त वर्ष के लिए	
		2004	2003
		रु०	रु०
आय			
सदस्यों तथा विद्यार्थियों से शुल्क	8	119,211,251	118,398,708
प्रकाशनों की बिक्री		8,257,981	8,396,016
जर्नल/बुलेटिन का चन्दा और विज्ञापन		3,821,959	3,519,202
निवेश पर ब्याज (सकल)			
(स्रोत पर काटा गया ब्याज 54,354 रु० पिछले वर्ष-शून्य)		22,068,783	21,760,441
कार्यक्रम			
स्रोत पर काटा गया ब्याज-27,971 रु० (पिछले वर्ष 945 रु०)		17,892,437	11,738,106
वैज्ञानिक अनुसंधान गतिविधियां		6,360,134	4,329,362
प्रावधान करने की आवश्यकता नहीं, वापस हिसाब में लिया		23,165,768	1,653,668
अन्य आय	9	2,447,078	1,004,300
योग		203,225,391	170,799,803
व्यय			
स्थापना *	10	50,369,622	45,629,273
डाक शिक्षण		12,742,208	15,567,290
मौखिक शिक्षण		6,662,112	5,672,089
प्रकाशन		3,322,531	1,793,387
कार्यालय स्टेशनरी *		3,185,159	3,261,536
जर्नल और बुलेटिन		11,706,930	9,301,553
परीक्षा		11,271,628	9,617,713
संचार *	11	3,532,927	4,159,000
यात्रा और सवारी *		5,299,004	4,378,960
विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियां और पुरस्कार		255,024	236,102
व्यावसायिक विकास कार्यक्रम और प्रशिक्षण		16,971,448	10,800,436
वैज्ञानिक अनुसंधान गतिविधियां		16,850,399	15,482,963
अन्य व्यय *	12	19,898,934	14,403,212
मूल्यहास *	3	7,506,220	6,043,680
चुनाव		1,264,777	—
स्टाफ प्रशिक्षण व्यय के लिए प्रावधान		10,000,000	—
कार्पोरेट गवर्नेंस के लिए एन.एफ. को अंशदान		10,000,000	—
व्यय से अधिक आय जो			
सामान्य रिजर्व में ले जायी गई		10,356,468	24,452,529
योग		203,225,391	170,799,803

* यह राशि वैज्ञानिक अनुसंधान गतिविधियों के लिए आवंटन के बाद की राशि है।

इसी तारीख की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
खन्ना एंड अन्नाधनम
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

(एन.के. जैन)
सचिव

(आर. रवि)
उपाध्यक्ष

(महेश अनंत अठावले)
अध्यक्ष

सदस्य (अकारादि क्रमानुसार)

(के.ए. बालासुब्रह्मण्यन)
पार्टनर

बिपिन एस. आचार्य

निसार अहमद

शीला मिडे (डॉ०)

स्थान: नई दिल्ली
तारीख: 5.9.2004

एच.एम. चोरारिया

रीता दीक्षित (सुश्री)

दातला हनुमन्त राजू

(एस.के. अरोड़ा)

एस.डी. इसरानी (डॉ०)

प्रीति मलहोत्रा (सुश्री)

प्रदीप के. मित्तल

संयुक्त निदेशक
(वित्त तथा लेखा)

आर. नारायणन

सावित्री पारेख (सुश्री)

अमित कुमार सेन

वी. श्रीधरन

पी.बी. जिबी जोस

पूँजी रिजर्व			अनुसूची-1
विवरण	31.3.2004		31.3.2003
पिछले तुलन पत्र के अनुसार		6,618,670	6,254,170
जोड़ें : प्रवेश शुल्क-एसोसिएट सदस्य	296,100		328,500
— फेलो सदस्य	41,800	337,900	36,000
योग		6,956,570	6,618,670

सामान्य रिजर्व			अनुसूची-2
विवरण	31.3.2004		31.3.2003
पिछले तुलन पत्र के अनुसार		267,767,370	245,753,623
घटाएँ:-क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं के ऋण में समायोजित		(11,873,398)	(12,164,687)
जोड़ें : पूँजी रिजर्व	3,343,626	259,237,598	—
— अन्य समायोजन *		12,068,807	233,588,936
— सीधी दानराशि		—	9,718,405
— वर्ष का अधिशेष		10,356,468	7,500
योग		281,662,873	24,452,529
		267,767,370	

* इन वर्षों में क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं में अपनाई गई नीतियों और क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं में अपनाई गई नीतियों के बीच अलग किस्म की नीतियों के कारण यह आरम्भिक आंकड़ों में अन्तर है।

निवेश—लागत पर					अनुसूची-4
विवरण	परिवक्ता की तारीख	1.4.2003 की स्थिति	वृद्धि	विलोपन	31.3.2004 की स्थिति
(क) मियादी जमा राशियाँ					
नेशनल थर्मल पावर कार्पोरेशन					
9.5 प्रतिशत	5/9/04	2,000,000	-	-	2,000,000
9.5 प्रतिशत	10/9/04	3,000,000	-	-	3,000,000
9.5 प्रतिशत	20/9/04	5,000,000	-	-	5,000,000
8 प्रतिशत	16/9/04	5,000,000	-	-	5,000,000
7.5 प्रतिशत	29/11/05	7,500,000	-	-	7,500,000
हाउसिंग एंड अर्बन डेवलेपमेंट कार्पोरेशन					
12.5 प्रतिशत	4/12/04	6,000,000	-	-	6,000,000
12 प्रतिशत	7/1/05	5,000,000	-	-	5,000,000
8.5 प्रतिशत	7/10/07	3,000,000	-	-	3,000,000
10.5 प्रतिशत	6/7/08	5,000,000	-	-	5,000,000
10.5 प्रतिशत	27/9/08	2,000,000	-	-	2,000,000
10.5 प्रतिशत	10/10/08	5,000,000	-	-	5,000,000
12 प्रतिशत	16/2/05	50,000	-	-	50,000
10.5 प्रतिशत	1/10/07	16,000	-	-	16,000
आई सी आई सी आई होम फिनांस (9.75 प्रतिशत)	22/10/04	2,000,000	-	-	2,000,000
इंडस्ट्रियल डेवलेपमेंट बैंक आफ इंडिया					
10 प्रतिशत	2/11/06	2,000,000	-	-	2,000,000
10 प्रतिशत	5/11/06	2,000,000	-	-	2,000,000
10 प्रतिशत	6/11/06	1,000,000	-	-	1,000,000
अन्य					
7 प्रतिशत (टी.एन.ट्रांसपोर्ट डेव. कार्पो. लि०)	5/10/06	15,000	-	-	15,000
कुल योग (क)		55,581,000	-	-	55,581,000
(ख) बंध पत्र					
आई.सी.आई.सी.आई बैंक लि०					
(पिछले वर्ष 1000) पांच-पांच हजार के 13.5 प्रतिशत के शून्य बंध पत्र	18/6/03	5,000,000	-	5,000,000	-
(पिछले वर्ष 10) एक-एक लाख के 11 प्रतिशत 10 बंध पत्र	29/8/05	1,000,000	-	-	1,000,000
(पिछले वर्ष 8) एक-एक लाख के 12.05 प्रतिशत शून्य बंध पत्र	2/9/05	800,000	-	800,000	- *
(पिछले वर्ष 20) एक-एक लाख के 12.15 प्रतिशत शून्य बंध पत्र	23/9/05	2,000,000	-	2,000,000	- *
(पिछले वर्ष 60) एक-एक लाख के 12.1 प्रतिशत शून्य बंध पत्र	6/10/05	6,000,000	-	6,000,000	- *
(पिछले वर्ष 20) एक-एक लाख के 12.1 प्रतिशत शून्य बंध पत्र	9/10/05	2,000,000	-	2,000,000	- *
(पिछले वर्ष 30) एक-एक लाख के 12 प्रतिशत शून्य बंध पत्र	23/10/05	3,000,000	-	3,000,000	- *
(पिछले वर्ष 100) एक-एक लाख के 12 प्रतिशत शून्य बंध पत्र	1/11/05	10,000,000	-	10,000,000	- *
(पिछले वर्ष 200) एक-एक लाख के 12.2 प्रतिशत शून्य बंध पत्र	19/11/10	20,000,000	-	20,000,000	- *
(पिछले वर्ष 30) पांच-पांच हजार के 11.5 प्रतिशत 30 बंध पत्र	19/01/06	150,000	-	-	150,000
डोमबिवली शाखा के बंध पत्र		400,000			400,000
इंडस्ट्रियल फिनांस कार्पोरेशन आफ इण्डिया लि०					
(पिछले वर्ष 800) पांच-पांच हजार के 16 प्रतिशत के शून्य बंध पत्र	6/9/03	4,000,000	-	4,000,000	-
इंडस्ट्रियल डेवलेपमेंट बैंक आफ इंडिया					
(पिछले वर्ष 600) दस-दस हजार के 14 प्रतिशत के 600 बंध पत्र	5/10/05	6,000,000	-	-	6,000,000

(पिछले वर्ष 800) पांच-पांच हजार के 14 प्रतिशत के 800 बंध पत्र	16/11/05	4,000,000	-	-	4,000,000
(पिछले वर्ष 55) एक-एक लाख के 12 प्रतिशत के 55 बंध पत्र	4/10/05	5,500,000	-	-	5,500,000
(पिछले वर्ष 85) एक-एक लाख के 12 प्रतिशत के 85 बंध पत्र	16/11/07	8,500,000	-	-	8,500,000
पांच-पांच हजार रुपए के 14 प्रतिशत आर. आय 15 बंध पत्र	19/11/05	590,000	-	515,000	75,000
एक-एक हजार रुपए के 11.20 प्रतिशत जी. आय 35 बंध पत्र	5/4/06	35,000	-	-	35,000
डोम्बीवली शाखा के बंध पत्र		150,000	-	50,000	100,000
भारत सरकार (8 प्रतिशत)					
इण्डस्ट्रियल डेवलपमेंट बैंक ऑफ इण्डिया					
1 (पिछले वर्ष शून्य)	19/05/09	-	1,500,000	-	1,500,000
1 (पिछले वर्ष शून्य)	16/10/09	-	2,000,000	-	2,000,000
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक लिमिटेड					
1 (पिछले वर्ष शून्य)	25/07/09	-	1,000,000	-	1,000,000
1 (पिछले वर्ष शून्य)	19/09/09	-	4,500,000	-	4,500,000
1 (पिछले वर्ष शून्य)	7/10/09	-	2,500,000	-	2,500,000
2 (पिछले वर्ष शून्य)	16/10/09	-	5,000,000	-	5,000,000
1 (पिछले वर्ष शून्य)	28/10/09	-	5,000,000	-	5,000,000
2 (पिछले वर्ष शून्य)	28/10/09	-	5,000,000	-	5,000,000
1 (पिछले वर्ष शून्य)	12/11/09	-	2,500,000	-	2,500,000
1 (पिछले वर्ष शून्य)	14/11/09	-	887,000	-	887,000
1 (पिछले वर्ष शून्य)	27/12/09	-	10,000,000	-	10,000,000
1 (पिछले वर्ष शून्य)	27/12/09	-	2,500,000	-	2,500,000
1 (पिछले वर्ष शून्य)	29.12.09	-	75,000	-	75,000
8 (पिछले वर्ष शून्य)	18/07/09	-	800,000	-	800,000
स्टॉक होल्डिंग कार्पोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड					
1 (पिछले वर्ष शून्य)	15/10/09	-	2,500,000	-	2,500,000
1 (पिछले वर्ष शून्य)	27/10/09	-	5,000,000	-	5,000,000
1 (पिछले वर्ष शून्य)	26/12/09	-	5,000,000	-	5,000,000
1 (पिछले वर्ष शून्य)	26/12/09	-	2,500,000	-	2,500,000
कुल योग (ख)		79,125,000	58,262,000	53,365,000	84,022,000
(ग) भारतीय यूनिट ट्रस्ट के यूनिट (यू.एस.-64 योजना के अन्तर्गत)					
345983 यूनिट (पिछले वर्ष 345983)		5,621,129	-	5,621,129	-
10610 यूनिट (पिछले वर्ष 10610)		153,578	-	153,578	-
रांची		34,838	-	34,838	-
डोम्बीवली		200	-	200	-
बंगलौर शाखा के यूनिट (एस.आई.आर.ओ)		105,410	-	105,410 @	-
		5,915,155	-	5,915,155	-
घटाएं : यूनिटों के मूल्य में गिरावट का प्रावधान		2,161,197	-	2,161,197	-
योग (ग)		3,753,958	-	3,753,958	-
(घ) 51 शेयर्स सचिदानंद सी.एच.एस. लि.		510	-	-	510
(ङ) भारतीय यूनिट ट्रस्ट (6.75 प्रतिशत) बंध पत्र			176,000	-	176,000
महायोग (क+ख+ग+घ+ङ)		138,460,468	58,438,000	57,118,958	139,779,510
* बैंक द्वारा कॉल बैंक आशान दिया गया, जिसमें पुरस्कार संबंधी अक्षयनिधि की 11,81,000 रुपए की मियादी जमा/ बंध पत्र शामिल है।					
@ भारतीय यूनिट ट्रस्ट के 1,05,410 यू.एस.-64 के यूनिटों एवम में 70,590 यू.टी.आई (6.75 प्रतिशत) बंध पत्र शामिल हैं।					

चालू परिसम्पत्तियां				अनुसूची-5
विवरण	31-3-2004		31-3-2003	
निवेशों पर प्रोदभूत ब्याज	16,774,537		12,713,192	
स्टॉक (प्रबंधन द्वारा मूल्यांकित, लिया गया और प्रमाणित किया गया)				
प्रकाशन	303,849		350,629	
कागज	952,527		4,308,019	
अध्ययन सामग्री	239,329		315,499	
अन्य	1,110,628		992,615	
	2,606,333		5,966,762	
विविध देनदार				
राशि, जो छह महीने से अधिक समय से बकाया है				
— जिनकी वसूली की संभावना है।	680,044		247,042	
— जिनकी वसूली की संभावना संदिग्ध है।	161,841		-	
	841,885		247,042	
अन्य (जिनकी वसूली की संभावना है)	1,235,724		872,980	
	2,077,609		1,120,022	
	161,841			
	1,915,768		1,120,022	
नगदी और बैंक शेष				
नकदी, चेक/ड्राफ्ट/पोस्टल आर्डर, डाक टिकट/प्रीकिंग यूनिट	7,400,454		685,858	
अनुसूचित बैंकों के पास				
बचत बैंक खातों में जमा *	13,588,699		12,609,193	
अल्प अवधि/दीर्घ अवधि खातों में जमा	62,995,832		65,745,530	
	77,324,575		79,040,581	
मियादी जमा पर बना ब्याज:	8,248,715	85,573,290	5,830,545	84,871,126
योग	106,869,928		104,671,102	

* आई.सी.आई.सी. बैंक के पास संयुक्त मियादी जमा के अन्तर्गत 14,13,673 रुपये शामिल हैं (पिछले वर्ष 21,11,187 रुपये थे)

ऋण और पेशगियां			अनुसूची-6
विवरण	31.3.2004	31.3.2003	
ऋणः			
क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं के भवनों के लिए	11,873,398	12,164,687	
घटाएं: सामान्य रिजर्व के अन्तर्गत समायोजित	(11873398)	(12164687)	-
पेशगियां			
कर्मचारी (प्रोद्भूत ब्याज शामिल)			
अन्य : जिनकी वसूली की संभावना	2,064,154	1,673,990	1,945,577
जिनकी वसूली की संभावना संदिग्ध	232,075	-	
	2,296,229	1,673,990	
घटाएं: नकारात्मक ओर संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	232,075	-	
	2,064,154		1,673,990
पूर्व प्रदत्त व्यय	430,018		480,883
प्रतिभूति जमा राशियां			
155664 रुपये (पिछले वर्ष 118835 रुपये) की			
जमा राशि शामिल है।	1,741,029		1,583,800
योग	6,087,042		5,684,250

चालू देयतायें और प्रावधान			अनुसूची-7
विवरण	31.3.2004	31.3.2003	
देयतायें			
अग्रिम प्राप्त राशियां			
- विद्यार्थियों से रजिस्ट्रेशन शुल्क	23,772,800	22,418,175	
- अन्य	1,445,834	1,258,944	23,677,119
विविध लेनदार			6,484,176
देय व्यय			6,657,514
पुस्तकालय जमानत राशि			2,975,084
कर्मचारी हितकारी निधि			4,510
पुरस्कारों की अक्षय निधि			
(अनुसूची 4 में 11,81,000 रुपये के प्रतिपक्ष में)	1,255,636		232,255
न्यास/निधि	6,232,129		5,379,005
	53,683,380		45,409,663
प्रावधान			
स्टॉफ प्रशिक्षण	10,000,000		-
स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना			22,500,000
छुट्टी नकदीकरण	9,425,506		8,261,227
नाकारा परिसम्पत्तियां	1,143,127		840,353
सम्पत्ति कर	1,768,399		1,247,004
	22,337,032		32,848,584
योग	76,020,413		78,258,247

सदस्यों और विद्यार्थियों से शुल्क				अनुसूची-8
विवरण	2003-04		2002-03	
सदस्य				
वार्षिक शुल्क	4,810,071		4,290,450	
अन्य शुल्क	37,100		24,350	
		4,847,171		4,314,800
विद्यार्थी				
पंजीकरण शुल्क	17,311,995		18,072,195	
छूट शुल्क	3,297,080		3,409,897	
डाक शिक्षण शुल्क	58,087,120		55,939,156	
परीक्षा शुल्क	21,619,438		24,364,429	
लाइसेंसधारी शुल्क	129,950		145,225	
अन्य (पी एम क्यू सहित)	423,370		386,950	
मौखिक शिक्षण और अन्य शुल्क	13,495,127	114,364,080	11,766,056	114,083,908
योग		119,211,251		118,398,708

अन्य आय			अनुसूची-9
विवरण	2003-04	2002-03	
निवेश पर प्रोत्साहन राशि	548,588	154,400	
कर्मचारी पेशगियों पर ब्याज	159,196	227,425	
परिसंपत्तियों के निपटान से आंशिक	486	1,150	
रायल्टी/कमीशन	296,468	131,816	
विविध	1,442,340	489,509	
योग	2,447,078	1,004,300	

स्थापना			अनुसूची-10	
विवरण	2003-04		2002-03	
वेतन और भत्ते	39,901,616		38,757,223	
अंशदान/प्रावधान :				
भविष्य निधि के लिए	2,138,136		2,166,606	
उपदान निधि	3,393,604		4,420,647	
पेंशन निधि	4,443,041		1,857,000	
छुट्टी नकदीकरण	2,395,588	12,370,369	2,054,059	10,498,312
कर्मचारी कल्याण	3,077,270		2,369,408	
घटाएं : वैज्ञानिक अनुसंधान गतिविधियों को आवंटित राशि			(5,995,670)	
निवल राशि	50,369,622		45,629,273	

संचार			अनुसूची-11	
विवरण	2003-04		2002-03	
डाक खर्च और कूरियर	4,415,014		3,169,822	
टेलीफोन, फैक्स, ई-मेल आदि	1,593,829	6,008,843	1,316,451	4,486,273
घटाएं : वैज्ञानिक अनुसंधान गतिविधियों को आवंटित राशि	(445,916)		(327,193)	
निवल राशि	5,562,927		4,159,880	

अन्य व्यय				अनुसूची-12
विवरण	2003-04		2002-03	
विज्ञापन और कैरियर जागरूक कार्यक्रम		4,607,573		2,612,805
किराया, और कर		2,371,631		531,260
बिजली और पानी		3,437,136		3,406,244
बीमा		202,691		154,706
भरम्मत और अनुरक्षण				
— भवन	1,062,365		684,897	
— वाहन	186,002		153,813	
— अन्य	820,635	2,069,002	786,697	1,625,207
विधिक		513,089		550,440
कार्यालय व्यय		3,459,272		2,594,676
कम्प्यूटरीकरण				
— डाटा प्रोसेसिंग	310,732		186,117	
— साफ्टवेयर	549,291	860,023	409,282	595,399
बैठकें		1,205,335		1,058,692
पैकिंग, बुलाई और भाड़ा		171,940		171,641
परिसम्पत्तियों की बिक्री/निपटान पर हानि		34,355		308,438
प्रदत्त ब्याज		4,574		4,610
बैंक प्रभार		44,675		86,556
खराब तथा संदिग्ध ऋण		508,808		22,300
लेखा परीक्षक शुल्क				
— लेखा परीक्षा शुल्क	213,058		185,281	
— अन्य सेवाएं	31,250	244,308	100,000	285,281
भवन निधि में विनियोजन		-		57,539
विविध व्यय		533,547		725,655
नाकारा परिसम्पत्तियां		302,774		302,000
घटाएं : वैज्ञानिक अनुसंधान				
गतिविधियों को आबंटित राशि		(671,799)		(690,237)
निवल राशि		19,898,934		14,403,212

लेखांकन नीतियां और वित्तीय विवरणों पर टिप्पणियां

(क) लेखांकन नीतियां

1. इंस्टीट्यूट के वित्तीय विवरणियों के ऐतिहासिक लागत परम्पराओं और प्रोद्भूत आधार पर बनाया गया है सिवाय उस हद तक जिसका अन्यथा संकेत किया गया है, तथा लागू लेखांकन नीतियों के आधार पर तैयार किया गया है।

2. शुल्क

- (क) फैंलो और एसोसिएट सदस्यों से प्रवेश शुल्क को प्राप्त होने पर सीधे "पूँजी रिजर्व" खाते में दिखाया जाता है और उनकी प्रोद्भूत राशि नहीं बनाई जाती है।
- (ख) सदस्यों से जितना शुल्क प्राप्त होता है, उतनी राशि नकद आधार पर हिसाब में ली जाती है। किन्तु अग्रिम में प्राप्त शुल्क को देयता के रूप में आगे ले जाया जाता है।
- (ग) पंजीकरण शुल्क को छोड़ कर विद्यार्थियों से प्राप्त शुल्क को नकद-आधार पर हिसाब में लिया जाता है। पंजीकरण शुल्क को पांच वर्ष की अवधि में बराबर बांटकर आय के रूप में लिया जाता है, क्योंकि विद्यार्थियों को लाभ पांच वर्षों की अवधि तक मिलता है।
- (घ) क्षेत्रों और शाखाओं में विद्यार्थियों से प्राप्त मौखिक ट्यूशन तथा अन्य शुल्कों को प्राप्ति आधार पर हिसाब में लिया जाता है और इनका प्रोद्भूत नहीं बनाया जाता है।

3. निवेश

निवेशों को लागत आधार पर लिया जाता है और यदि वे स्थायी प्रकार के हैं तो उनके मूल्य में मूल्यह्रास का प्रावधान किया जाता है।

4. स्थायी परिसम्पत्तियां

- (क) स्थायी परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास को लिखित मूल्य आधार पर निम्नलिखित दरों के अनुसार प्रभारित किया जाता है:

मदें	प्रतिशत
भवन	5
फर्नीचर और जुड़नार	10
एयरकंडीशनर/कूलर/तथा अन्य उपस्कर	15
पुस्तकालय की पुस्तकें (1.04 1999 से पहले खरीदी पुस्तकें)	33.33
वाहन	20
कम्प्यूटर	40

- (ख) परिवर्धनों पर मूल्यह्रास पूर्ण वर्ष के लिए प्रभारित किया जाता है, चाहे परिवर्धनों की तारीखें कुछ भी हों। बिक्री के वर्ष में मूल्यह्रास प्रभारित नहीं किया जाता है।
- (ग) 1.4.1999 को या इसके बाद खरीदी पुस्तकों को "पुस्तकें और पत्रिकाएं" शीर्ष के अन्दर राजस्व लेख के अन्तर्गत प्रभारित किया गया है।
- (घ) पुस्तकालय की पुस्तकों को छोड़कर, 5,000 रुपये या इससे कम मूल्य की स्थायी परिसम्पत्तियों का पूर्ण मूल्यह्रास उन परिसम्पत्तियों के प्राप्ति वर्ष में किया जाता है और जिनका अंकित मूल्य वर्ष के आरम्भ में 250 रुपये या इससे कम होता है, उनका पूरा मूल्यह्रास किया जाता है।
- (ङ) पट्टे पर भूमि के लिए दिए गए प्रीमियम को पट्टे की अवधि में संक्रामित नहीं किया जाता है।

5. इन्वेंटरी

- (क) कागज तथा अन्य सामग्री के स्टॉक का मूल्यांकन उनकी लागत पर किया जाता है।

- (ख) क्षेत्रीय कार्यालयों के प्रकाशनों को जो वर्ष के अंत में पास रहते हैं, उनका मूल्य लागत पर लिया जाता है।
- (ग) मुख्यालय द्वारा प्रकाशित अध्ययन सामग्री, जर्नल/बुलेटिन और वीडियो कैसेट आदि, जो वर्ष के अंत में हमारे पास रहती हैं, उनका मूल्य नाम मात्र आधार पर केवल 1 रुपया लिया जाता है, जिनकी लागत 50 रुपये तक है, और जिन मदों की लागत 50 रुपये से अधिक है, उनके लिए 5 रुपए ली जाती है। किन्तु वर्ष के अंत में अनबिकी कम्पेक्ट डिस्क को लागत पर लिया जाता है।

6. कर्मचारी सेवा—निवृत्ति लाभ

- (क) पेंशन निधि न्यास में अंशदान बीमांकित मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है।
- (ख) उपदान निधि में अंशदान/प्रावधान को भारतीय जीवन बीमा निगम से प्राप्त नोटिस के आधार पर किया जाता है।
- (ग) बीमांकित मूल्यांकन के आधार पर छुट्टी के लिए नकद राशि के भुगतान का प्रावधान किया जाता है।

ख. वित्तीय विवरण पर टिप्पणियाँ

- आयकर अधिनियम 1961 की धारा 10 (23ग) (4) के अधीन छूट प्रमाण पत्र 2003-04 तक मंजूर किया गया है। छूट के पुनः नवीकरण का आवेदन आयकर अधिकारियों के विचाराधीन है।
- हरियाणा नगर विकास प्राधिकरण, फरीदाबाद ने 3,65,500 लाख रुपये में 500 वर्ग गज की जड़ खरीद भूमि का आवंटन इंस्टीट्यूट की फरीदाबाद शाखा के नाम किया था, परन्तु हूडा इसका कब्जा इस भूमि की मिल्कियत के विवाद के कारण नहीं दे सका और उसने न तो घुसपैठ का समाशोधन करने और न ही एक दूसरा प्लॉट देने का वायदा अभी तक पूरा किया है। अभी तक 3,82,500 लाख रुपये (3 लाख रुपये इंस्टीट्यूट की लेखा पुस्तक में भूमि खरीद के लिए पेशगी के रूप में दिखाए गए हैं और 82,500 हजार रुपये शाखा की लेखा पुस्तक में हैं) पेशगियों के अन्तर्गत चल रहे हैं।
- पिछले वर्ष प्रसाद नगर भवन में लिफ्ट के लिए दी गई पूंजीकृत 6,04,774 रुपये की राशि को इस वर्ष भी अपर्याप्त बिजली सप्लाई के कारण चालू नहीं किया जा सका है। किन्तु 6,04,774 रुपए की राशि जिसमें पिछले वर्ष की 3,02,000 रुपए की राशि अलग से रख दी गई है ताकि सम्भावित अप्रचलन के बाद भी समय के गुजरने के साथ साथ इसमें सामान्य टूट-फूट के कारण इसका इस्तेमाल किया जा सके।
- एक बुद्धिमान कदम के रूप में निम्नलिखित विगत प्रक्रियाओं, प्रकाशन/अध्ययन सामग्री को समाप्त इवेंट्री के रूप में ले लिया गया है, क्योंकि सामान्य राशि के रूप में इसका मूल्य कुछ भी नहीं है, जो भी केवल उन विद्यार्थियों के लिए है, जो उन्हें खरीदते हैं।
- स्टॉफ प्रशिक्षण लागत पूरी करने के लिए अधिशेष राशि में से इस वर्ष 1,00,00,000 रुपए की राशि अलग रख ली गई है।
- अहमदाबाद नगर निगम ने सेशन कोर्ट में विगत वर्षों 3,88,867 रुपए के अप्रदत्त म्युनिसिपल कर की वसूली के लिए एक सिविल मुकदमा दायर किया है, जिसके बारे में शाखा (चैप्टर) ने विरोध करते हुए 1,31,000 रुपए की राशि जमा करा दी है। शाखा (चैप्टर) को कानूनी सलाह दी है कि अन्ततः इस देयता का निपटान 1,63,000 रुपए में किया जाएगा। यह मामला निपटान के लिए पड़ा है।
- 14 शाखाओं/सेटेलाइट शाखाओं से स्थायी सम्पत्ति के सकल लागत और अब तक के सग्रहीत मूल्यहास के बारे में ब्योरे न मिलने के कारण जिसे डब्ल्यू.डी.वी. पद्धति से मूल्यहास किया गया है, स्थायी परिसम्पत्ति अनुसूची में अलग से समूहीकरण किया गया है।
- लेखों का समाधान**
शाखाओं/सेटेलाइट शाखाओं के लेखों का समाधान चल रहा है, जिनमें मुख्यालय द्वारा दी गई विभिन्न अनुदानों सम्बन्धी लेन देन हैं, प्रकाशनों का स्टॉक, भवन-रिजर्व अंशदान/शाखाओं द्वारा दिए गए खर्च आदि भी शामिल हैं। पुरानी प्रविष्टियों के समाशोधन/निकासी के बारे में पर्याप्त प्रगति हुई है तथा बाकी प्रविष्टियों को पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। समाशोधन और समंजन के पूरा होने तक (जिसमें 31-3-2004 तक अपना विवरण न भेजने वाली शाखाएं भी शामिल हैं जिनका उल्लेख टिप्पणी 9 में भी किया गया है) निवल अन्तर को समेकित लेखों के प्रयोजन के लिए सामान्य रिजर्व में समायोजित कर लिया गया है।
- पाण्डिचेरी और मंगलौर शाखाओं का वित्तीय विवरण प्राप्त नहीं हुआ है और समेकित नहीं हो सका है। किन्तु ये छोटी शाखाएं हैं, इसलिए प्रबंधन की राय में इनको शामिल न किए जाने से इस वर्ष के अधिशेष/परिसम्पत्तियों और देयताओं को न दिखाए जाने से कोई विशेष फर्क नहीं पड़ेगा।
- क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं में निर्मित रिजर्व को समेकित लेखों में सामान्य रिजर्व के अन्तर्गत सम्मिलित कर लिया गया है।
- पिछले वर्ष के आंकड़ों को वर्ष 2003-04 के वित्तीय विवरणों से उपलब्ध आंकड़ों से, जहां तक सम्भव हो सका है, उस हद तक इनका पुनः समूहीकरण/पुनः व्यवस्थित करने का काम किया है और इनका समायोजन करने के बाद जहां जरूरी समझा है, वहां वर्तमान आंकड़ों के साथ उनकी तुलना की गई है।

THE INSTITUTE OF COMPANY SECRETARIES OF INDIA

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th September, 2004

1. Introduction

F. No. 104/32/A/c.—In terms of the requirement of Sub-section (5) of Section 18 of the Company Secretaries Act, 1980, the Council of the Institute of Company Secretaries of India is pleased to present its Twenty Fourth Annual Report on the working of the Institute and audited statements of accounts along with the Audit Report thereon for the year ended 31st March, 2004.

2. Developments

2.1 Vision Plan 2010

The Council of the Institute has adopted the Vision Plan 2010 after wide consultations and discussions. The Vision Plan visualizes Company Secretary as a catalyst for good corporate governance, a corporate planner and strategic manager. The Vision Plan is based on an objective assessment of the facts and a realistic appraisal of the future. The Vision Plan aims at generating unswerving confidence in Company Secretary, a complete reliance on his capacities and expresses unshakeable determination to harness the potential of the profession to the fullest extent.

As success of the Vision Plan essentially depends on devising effective strategies, the following indicative strategies have been adopted to implement the Vision Plan :

- Enhancing Co-operation between members, students and staff of ICSI.
- Repositioning the Company Secretaries
- Strengthening Professional Ethics
- Good Governance in Institute's affairs
- Organisational Re-engineering
- Quality Management System
- Knowledge Management
- Qualitative Professional Development and Continuing Education
- Human Resource Development
- Infrastructure Development
- International Networking

2.2 Two Tier Team Approach has been adopted for implementation of ICSI Vision Plan 2010. A **Strategic Management Team** (Tier I Team) comprising of HODs and senior officials has been constituted with following responsibilities :

1. to percolate the Vision Plan to all concerned, Members, Students and employees of the Institute and solicit their views, suggestions and co-operation in implementation of the same ;
2. to secure necessary approvals/ clearances, wherever required from the Government and the Council;
3. to formulate the operational plan to implement the

Report of the Council

strategies as mentioned in the Vision Plan and to monitor implementation thereof;

4. to take preventive and corrective actions wherever required; and
5. to carry out continuous benchmarking and evaluation; **Small Sub-groups** (Tier II Teams) comprising of officials across all levels and departments, have been constituted for successful implementation of each strategic area identified in the ICSI Vision Plan 2010.

In the initial phase of implementation, the ICSI is investing in capability building of all employees so that they can contribute to their potential in implementation of ICSI Vision Plan 2010.

3. Academic and Professional Developments

3.1 Programmes

3.1.1 35th Foundation Day Celebrations

The 35th Foundation Day of the Institute was celebrated on November 28, 2003 at a grand function held at New Delhi. Shri Jagmohan, the then Hon'ble Union Minister of Tourism and Culture delivered the Foundation Day Lecture on the theme "Excellence Through Good Governance". Shri M M K Sardana, Secretary, Department of Company Affairs presided over the function.

3.1.2 Third ICSI National Award for Excellence in Corporate Governance

The Third ICSI National Award for Excellence in Corporate Governance and ICSI Life Time Achievement Award for Translating Excellence in Corporate Governance into Reality were given away at a glittering function organised on December 15, 2003 at Vigyan Bhawan, New Delhi. The Awards were presented by Shri L K Advani, the then Hon'ble Deputy Prime Minister of India in the august presence of Hon'ble Justice Shri M N Venkatachaliah, Former Chief Justice of India and Chairman, Jury, Shri Amar Singh, Hon'ble Member of Parliament, Shri M M K Sardana, Secretary, Department of Company Affairs, Shri G N Bajpai, Chairman, Securities and Exchange Board of India, Eminent Industrialists, Jury Members, Past Presidents, Council Members, Senior Government Officials and a large number of members and students of the Institute. The winners were as under : -

Best Governed Company Awards

Private Sector

Housing Development Finance Corporation Ltd.(HDFC)
Reliance Industries Ltd.

Chairman – Shri Deepak S Parekh
Secretary – Shri Susir Kumar M
Chairman & Managing Director – Shri Mukesh D Ambani
Vice-President (Corp. Secretarial) – Shri K Sethuraman

Public SectorOil and Natural Gas
Corporation Ltd.(ONGC)**Chairman & Managing
Director – Shri Subir Raha**
Secretary – Shri H C Shah**Excellence in Corporate Governance into Reality for the
year 2003**Shri Ratan N. Tata
Chairman
Tata Group**ICSI Life Time Achievement Award for Translating****Jury**

Jury for the Award for the year 2003 was as under :

CHAIRMAN Hon'ble Justice Shri M N Venkatachaliah	Former Chief Justice of India
MEMBERS Shri G N Bajpai Shri Naresh Chandra Shri Vinod Dhall, IAS Ms. Naina Lal Kidwai Prof. N R Madhava Menon Shri S S Mukherji Shri T S Krishna Murthy Shri B D Narang Shri Ravi Narain Shri Nandan M Nilekani Shri R Ravimohan Dr. K Anji Reddy Dr. P L Sanjeev Reddy, IAS(Retd.) Shri M M K Sardana, IAS Prof. Manubhai Shah Shri Pavan Kumar Vijay	Chairman, SEBI Former Cabinet Secretary Member (Administration), Competition Commission of India Vice-Chairman and Managing Director, HSBC Securities and Capital Markets (India) Pvt. Ltd. Director, National Judicial Academy Managing Director, EIH Ltd. Election Commissioner of India Chairman and Managing Director, Oriental Bank of Commerce Managing Director & CEO, National Stock Exchange of India Ltd. CEO, President and Managing Director, Infosys Technologies Ltd. Managing Director & CEO, The Credit Rating Information Services of India Ltd. Chairman, Dr. Reddy's Laboratories Ltd. Director, Indian Institute of Public Administration Secretary to Govt. of India, Deptt. of Company Affairs Trustee, Consumer Education & Research Centre President, The ICSI

A Panel Discussion on Corporate Governance – Key to Corporate Excellence preceded the Award function. Shri Naresh Chandra, Former Cabinet Secretary initiated the panel discussion and Shri Anil D Ambani, Chairman and Managing Director, BSES Ltd., Shri Deepak S Parekh, Chairman, HDFC, Ms. Naina Lal Kidwai, Vice-Chairman and Managing Director, HSBC Securities and Capital Markets (India) Pvt. Ltd., Shri Ravi Narain, MD and CEO, National Stock Exchange of India Ltd. and Shri R Ravi Mohan, Managing Director and CEO, CRISIL expressed their views and perceptions on Good Corporate Governance and appreciated the useful role of Company Secretaries in corporate governance.

3.1.3 31st National Convention

The 31st National Convention of Company Secretaries was successfully organised on September 11-13, 2003 at Agra

on the theme "Corporate Excellence and Professional Accountability". Dr. Najma Heptulla, the then Deputy Chairperson, Rajya Sabha inaugurated the Convention. Shri G N Bajpai, Chairman, Securities and Exchange Board of India delivered the Special Address and Shri Jaiprakash Gaur, Chairman, J P Industries Ltd. delivered the Key Note Address. His Excellency, Shri Vishnu Kant Shastri, the then Hon'ble Governor of Uttar Pradesh enlightened the participants with his thought provoking, eloquent and philosophical Valedictory Address.

This was the first residential National Convention, and for the first time the activities and achievements of the Headquarters, Regional Councils and CCRT were showcased; several publications were released; the ICSI Flag was unveiled; crafts and skills of members were exhibited and the Corporate Compliance Calendar was released.

3.1.4 5th National Conference of Practising Company Secretaries

The 5th National Conference of Practising Company Secretaries was successfully organised at Bangalore on May 24-25, 2003 on the theme "Practising Company Secretaries : A Focus on the Road Ahead". The deliberations focussed on Brand Equity (Website designing, image building and court craft), National Company Law Tribunal – New Opportunity, Secretarial Audit, Opportunities under IPR, Role of PCS under Securitisation Law and Due Diligence Exercise for Market Intermediaries/ Listed companies. It was like a mini Convention as 224 Company Secretaries including 105 from outside Bangalore attended the conference.

3.2 Professional Development

3.2.1 Professional Development and Continuing Education

It is through professional development programmes and such other activities, that the Institute seeks to impart continuing education to its members, to keep them updated in view of far reaching and frequent changes in matters relating to corporate and business affairs. In furtherance of this objective, eight national level professional development programmes including 31st National Convention and 5th National Conference of Practising Company Secretaries were held during the year under review.

3.2.2 Guidelines for Professional Dress of Company Secretaries

With a view to enhance the visibility and brand building of the profession and ensuring uniformity, the Institute has prescribed guidelines for professional dress for members while appearing before Judicial / Quasi Judicial Bodies and Tribunals.

4. Council

4.1 President and Vice-President

At the 146th meeting of the Council held on January 19,

2004, Shri Mahesh Anant Athavale from Western Region and Shri R Ravi from Southern Region were elected as President and Vice-President respectively for a period of one year from January 19, 2004.

4.2 Council Meetings

Apart from various Committee meetings, the Council held nine meetings during the year.

4.3 Composition of Committees

The composition of various standing and non-standing committees and advisory boards constituted by the Council is given at Appendix 'A'.

4.4 Attendance at Council and Committee Meetings

Details of attendance of Members at the Council and the Standing and Non-Standing Committee Meetings are given at Appendix 'B'.

5. Regional Councils and Chapters

5.1 Regional Councils

All of the four Regional Councils continued to provide valuable support and assistance to the Council by carrying out their activities and functions with zeal and enthusiasm. The Regional Councils conducted career professional development programmes, seminars, workshops, SMTPs, oral coaching classes, students guidance meetings, study circle meetings, and Regional Conferences and participated in career fairs. Library updations, publishing news bulletins, providing employment service to members by maintaining a database, disseminating information to members and students; and selling Institute's publications have also been carried out by Regional Councils.

ICSI-SIRC Building constructed for Southern India Regional Council/ Office during the year, was inaugurated by Hon'ble Justice B Subhashan Reddy, Chief Justice, High Court of Madras on August 29, 2003.

5.2 Reserves and Surplus and the number of Students & Members in each Regional Council as on March 31, 2004 are shown below :-

ITEM	EIRC	NIRC	SIRC	WIRC
General Reserve as on 31.03.2004 (Rs.)	1209995	6881084	-	2889820
Surplus/(Deficit) for 2003-04 (Rs.)	184033	1860214	(314604)	289983
Number of Regular Course Students				
As on 31.03.2004	12105	25475	21391	24346
As on 31.03.2003	12875	26779	21228	24844
% increase / decrease during 2003-04	(5.98)	(4.87)	0.77	(2.00)
Number of Foundation Course Students				
As on 31.03.2004	5343	13747	4432	8690
As on 31.03.2003	3903	10916	4368	7016
% increase / decrease during 2003-04	36.89	25.93	1.47	23.86
Number of Members				
As on 31.03.2004	1768	5009	3990	5256
As on 31.03.2003	1703	4815	3929	5107
% increase / decrease during 2003-04	3.82	4.03	1.55	2.92

5.3 Chapters

During the year Agra, Bhilwara, Jodhpur, Meerut and Rajkot Satellite Chapters were accorded the status of full-fledged Chapters. A new Chapter was set up at Thane under WIRC, bringing the total number of Chapters to 45. The Chapters continued to carry on various activities including holding of oral tuition classes, arranging of training for students, organising professional and continuing education programmes, publishing of News Bulletins, providing library facilities, etc.

As on date, the following Chapters have their own office premises : -

Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Dombivli, Ghaziabad, Goa, Hyderabad, Indore, Jaipur, Kanpur, Kochi, Madurai, Mangalore, Pune, Surat and Vadodara.

5.4 Best Chapter Awards

The Best Chapter Awards for the year 2002 were presented to the following Chapters at the inaugural function of 31st National Convention held at Agra on September 11-13, 2003.

National Best Chapter	: Ahmedabad
Grade-wise Best Chapters	
'A-1'	: Pune
'B'	: Coimbatore
'C'	: Bhubaneswar
'D'	: Madurai & Nagpur
'E'	: Visakhapatnam

5.5 Satellite Chapters

As on date, 20 Satellite Chapters were functioning at the following places : -

North	: Ajmer, Allahabad, Amritsar, Bareilly, Beawar, Dehradun, Jalandhar, Jammu, Karnal-Panipat, Varanasi, Yamuna Nagar
South	: Calicut, Hubli-Dharwad, Kottayam, Salem, Thrissur, Vijayawada
West	: Aurangabad, Gwalior, Nasik

All the Satellite Chapters organised various activities for Members and Students during the year. Study Materials, Journals and Publications of the Institute and Regional Councils were also made available at the Satellite Chapters of the Institute.

6. Publications

6.1 Secretarial Standards and Guidance Notes

During 2000-01 Secretarial Standards Board was constituted to integrate, harmonise and standardise various secretarial practices prevalent in the Corporate Sector. The first Secretarial Standard, SS-1 namely "Secretarial Standard on Board Meetings" was released during 2001-02.

The Second Secretarial Standard, SS-2 namely "Secretarial Standard on General Meetings", formulated by the Secretarial Standards Board and approved by the Council was issued during the year under review.

The Third Secretarial Standard, SS-3 namely "Secretarial Standard on Dividend and Guidance Note thereon formulated by the Secretarial Standards Board and approved by the Council was released by Shri G N Bajpai, Chairman, SEBI on May 22, 2003.

The Institute also issued Guidance Notes on Meetings of the Board of Directors, Passing of Resolutions by Postal Ballot and General Meetings during the year.

Many companies today are voluntarily adopting the Secretarial Standards in their functioning. The Annual Reports of several companies include a disclosure with regard to compliance of Secretarial Standards 1 and 2. Adoption of the Secretarial Standards by the corporate sector will have a significant impact on the quality of secretarial practices making them comparable with the best practices.

6.2 Chartered Secretary

The monthly journal Chartered Secretary being published by the Institute for the last 33 years having a circulation of more than 26000 copies per month is now in its 34th year of publication. It has received accolades from various quarters, be it industry, commerce or trade or other professionals for its quality publication of informative articles on contemporary topics, prompt reporting of Government Notifications, legal decisions, etc. The journal continues to serve as an effective medium of communication between the Institute, its members and others. During the year under review, special issues of the journal were brought out on the following subjects :-

1. Information Technology and Corporate Management
2. Corporate Governance
3. Professional Ethics
4. WTO & Professional Services

6.3 30 years Chartered Secretary on CD

The Institute has brought out 30 years Chartered Secretary on CD-ROM, with extensive search facilities. The CD has evoked a very good response from Members and Others. The CD would be updated every year.

6.4 Guidance Note on Compliance Certificate (Second Edition)

Since the publication of the first edition in March, 2001, the Companies Act, 1956 and the Rules framed thereunder had undergone major changes. The revised edition brought out during the year contains, apart from updated information specimen of "Letter of Representation", which a Practising Company Secretary may obtain from the management where verification by him may not be practicable. The revised Guidance Note would be useful to the members in practice and other corporate professionals.

6.5 Handbook on Internal Audit of Operations of Depository Participants

The Depositories Act, 1996 and SEBI (Depositories and Participants) Regulations, 1996, providing regulatory framework for depository service providers have

authorised Practising Company Secretaries to undertake internal audit of the operations of Depository Participants (DPs).

With a view to provide guidance to Company Secretaries in Practice and other professionals, the Institute published this Handbook on Internal Audit of Operations of Depository Participants containing detailed information with regard to depositories including an exhaustive checklist for conducting internal audit.

6.6 Guidance Note on Certification under Investor Education and Protection Fund Rules

As per the Investor Education and Protection Fund (Awareness and Protection of Investors) Rules, 2001, Practising Company Secretaries are authorised to certify the correctness of the Statement furnished by a company to the Registrar of Companies in respect of crediting of unpaid / unclaimed dividend and other amounts to the Investor Education and Protection Fund established under the Companies Act, 1956. The Guidance Note brought out by the Institute provides detailed checklist for ensuring the correctness of the information furnished in Form No. 1 and Form No. 2 to the Rules.

6.7 Guidance Note on Code of Conduct for Company Secretaries (Second Edition)

Since 1989 when the first edition of the Guidance Note on Code of Conduct for Company Secretaries was published, the profession of Company Secretaries in general and practising side in particular has undergone metamorphosis. The Government and regulatory authorities continuously reposing greater trust and confidence have provided various opportunities to Practising Company Secretaries. Consequently, more and more members are taking up practice. In view of these developments, the Institute has revised and updated the said Guidance Note. The revised edition incorporates a 'Gist of Disciplinary Proceedings against Members'

6.8 Corporate Governance (Modules of Best Practices)

The Institute has comprehensively revised and updated its earlier publication to provide the corporates desired comfort not only in compliance with statutory corporate governance norms, but also to go beyond to provide relevant information to stakeholders on the performance and processes of the companies in a transparent manner.

This edition contains improved and updated formats, Model Charter for Audit Committee, Model Whistle Blower Policy, Code of Ethics, Model Policies and Guidelines on Human Resources, Succession Planning, Diversity in Employment, Environment, Acceptance of Gifts, etc. The book also contains Moot Policy on Ombudsman for Companies, Vision and Mission Statement of Select Companies including perception of regulatory authorities, Chambers of Commerce, corporate and professional bodies on corporate governance.

6.9 Company Meetings – A Compendium

A Company's actions and decisions to be democratic, effective and binding necessitate that such actions are preceded by valid meetings. This publication is a chosen compendium of authentic and practical articles authored by experts in Company Law, a user-friendly guide to readers on various intricate aspects of Company Meetings.

6.10 Securities Management & Compliances

The concept of securities management, compliances and audit thereof, assumes added significance in the changing paradigm, as it leads to extend investor satisfaction and good corporate governance. The publication contains management and due diligence in relation to public issue and rights issue, bonus issue, preferential issue, employee stock option, debt securities and foreign issue management. The book also contains management and compliance of laws in relation to Buy Back of Securities, Takeover Code, Insider Trading, Companies Act, FEMA, Competition Act, Stamp Act and Income Tax Act.

6.11 World Trade Organisation, International Trade, Joint Ventures & Foreign Collaborations

The growth of international trade firmly buttressed by the international institutions of long standing has further been accelerated with the establishment of WTO. It is in this context that the Institute has brought out this publication to comprehensively provide specialised knowledge of international trade particularly in the wake of WTO regime. Added emphasis has been laid on Intellectual Property Rights, Foreign Collaborations, Joint Ventures, Export Import Policy and Procedures and International Commercial Arbitration.

6.12 Other Publications

1. Backgrounder for 5th National Conference of Practising Company Secretaries.
2. CD of Referencer on Propounding Areas of Practice for Company Secretaries.
3. Backgrounder for 31st National Convention of Company Secretaries.
4. Corporate Compliance Calendar.
5. CD of Referencer on National Company Law Tribunal.
6. Corporate Social Responsibility.
7. Segment-wise role of Company Secretaries.
8. Consultative Paper on Holding of Board Meetings through Video Conferencing.

7. ICSI-Centre for Corporate Research and Training

During the four years of its existence, the ICSI-CCRT has been able to establish an image and a brand through its research and training related activities. Apart from serving the corporates, banks and institutions, CCRT took new

research initiatives and organised several programmes for the benefit of corporates and its members and students. Details are given below :

7.1 Research Activities

7.1.1 The Institute initiated the process of activating the CCRT as a Centre for proactive research and quality training. In the context of research initiatives a scheme was prepared and research proposals were invited from members and experts on a number of subjects.

7.1.2 To foster and nurture proactive research among Company Secretaries and other researchers, ICSI Research Initiative was announced in April-May 2003. The basic idea was to develop sound information base and insights into corporate/related laws, their delivery mechanism, need for harmonisation/changes in the light of emerging realities, corporate governance etc. and to use the developed knowledge base for brand building and for purposes of interacting with the Government, regulatory and international agencies. ICSI-CCRT was entrusted with the responsibility of administering the scheme.

7.1.3 Accordingly, ICSI-CCRT invited research proposals on select subjects of relevance to the profession through 'Chartered Secretary', the monthly journal of ICSI. As on March 31, 2004 CCRT has received 69 inquiries out of which 25 proposals were submitted. From the list of proposals, 11 have been chosen for processing of which 7 research projects are under progress.

7.1.4 A study funded by NSE Research Initiative on "Corporate Social Responsibilities of Indian Companies" was completed during the year. ICSI-CCRT publication based on the study was released at the 31st National Convention at Agra by Dr. Abid Hussain, Director General Emeritus of Indian Institute of Foreign Trade.

7.2 Training Programmes

7.2.1 A new activity has been added to CCRT's training initiatives for the CS students through Residential Secretarial Modular Training Programmes (SMTPs). During the year, 4 such programmes were organised at CCRT. Students also had the opportunity to enhance their communication skill and co-operative learning through presentation of Group Projects before the panel of experts.

7.2.2 The CCRT also organised Joint Training Programmes with the Western India Regional Council (WIRC of ICSI) and Navi-Mumbai Chapter on a variety of subjects like Delisting of Securities, SEBI Updates (Full day seminar), Buy-back of Securities etc. During the year, CCRT organized programmes on select modules of corporate governance in association with Academy of Corporate Governance.

7.2.3 In addition to its regular seminars targeted for the Company Secretaries, CCRT has forayed its training initiatives to cater to multi disciplinary teams of

management with a number of workshops like "Grooming for Success", "Quality Management System ISO 9001: 2000 STD", "Round Table on Capital Markets" etc. During the year 2003-04, CCRT organized 35 programmes as against 9 programmes during the previous year. The number of participants have also increased from 197 last year to 1300 this year.

7.2.4 The CCRT has also provided support for collaborative Training Programmes with Tata Consultancy Services (TCS) and SBI Group, Hikal Ltd., Konkan Railway Corporation Ltd. (KRCL), Think Soft Global, IDBI, Dewan Housing Finance Co. Ltd. (DHFL), Indian Institute of Materials Management (IIMM), Indian Institute of Industrial Engineers (IIIE), Hindustan Lever Ltd. (HLL) and KLG Systems Ltd.

7.2.5 Annual Membership Scheme for individual members and corporates was introduced in March 2004 and the response is quite satisfactory.

8. Information Technology

8.1 Website

New features have been added to the Institute's website. Features like personalisation of look and feel have been implemented. Online forms have been introduced to capture information from various corporates for submission of details for purpose of National Award for Excellence in Corporate Governance.

8.2 Computerisation Activities

Software is being developed on latest technologies like MS.NET. This will enable the Institute to automate some of the processes and provide online facilities to the student community.

Computerisation in Regional Councils and Chapters is also being accelerated. Automated procedures like scanning of registration and enrollment form has been adopted by the Institute so that quick services can be provided.

Initiatives have been taken in collaboration with NIIT to equip the students and members of the Institute with skills in computer education.

9. Members

9.1 New Admissions

During 2003-04, 932 and 209 persons were admitted as Associate and Fellow Members respectively. As on March 31, 2004, the Institute had 16023 members, comprising of 11956 Associates and 4067 Fellows on its Register. The number of members residing abroad as on March 31, 2004 were 228.

During 2003-04, Certificates of Practice were issued to 843 members. As on March 31, 2004, there were 2910 members holding Certificates of Practice.

The Council regrets to report the sad demise of 30 members during the year under review.

9.2 List of Members

In pursuance of Section 19(3) of the Company Secretaries Act, 1980 read with Regulation 161 of the Company Secretaries Regulations, 1982, a List of Members as on April 1, 2004 has been published. The list would be supplied to Members on request. The Members' Directory is also available on the Institute's website.

9.3 Identity Card for Members

Identity Cards were issued and are being issued to the Members on continuous basis from whom the requests were received.

9.4 Licentiate-ship

During the year 148 students passing final examination of the Institute were admitted as Licentiate-ICSI. The number of Licentiate-ICSI whose Licentiate-ship was valid as on March 31, 2004 was 511.

9.5 Ethics, Values and Morality

The Council continued to propagate and emphasise on continuous basis, through various forums, the need for inculcating highest standards of professional ethics and moral values and adherence to code of conduct of the Institute in its true letter and spirit.

9.6 Elections

The term of the 8th Council expired on January 18, 2004. Elections were conducted for the 9th Council and Regional Councils in the month of December, 2003 for which notification was issued on September 1, 2003. The Managing Committees of the Chapters were also reconstituted for the three year term. The elections were smoothly conducted throughout the country. The Council has appreciated the co-operation and guidance provided by the team of officers of the Rajya Sabha Secretariat for counting of votes.

9.7 Placement Services

The Institute continued its efforts for providing placement assistance to the Members during the year.

Efforts were made to identify the vacancies for company secretaries from all possible sources including newspapers, magazines and websites and the bio-data of the Members were sent to various organisations. Similar services were also provided by the Regional Councils and Chapters. A number of Campus Interviews were organised wherein the organisations were provided the facility of on-the-spot selection of the Company Secretaries. Online registration facilities are also being provided to the members/ employees.

9.8 Post Membership Qualification Course

A Committee has been set up for revamping the Post Membership Qualification Course in Capital Markets and Financial Services. Syllabus will be finalised soon. The new course on Corporate Governance has been benchmarked against similar courses offered by renowned universities abroad and the scheme has been

sent to various Chambers of Commerce for their views, after which it will be sent to the Government for approval.

10. Students Services

10.1 Registration

During the financial year 2003-04, 16417 students were registered against 17436 in the previous year for the Regular Course. The number of students whose registration was current as on March 31, 2004 was 83317 as against 85726 as on March 31, 2003.

10.2 Foundation Course

During the financial year under report, 10796 students were admitted to Foundation Course as against 11533 during previous year. The number of Foundation Course students as on March 31, 2004 were 32212 as against 26203 as on March 31, 2003.

10.3 Coaching

During the year under review, 22933 coaching completion certificates were issued to the students of both oral and postal coaching as against 14850 coaching completion certificates issued during the previous year.

10.4 Scanning of Examination Forms

For the first time the Institute has introduced scanning of enrollment application forms for appearing in the examination. Accordingly, the admit cards to the candidates who appeared in December, 2003 examination were issued carrying the scanned photographs and signature of the examinees for appearing in the examination.

10.5 Examinations

10.5.1 Conduct of Examinations

During the year under report, Company Secretaries Foundation, Intermediate and Final examinations were held in June and December, 2003 at 58 centres all over India and one overseas centre at Dubai. 28720 and 26749 candidates had sought enrolment for appearing in June and December, 2003 sessions of examinations respectively. Number of candidates who have completed the various stages of examinations during 2003-04 are given hereunder :

Stage of Exam	Examination Session	
	Jun., 2003	Dec., 2003
Foundation (Old Syllabus)	78	24
Foundation (New Syllabus)	1170	723
Intermediate (Old Syllabus)	530	499
Intermediate (New Syllabus)	169	330
Final (Old Syllabus)	431	573
Final (New Syllabus)*	—	15

(* introduced from December, 2003)

The Summary of the examination results is given at Appendix 'C'.

10.5.2 Conduct of Post Membership Qualification (PMQ) Examination

The Institute conducted the Post Membership

Qualification (PMQ) Examination in "Capital Markets and Financial Services" in June, 2003 at 8 centres, viz., Ahmedabad, Bangalore, Chennai, Delhi, Hyderabad, Kolkata, Mumbai and Pune.

10.5.3 All India Prize Awards

The following students have won President's All-India Prize Awards for June and December, 2003 examinations.

Course	June, 2003	Centre
Intermediate	Aditya Bansal	Jaipur
Final	Anshul Goyal	
Chandigarh		
Course	December, 2003	Centre
Intermediate	Abhishek Takmani	Kolkata
Final	Manyank Kankaria (Ms.)	Kolkata

10.5.4 Merit Certificates / Merit Scholarships/ Financial Assistance

In June, 2003 session, merit certificates were awarded to 11 and 25 top rank holders in Foundation Course examination under Old and New Syllabi respectively, 10 and 20 top rank holders in Intermediate examination under Old and New Syllabi respectively, and 10 top rank holders in Final examination under Old Syllabus.

Similarly, in December, 2003 session, merit certificates were awarded to 10 and 25 top rank holders in Foundation Course examination under Old and New Syllabi, 10 and 18 top rank holders in Intermediate examination under Old and New Syllabi, and 10 top rank holders in Final examination under Old and New Syllabi respectively.

Pursuant to Merit Scholarship Scheme, Scholarships were awarded to the first 15 top scorers each qualifying in all papers of Foundation and Intermediate examinations in the first attempt in June 2003 session. Likewise, under the Merit-cum-Means Assistance Scheme, financial assistance was granted to eligible candidates in June, 2003 examinations.

10.6 TRAINING

10.6.1 Empanelment of Companies / Company Secretaries in Practice for imparting training

During the financial year 2003-04, 136 companies were empanelled for imparting 15 months' training and 43 companies were empanelled for imparting 3 months' practical training. The number of Company Secretaries in Practice empanelled for imparting training stood at 145.

10.6.2 Training Imparted

During the financial year 2003-04, 414 students had undergone 15 months' Training, 116 students 3-1/2 months' Practical Training and 314 students had undergone training with Company Secretaries in Practice.

10.6.3 Training Orientation Programme (TOP)

The Council of the Institute has decided that students requiring to undergo 15 months training in a company or under a Company Secretary in Practice should compulsorily attend 5 days' Training Orientation

Programme(TOP) as an induction training. The objective is to help the students in acquiring knowledge and exposure about the environment and functioning of the corporate sector.

During the financial year 2003-04, a total of 40 Training Orientation Programmes were organised which included five programmes by EIRC, nine programmes by NIRC, four by SIRC, four by WIRC and one by Chandigarh Chapter; four by Hyderabad Chapter; two by Jaipur Chapter; four by Indore Chapter; two by Kanpur Chapter; two by Lucknow chapter and three by Pune Chapter. A total of 1205 students successfully completed the TOP during the said financial year.

10.6.4 Meeting with Trainer Companies, Company Secretaries in Practice and Trainees

As per the Guru-Shishya Parampara and with a view to further strengthening the training requirements, the Institute organised meetings with Trainer Companies, Company Secretaries in Practice registered with the Institute for imparting training and with Trainees on June 2, 2003, September 2, 2003 and on July 16, 2003 respectively. All the meetings were well attended.

10.6.5 Secretarial Modular Training Programme

(i) Regular SMTP

During the financial year 2003-04, 26 regular Secretarial Modular Training Programmes(SMTPs) were conducted by the Regional Councils and by 'A-1' & 'A' Grade Chapters and 967 candidates successfully completed the SMTP.

(ii) Special SMTP

It has been observed that some candidates had passed the final examination of the Institute but had not been able to acquire the membership of the Institute for want of completion of 15 days' SMTP due to their pre-occupations. With a view to helping such candidates, the Council of the Institute had decided to conduct Special SMTPs on Saturdays/ Sundays and other holidays spread over a period of 2-3 months or on week days before and after the office hours for 15 days.

During the financial year 2003-04, NIRC conducted two such Special SMTPs and WIRC one and a total of 38 candidates successfully participated in the said Special SMTPs. There was all-round appreciation of the programmes by the candidates.

(iii) Residential SMTP

As a further step to strengthen the SMTP and to make it more effective, the Training & Educational Facilities Committee decided that The Centre for Corporate Research and Training (CCRT) at Navi Mumbai should organise Residential SMTPs on regular basis.

During the Financial Year 2003-04, CCRT had organised four Residential SMTPs and 84 candidates attended the programme.

10.6.6 Syllabus Review Committee

In ever changing competitive environment updating and reviewing the existing syllabus of the Company Secretaryship course is a continuous process. Therefore, the Institute has constituted a Syllabus Review Committee.

11. Public Relations and Corporate Communications

11.1 Media Visibility

With a view to attracting the best talent to the profession of Company Secretaries, concerted efforts through the print and electronic media and a host of career awareness activities were undertaken during the year under review. This image building exercise created greater acceptability of the CS profession among the general public, students and the corporate sector.

11.2 Brand Building

With a view to creating a brand equity for the ICSI that synchronises with its vision and mission statements a comprehensive "Corporate Identity Manual" providing guidelines on the standardization of basic elements of corporate identity was brought out by the Institute. This positioning of ICSI is a step towards corporate image building and nationwide brand building of the Institute.

11.3 Specialised Career Counselling Kits

Modified Career Counselling Kits comprising of multicoloured posters, multimedia presentation, Film on Career as a Company Secretary and newly designed Brochures on CS were created for career counselling and sent to all Regional/Chapter Offices.

11.4 Electronic Media

A 30 minutes programme on COMPANY SECRETARYSHIP viz., "Career Trends" was telecast on Metro channel of Doordarshan. One hour LIVE Interactive panel discussion on "Career as a Company Secretary" was aired on GYAN DARSHAN. A 15 minutes LIVE Phone-in programme on CS was telecast on the National Network of Doordarshan during Evening Live Show.

All leading Business Newspapers & TV Channels continued to cover the major programmes organised by the Institute.

11.5 Career Features/Press Interviews

Exhaustive Front page Career Features on "Career as a Company Secretary" were published in all editions of NCR Tribune, Times of India, Indian Express, Hindustan Times, Dainik Hindustan and Dainik Jagaran.

Press Interviews of President & Secretary covering various aspects of the profession of Company Secretaries were published regularly in Hindu Business Line, Financial Express, Economic Times & Business Standard throughout the year under review.

11.6 Career Fairs

With a view to creating awareness about CS Course, the Institute participated in a dozen Career Fairs and Career Awareness Programmes organised all over the country.

11.7 Press Conferences

With a view to enhancing the visibility of the profession, Press Conferences were held at Thiruvananthapuram, Calicut, Coimbatore, Mumbai, Jodhpur, Chennai, Hyderabad, Raipur & Jaipur, Ahmedabad, Nagpur and Agra.

11.8 Corporate Film

For enhancing the visibility of the profession a Corporate Film has been scripted and produced by the Institute. The film highlights the multifaceted role of Company Secretary professionals and the CS Course. Interviews with Industry Captains and Senior Members of the profession form a part of the film. Copies of the film on CD were sent to all Regional/Chapter offices for screening during various ICSI Seminars/programmes, attended by professionals from Trade, Industry & the Corporate Sector.

12. Finances

12.1 Surplus

An amount of Rs. 103.56 Lacs being surplus of income over expenditure was transferred to the General Reserve as compared to Rs. 244.53 Lacs transferred during the previous year 2002-03.

12.2 Reserves

(a) Capital Reserve

The Capital Reserve to which the Entrance fee received from Members is capitalised stood at Rs.69.57 Lacs as on March 31, 2004 as against Rs. 66.19 Lacs as on March 31, 2003.

(b) General Reserve

The General Reserve which stood at Rs. 2677.67 Lacs as on March 31, 2003 has risen to Rs. 2816.63 Lacs as on March 31, 2004.

12.3 Statutory Auditors

M/s. Khanna & Annadhanam, Chartered Accountants, New Delhi were re-appointed as Statutory Auditors of the Institute for the year ended March 31, 2004. The Audit Report is published along with the statement of accounts.

12.4 Capital Grant and Loan to the Regional Councils and Chapters

Total grant and loan given by the Institute to the Regional Councils and Chapters for acquiring their own office premises as on March 31, 2004 were as follows :

(a) Grant	:	Rs. 195.56 Lacs
(b) Loan	:	Rs. 309.22 Lacs

The endeavour of the Institute has been to extend a major helping hand and supplement the Regional Councils and Chapters in their efforts to acquire premises. A number of Regional Councils and Chapters have made commendable efforts to raise their share of the resources for premises/ building projects. The Council places on record its appreciation of such efforts by these Regional Councils/Chapters.

13. Company Secretaries Benevolent Fund (CSBF)

The CSBF had a life membership of 4512 as on March 31, 2004 as against 3981 Members as on March 31, 2003. Capital Reserve and General Reserve of the CSBF as on March 31, 2004 stood at Rs.113.07 Lacs and Rs.57.64 Lacs respectively.

14. Human Resource Development

14.1 Recognising the universal principle that change is a natural phenomenon and continuous process for the survival and growth of an organisation, the Institute had undertaken an exercise to restructure the organisation with a view to identifying the areas that have scope for improvement. The new organisational structure was implemented in June, 2003 wherein all existing and future activities of the organisation were clubbed in a manner that execution of work relating to various activities could be performed effectively deploying the existing manpower.

14.2 Understanding the importance of the theme "People are the Foundation of the Future" and to achieve Vision and Mission of the Institute, the overall growth of the Human Resources has been planned on the basis of the following factors.

1. Organisational context inclusive of effective utilisation of both human and non-human resources through management techniques.
2. Structure which includes arrangement of hierarchy in the organisation while defining authority and functional responsibilities.
3. Process including that of communication, decision making, leadership, etc. to carry out the objectives.
4. Physical environment.
5. System, Values and Norms.

14.3 Visualising the impact of Information Technology on productivity improvement and the benefits of using the computers in day to day working, the Institute had made arrangements in collaboration with NIIT to impart training on various applications of computer in Office Management to all its employees on office automation, mastering office tools, internet browsing, use of E-mail and emerging techniques.

14.4 The Institute considers that Human Resource Development is a process to help the employees to acquire capabilities required to perform various functions, to develop their general capabilities as individuals, it is important to explore their inner potentials to develop organisational culture in which Supervisor-Subordinate relationship, team-work and collaboration among departments are visible. With this approach and as part of the ICSI Vision Plan 2010 a Two day Residential workshop namely "Idea-Lab for Championing Stakeholders' Interests" was organised during June 26 & 27, 2004 for the officers of the level of Assistant Directors and above to strengthen team spirit and interpersonal

leadership and to understand the alignment of personal, team and organisational goals. In order to make this approach to yield fruitful results, the chain of the workshops on the theme 'Intensifying Co-operation for Stakeholders' Interest' had been organised for all the employees of the Institute in the months of July and August, 2004.

14.5 To begin with an amount of Rs.100 Lacs has been appropriated during the year towards meeting staff training costs.

15. Future Outlook

We are living in an era where timeframes for decision-making have been reduced to nanoseconds and rapid change is fragmenting the rules of the game. Understanding the nature of change requires looking beyond what is fragmenting in the present and focus upon what is coming together as new systems of operations and rules of the game. The profession of Company Secretaries which has made an enviable mark in the field of corporate compliances, has to play a vital role in the process of growth and globalisation by harnessing its multifarious skills towards professional excellence. In this direction it becomes imperative to widen the vision and perspective to synergise core competencies to provide value added single window multi-disciplinary services to corporates both in India and abroad.

16. Acknowledgements

The Council places on record its gratitude to the various Ministries and Offices of the Central Government, particularly the Ministry of Company Affairs and SEBI, and other regulatory authorities for their help, guidance and support to development of the profession and encouraging the activities of the Institute during the year. The Council is also grateful to various State Governments, Financial/Industrial/Investment Institutions/Corporate Sector, various Chambers of Commerce, Trade Associations and other Agencies in general in availing the services of members of the Institute and in recognizing their expertise.

The Council also places on record its deep appreciation to the members of the Secretarial Standards Board of the Institute. The Council places on record its thanks to the Regional Councils and Chapters, including Satellite Chapters for extending their whole-hearted co-operation and support and also to the Officers and Staff of the Institute for their unflinching commitment and devotion to their duties.

New Delhi

For and on behalf of the Council

MAHESH ANANT ATHAVALE, President

Dated : Sept. 5, 2004

[Adv/III/IV/121/04-Exty.]

APPENDIX 'A'

Standing and Non-standing Committees and Advisory Boards

(Annexure to Point No. 4.3)

Standing Committees

1. Disciplinary Committee

- | | |
|--------------------------|----------|
| 1. Mahesh Anant Athavale | Chairman |
| 2. Sheela Bhide (Dr.) | Member |
| 3. Pradeep K Mittal | Member |

2. Examination Committee

- | | |
|-------------------|----------|
| 1. R Ravi | Chairman |
| 2. Nesar Ahmad | Member |
| 3. Amit Kumar Sen | Member |

3. Executive Committee

- | | |
|--------------------------|----------|
| 1. Mahesh Anant Athavale | Chairman |
| 2. R Ravi | Member |
| 3. H M Choraria | Member |
| 4. Preeti Malhotra (Ms.) | Member |

Non-Standing Committees

4. Professional Development Committee

- | | |
|--------------------------|----------|
| 1. Mahesh Anant Athavale | Chairman |
| 2. Nesar Ahmad | Member |
| 3. Preeti Malhotra (Ms.) | Member |
| 4. R Narayanan | Member |
| 5. Savithri Parekh (Ms.) | Member |
| 6. V Sreedharan | Member |

5. Training and Educational Facilities Committee

- | | |
|-------------------------|----------|
| 1. R Ravi | Chairman |
| 2. H M Choraria | Member |
| 3. P P Zibi Jose | Member |
| 4. Datla Hanumanta Raju | Member |
| 5. Pradeep K Mittal | Member |
| 6. Amit Kumar Sen | Member |

6. Practising Company Secretaries Committee

- | | |
|-------------------------|----------|
| 1. Nesar Ahmad | Chairman |
| 2. Bipin S. Acharya | Member |
| 3. H M Choraria | Member |
| 4. P P Zibi Jose | Member |
| 5. R Narayanan | Member |
| 6. Datla Hanumanta Raju | Member |

7. CCRT Management Committee

- | | |
|--------------------------|----------|
| 1. R Narayanan | Chairman |
| 2. Bipin S. Acharya | Member |
| 3. H M Choraria | Member |
| 4. Datla Hanumanta Raju | Member |
| 5. Preeti Malhotra (Ms.) | Member |

8. PMQ Course Committee

- | | |
|-------------------|----------|
| 1. R Ravi | Chairman |
| 2. Nesar Ahmad | Member |
| 3. Amit Kumar Sen | Member |

9. Regulations Committee

- | | |
|-------------------------|----------|
| 1. R Narayanan | Chairman |
| 2. Bipin S. Acharya | Member |
| 3. Datla Hanumanta Raju | Member |
| 4. Amit Kumar Sen | Member |

10. Placement Committee

- | | |
|--------------------------|----------|
| 1. Datla Hanumanta Raju | Chairman |
| 2. Nesar Ahmad | Member |
| 3. R Narayanan | Member |
| 4. Savithri Parekh (Ms.) | Member |

11. Information Technology Committee

- | | |
|--------------------------|-------------|
| 1. Preeti Malhotra (Ms.) | Chairperson |
| 2. Nesar Ahmad | Member |
| 3. Sheela Bhide (Dr.) | Member |
| 4. S D Israni (Dr.) | Member |
| 5. Savithri Parekh (Ms.) | Member |
| 6. V Sreedharan | Member |

12. Research & Publications Committee

- | | |
|-------------------------|----------|
| 1. Pradeep K Mittal | Chairman |
| 2. H M Choraria | Member |
| 3. Datla Hanumanta Raju | Member |
| 4. V Sreedharan | Member |

13. ICSI Corporate Governance Excellence Award Committee

1. Amit Kumar Sen	Chairman
2. H M Choraria	Member
3. Preeti Malhotra (Ms.)	Member
4. Pradeep K Mittal	Member
5. R Narayanan	Member

14. International Perspective Committee

1. Amit Kumar Sen	Chairman
2. Datla Hanumanta Raju	Member
3. Preeti Malhotra (Ms.)	Member
4. V Sreedharan	Member

15. Co-ordination Committee

1. Maheesh Anant Athavale	Chairman
2. Nesar Ahmad	Member
3. Pradeep K Mittal	Member
4. Amit Kumar Sen	Member
5. V Sreedharan	Member

16. Audit Committee

1. H M Choraria	Chairman
2. Datla Hanumanta Raju	Member
3. R Narayanan	Member

17. ICSI House Project Committee

1. R N Bansal	Chairman
2. Nesar Ahmad	Member
3. Girish Ahuja	Member
4. Yogesh Gupta	Member
5. Preeti Malhotra (Ms.)	Member
6. Pradeep K Mittal	Member
7. Harish K Vaid	Member
8. Pavan Kumar Vijay	Member
9. N K Jain	Member-Secretary

18. Syllabus Review Committee

1. R Narayanan	Chairman
2. Datla Hanumanta Raju	Member
3. Pradeep K Mittal	Member
4. Savithri Parekh (Ms.)	Member
5. V K Aggarwal	Member-Secretary

19. Secretarial Standards Board

1. N J N Vazifdar	Chairman
2. R S Adukia	ICAI Representative
3. O P Agarwal	Member
4. G K Agarwal	Member
5. Nesar Ahmad	Member
6. D Chanda	SEBI Representative
7. S Chandrasekaran	Member
8. M R Gopinath	Member
9. K L Kamboj	DCA Representative
10. V S Khanvalkar	Member
11. K S Ravichandran	Member
12. A G Ravindranath Reddy	Member
13. J Sridhar	Member
14. H R Subramanya (Dr.)	ICWAI Representative
15. S C Vasudeva	Member

20. Editorial Advisory Board

1. S Balasubramanian	Chairman
2. V K Agarwal	Member
3. V K Bhasin	Member
4. G R Bhatia	Member
5. Renu Budhiraja (Ms.)	Member
6. Ramesh Chander	Member
7. Delep Goswami	Member
8. L M Gupta	Member
9. Sanjiv Kumar (Dr.)	Member
10. Pradeep K Mittal	Member
11. U C Nahata	Member
12. T V Narayanaswamy	Member
13. R S Nigam (Prof.)	Member
14. R K Pandey	Member
15. V K Singhania (Dr.)	Member

APPENDIX 'B'

Details of Attendance of Members at the Council and the Standing and Non-Standing Committee Meetings

(Annexure to Point No. 4.4)

S. NO.	NAME OF THE COUNCIL MEMBER	COUNCIL		EXECUTIVE COMMITTEE		DISCIPLINARY COMMITTEE		EXAMINATION COMMITTEE		PROFESSIONAL DEVELOPMENT COMMITTEE		TRAINING AND EDUCATION FACILITIES COMMITTEE		PRACTISING COMPANY SECRETARIES COMMITTEE	
		HELD DURING THE TENURE OF THE MEMBER	ATTENDED	HELD DURING THE TENURE OF THE MEMBER	ATTENDED	HELD DURING THE TENURE OF THE MEMBER	ATTENDED	HELD DURING THE TENURE OF THE MEMBER	ATTENDED	HELD DURING THE TENURE OF THE MEMBER	ATTENDED	HELD DURING THE TENURE OF THE MEMBER	ATTENDED	HELD DURING THE TENURE OF THE MEMBER	ATTENDED
1	MAHESH ANANT ATHAVALE	9	8	2	2			3	3	1	1	3	3	4	4
2	R RAVI	9	9	9	9			1	1			4	4	4	1
3	BIPIN S ACHARYA	3	3												
4	NESAR AHMAD	3	3					1	1	1	1			2	2
5	GIRISH AHUJA	6	3	6	3			3	1	3	2			2	2
6	KEYOOR M. BAKSHI	5	3	6	4										
7	HEMANT J BHATT	6	0							3	0				
8	SHEELA BHIDE (Dr)	8	4											4	0
9	H M CHORARIA	9	8	2	2					3	3	1	1	6	6
10	RITA DIXIT (Mrs.)	2	1												
11	S GANGOPADHYAY	6	3	7	7							3	3		
12	G GEHANI	6	5			4	4							4	3
13	DATLA HANUMANTA RAJU	3	3									1	1	2	2
14	S D ISRAANI (Dr.)	3	2									3	2		
15	P V S JAGAN MOHAN RAO (Dr.)	6	5												
16	PREETI MALHOTRA (Ms.)	3	3	2	2					1	1				
17	PRADEEP K MITTAL	3	3												
18	R NARAYANAN	9	9							4	3			2	1
19	SAVITHRI PAREKH (Ms.)	2	2					1	0	1	1				
20	AMIT KUMAR SEN	3	3												
21	PALLAVI SHROFF (Ms.)	6	0												
22	V SREEDHARAN	9	6							4	2			4	4
23	HARISH K VAID	6	2												
24	PAVAN KUMAR VIJAY	6	6	7	7	4	4			3	3				
25	YAMAL ASHWIN KUMAR VYAS	6	1			4	0			3	1				
26	P P ZIBI JOSE	2	2									1	1	2	0
		DATES OF MEETINGS- 25.04.2003, 19/20.07.2003, 29.08.2003, 07.11.2003, 3/4.01.2004, 18.01.2004, 19.01.2004, 20.02.2004, 27/28.03.2004		DATES OF MEETINGS- 14.04.2003, 24.05.2003, 15/16.06.2003, 26.09.2003, 16.12.2003, 04.01.2004, 18.01.2004, 19.02.2004, 27.03.2004		DATES OF MEETINGS- 27/28.05.2003, 15.09.2003, 19.09.2003, 06.10.2003		DATES OF MEETINGS- 11-13.04.2003, 18.08.2003, 1 7-19.10.2003, 19.02.2004		DATES OF MEETINGS- 17.05.2003, 14.09.2003, 16.12.2003, 21.02.2004		DATES OF MEETINGS- 17.05.2003, 14.09.2003, 16.12.2003, 21.02.2004		DATES OF MEETINGS- 26.05.2003, 20.07.2003, 17.12.2003, 10.01.2004, 22.02.2004, 26.03.2004,	

APPENDIX 'B' (Contd...)

S. NO.	NAME OF THE COUNCIL MEMBER	REGULATIONS COMMITTEE	PLACEMENT COMMITTEE	CCRT MANAGEMENT COMMITTEE	INFORMATION TECHNOLOGY COMMITTEE	COMMITTEE FOR ICSI NATIONAL AWARD FOR EXCELLENCE IN CORPORATE GOVERNANCE	AUDIT COMMITTEE	INTERNATIONAL PERSPECTIVE COMMITTEE
		HELD DURING THE TENURE OF THE MEMBER	HELD DURING THE TENURE OF THE MEMBER	HELD DURING THE TENURE OF THE MEMBER	HELD DURING THE TENURE OF THE MEMBER	HELD DURING THE TENURE OF THE MEMBER	HELD DURING THE TENURE OF THE MEMBER	HELD DURING THE TENURE OF THE MEMBER
1	MAHESH ANANT ATHAVALE						1	1
2	R RAVI	1					1	1
3	BIPIN S ACHARYA			1				
4	NESAR AHMAD		1		1			
5	GIRISH AHUJA					1	0	0
6	KEYOOR M BAKSHI				1			
7	HEMANT I BHAIT				1			1
8	SHEELA BHIDE (Dr.)				2	1		
9	H M CHORARIA		1	1		2	2	2
10	RITA DIXIT (Mrs.)					1		
11	S GANGOPADHYAY					1	1	1
12	G GEHANI	1					1	0
13	DATLA HANUMANTA RAJU		1	1				1
14	S D ISRAANI (Dr.)				1			
15	P V S JAGAN MOHAN RAO (Dr.)	1						1
16	PREETI MALHOTRA (Ms.)			1	1	1		1
17	PRADEEP K MITTAL					1		
18	R NARAYANAN		2	1		2	2	1
19	SAVITHRI PAREKH (Ms.)		1		1			
20	AMIT KUMAR SEN					1	1	1
21	PALLAVI SHROFF (Ms.)	1						1
22	V SREEDHARAN	1			1	1		1
23	HARISH K VAID	1	0					1
24	PAVAN KUMAR VIJAY				1	1		
25	YAMAL ASHWIN KUMAR VYAS							
26	P P ZIBI JOSE							
		DATES OF MEETINGS- 17.05.2003	DATES OF MEETINGS- 18.05.2003, 27.03.2004	DATES OF MEETINGS- 18.03.2004	DATES OF MEETINGS- 17.05.2003, 28.03.2004	DATES OF MEETINGS- 17.05.2003, 28.03.2004	DATES OF MEETINGS- 16.12.2003, 18.03.2004	DATES OF MEETINGS- 18.05.2003, 28.03.2004

APPENDIX 'C'

Statistics on Examination Results

(Annexure to Point No. 10.5.1)

STAGE OF EXAMINATION	NUMBER OF CANDIDATES			PASS PERCENTAGE
	ENROLLED	APPEARED	PASSED	
June, 2003 Session				
FOUNDATION(New Syllabus)	5706	4704	1170	24.87
FOUNDATION(Old Syllabus)	503	355	78	21.97
INTERMEDIATE* (New Syllabus)				
GROUP - I	6293	4490	487	10.85
GROUP - II	2648	1785	275	15.41
INTERMEDIATE**(Old Syllabus)				
GROUP - I	5358	3302	644	19.50
GROUP - II	5067	3106	255	8.21
FINAL#				
GROUP - I	3012	2106	510	24.22
GROUP - II	4388	2972	472	15.88
<i>* 616 Candidates appeared for Intermediate (New Syllabus) Both Groups out of whom 79 candidates passed Both Groups (12.82%).</i>				
<i>** 883 Candidates appeared for Intermediate(Old Syllabus) Both Groups out of whom 29 candidates passed Both Groups (3.28%).</i>				
<i># 591 Candidates appeared for Final Both Groups out of whom 68 candidates passed Both Groups (11.51%).</i>				
December, 2003 Session				
FOUNDATION(New Syllabus)	4457	3727	723	19.40
FOUNDATION(Old Syllabus)	158	102	24	23.53
INTERMEDIATE* (New Syllabus)				
GROUP - I	7222	5170	650	12.57
GROUP - II	4077	2766	405	14.64
INTERMEDIATE**(Old Syllabus)				
GROUP - I	4150	2465	317	12.86
GROUP - II	4567	2841	443	15.59
FINAL' (New Syllabus)				
GROUP - I	92	63	26	41.27
GROUP - II	80	55	23	41.82
GROUP - III	76	53	26	49.06
FINAL'' (Old Syllabus)				
GROUP - I	3093	2174	569	26.17
GROUP - II	4606	3105	611	19.68
<i>* 1197 Candidates appeared for Intermediate (New Syllabus) Both Groups out of whom 112 candidates passed Both Groups (9.36%).</i>				
<i>** 1070 Candidates appeared for Intermediate (Old Syllabus) Both Groups out of whom 26 candidates passed Both Groups (2.43%).</i>				
<i>' 33 Candidates appeared for Final(New Syllabus) all the three Groups out of whom 15 candidates passed all the three Groups (45.45%).</i>				
<i>'' 677 Candidates appeared for Final (Old Syllabus) Both Groups out of whom 63 candidates passed Both Groups (9.31%).</i>				

KHANNA & ANNADHANAM**CHARTERED ACCOUNTANTS****Audit Report**

1. We have audited the attached Balance Sheet of the Institute of Company Secretaries of India as at 31st March 2004 and also the Income and Expenditure Account annexed thereto for the year ended on that date, in which are incorporated the accounts of 'Head Office' by us, accounts of 'Centre for Corporate Research and Training' (CCRT), Navi Mumbai, 39 Chapters, 23 Satellite Chapters and 4 Regional Offices audited by other Auditors. Returns in respect of 2 Chapters were not received and could not be consolidated (Refer Note No.9 of Schedule No. 13). Reports of the Auditors (from 3 Chapters) and Accounting Policies & Notes (from 5 Chapters) were not received and could not be considered while framing this report. These financial statements are the responsibility of Institute's Management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.
2. We conducted our audit in accordance with auditing standards, generally accepted in India. Those Standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether, the financial statements are free of material misstatement. An Audit includes examining on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An Audit also includes assessing the accounting principles used, and significant estimates, made by the Management, as well as evaluating the overall financial statement presentation. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.
3. Further to our comments referred to in paragraphs 1 & 2 above we report that -
 - (a) We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of our audit
 - (b) The Balance Sheet and the Income and Expenditure Account dealt with by this report are in agreement with the books of account
 - (c) The Balance Sheet and the Income and Expenditure Account drawn up comply with the mandatory accounting standards to the extent they are applicable
 - (d) (i) Reconciliation of inter unit accounts of Chapters/Satellite Chapters, which included transactions relating to various grants given by Headquarters, publications stock transferred, reimbursement of expenses, building and other reserves, etc. over the year is in progress. Substantial progress has been made towards reconciliation and clearance of old entries and efforts are continuing to clear the remaining entries. Effect on the accounts on due reconciliation /adjustment thereof cannot be indicated (Refer Note No. 8 of Schedule No.13).
 - (ii) Assets of 14 Chapters/Satellite Chapters having a written down value as at 31.03.2004 of Rs.3.57 lacs has been incorporated in the fixed assets schedule as details of original cost and accumulated depreciation provided till date are not available to enable restatement of the figures. Effect on the accounts on due restatement/ adjustment thereof, in Management's view, would not be material (Refer Note No. 7 of Schedule No. 13)
 - (iii) Financial Statements from 2 Chapters having not been received, the same could not be considered. Adjustments, if any, required is proposed to be carried out in the next financial year (Refer Note No. 9 of Schedule No.13).
4. We further report that the effect of paragraphs 1 and 3 (d) (i) to (iii) above, cannot be indicated at this stage. Subject to our above comments, in our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the financial statements read with notes and accounting policies attached thereto or appearing thereon, give true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India -
 - (i) in the case of the Balance Sheet, of the state of affairs of the Institute as at 31st March 2004; and
 - (ii) in the case of the Income and Expenditure Account, of the surplus of the Institute for the year ended on that date.

For KHANNA & ANNADHANAM
Chartered Accountants

(K A BALASUBRAMANIAN)
PARTNER
(Membership No.17415)

Place : New Delhi
Date : 05-09-2004

BARAKHAMBIA ROAD : 706, Akashdeep Building, 26-A, Barakhamba Road, New Delhi - 110 001
Tel. : 91(11) 23315110, 23315119 Fax : 23739215
E-Mail : khannaa@del2.vsnl.net.in

ASAF ALI ROAD : 3/7-B, 2nd Floor, Asaf Ali Road, New Delhi - 110 002
Tel. : 91(11)23244061, 23244062, 23244003 Fax : 91(11) 23244475

Balance Sheet

As at 31st March

Particulars	Schedule	2004		2003
		Rs.	Rs.	Rs.
SOURCES OF FUNDS				
Capital Reserve	1		6,956,570	6,618,670
General Reserve	2		281,662,873	267,767,370
TOTAL			288,619,443	274,386,040
APPLICATION OF FUNDS				
Fixed Assets	3			
Gross Block		183,343,426		166,059,161
Less : Depreciation		71,890,051		62,824,747
Net Block		111,453,375		103,234,414
Add : Advance for purchase of Land and Buildings under construction		450,000		594,053
Investments	4		111,903,375	103,828,467
Current Assets, Loans and Advances			139,779,510	138,460,468
Current Assets	5			
Interest accrued on investments		16,774,537		12,713,192
Stocks in hand		2,606,333		5,966,762
Sundry Debtors		1,915,768		1,120,022
Cash and Bank balances		85,573,290		84,871,126
		106,869,928		104,671,102
Loans and Advances	6	6,087,042		5,684,250
		112,956,970		110,355,352
Less: Current Liabilities and Provisions	7			
Liabilities		53,683,380		45,409,663
Provisions		22,337,032		32,848,584
Net Current Assets			36,936,558	32,097,105
TOTAL			288,619,443	274,386,040
ACCOUNTING POLICIES AND NOTES TO FINANCIAL STATEMENTS				
13				
As per our report of even date attached				
For KHANNA & ANNADHANAM		N K Jain	R Ravi	Mahesh Anant Athavale
Chartered Accountants		Secretary	Vice-President	President
(K.A. Balasubramanian)				
Partner		Bipin S Acharya	Nesar Ahmad	Sheela Bhide (Dr.)
Place : New Delhi		H M Choraria	Rita Dixit (Ms.)	Datla Hanumanta Raju
Dated : 05.09.2004		S D Israni (Dr.)	Preeti Malhotra (Ms.)	Pradeep K Mittal
		R Narayanan	Savithri Parekh (Ms.)	Amit Kumar Sen
		V Sreedharan	P P Zibi Jose	
S K Arora				
<i>Jt. Director (Fin. & Accts.)</i>				

Income & Expenditure Account

For the year ended 31st March

PARTICULARS	SCHEDULE	2004 Rs	2003 Rs
INCOME			
Fees from Members and Students	8	119,211,251	118,398,708
Sale of Publications		8,257,981	8,396,016
Subscription to Journal/Bulletin and Advertisements		3,821,959	3,519,202
Interest on Investments (Gross)			
Tax deducted at source Rs. 54,354 (Previous Year 'Nil')		22,068,783	21,760,441
Programmes			
Tax deducted at source Rs. 27,971 (Previous Year Rs. 945)		17,892,437	11,738,106
Scientific Research Activities		6,360,134	4,329,362
Provision no longer required, written back		23,165,768	1,653,668
Other Income	9	2,447,078	1,004,300
TOTAL		203,225,391	170,799,803
EXPENDITURE			
Establishment *	10	50,369,622	45,629,273
Postal Tuition		12,742,208	15,567,290
Oral Tuition		6,662,112	5,672,089
Publications		3,322,531	1,793,387
Stationery		3,185,159	3,261,536
Journal and Bulletins		11,706,930	9,301,553
Examinations		11,271,628	9,617,713
Communication *	11	5,562,927	4,159,080
Travelling and Conveyance *		5,299,004	4,378,960
Student Scholarships and Awards		255,024	236,102
Professional Development Programmes and Training		16,971,448	10,800,436
Scientific Research Activities		16,850,399	15,482,963
Others *	12	19,898,934	14,403,212
Depreciation *	3	7,506,220	6,043,680
Election		1,264,777	-
Provision for Staff Training Cost		10,000,000	-
Contribution to NF for Corporate Governance (refer Note No. 3)		10,000,000	-
Excess of Income over Expenditure transferred to General Reserve		10,356,468	24,452,529
TOTAL		203,225,391	170,799,803

* Figures are after allocation to Scientific Research Activities.

As per our report of even date attached

For KHANNA & ANNADHANAM
Chartered Accountants

(K.A. Balasubramanian)
Partner

Place : New Delhi

Dated : 05.09.2004

S K Arora
Jt. Director (Fin. & Accts.)

N K Jain
Secretary

Bipin S Acharya
H M Choraria
S D Israni (Dr.)
R Narayanan
V Sreedharan

R Ravi
Vice-President

Members (in alphabetical order)

Nesar Ahmad
Rita Dixit (Ms.)
Preeti Malhotra (Ms.)
Savithri Parekh (Ms.)
P P Zibi Jose
Sheela Bhide (Dr.)
Datla Hanumanta Raju
Pradeep K Mittal
Amit Kumar Sen

Mahesh Anant Athavale
President

Capital Reserve

Schedule 1

PARTICULARS	As at 31.3. 2004		As at 31.3. 2003	
As per last Balance Sheet		6,618,670		6,254,170
Add: Entrance Fees - Associate Members	296,100		328,500	
- Fellow Members	41,800	337,900	36,000	364,500
TOTAL		6,956,570		6,618,670

General Reserve

Schedule 2

PARTICULARS	As at 31.3. 2004		As at 31.3. 2003	
As per last Balance Sheet	267,767,370		245,753,623	
Less: Adjusted against Loan to RC /Chapters	(11,873,398)		(12,164,687)	
Add : Capital Reserve	3,343,626	259,237,598	-	233,588,936
- Other Adjustments *		12,068,807		9,718,405
- Direct Donations		-		7,500
- Surplus for the year		10,356,468		24,452,529
TOTAL		281,662,873		267,767,370

* Represent difference in opening figures, between Regions / Chapters and Head Office due to different set of policies followed at Regions / Chapters over the years (Refer Note No. 8 in Notes to Accounts)

Fixed Assets

Schedule 3

SCHEDULES NO.		GROSS BLOCK				DEPRECIATION				NET BLOCK	
		Cost as on 1.4.2003	Additions	Deletions	Total Cost as on 31.3.2004	Total as on 1.4.2003	For the year Deletions	Total as on 31.3.2004	As on 31.3.2003	As on 31.3.2003	
01.	LEASEHOLD LAND	12,036,927	530,334	-	12,567,261	-	-	-	12,567,261	12,036,927	
02.	BUILDINGS	93,185,969	11,215,822	-	104,401,791	24,183,514	4,045,379	28,228,893	76,172,898	69,002,455	
03.	FURNITURE & FIXTURES	18,905,611	321,194	29,585	19,197,220	9,041,101	1,185,538	10,197,279	8,995,841	9,864,510	
04.	COMPUTER NETWORK	141,058	38,591	-	179,649	-	19,859	19,859	159,790	141,058	
05.	A/C INSTALLATION & COOLERS	17,301,089	3,666,880	87,900	20,880,069	14,802,731	2,474,646	17,194,539	3,685,530	2,498,358	
06.	ELECTRICAL EQUIPMENT	17,387	43,400	-	60,787	-	23,840	23,840	36,947	17,387	
07.	OFFICE & COMMUNICATION EQUIPMENT	5,342,025	338,638	-	5,680,663	3,157,949	378,408	3,536,357	2,144,306	2,184,076	
08.	OTHER EQUIPMENT	21,808	-	-	21,808	-	3,187	3,187	18,621	21,808	
09.	LIBRARY BOOKS	4,739,033	83,374	19,155	4,803,252	2,330,706	402,887	2,721,662	2,081,590	2,408,327	
10.	VEHICLES	16,359	-	-	16,359	-	1,513	1,513	14,846	16,359	
		8,054,943	1,415,448	147,602	9,322,789	4,340,621	803,483	5,046,946	4,275,843	3,714,322	
		14,929	-	-	14,929	-	2,240	2,240	12,689	14,929	
		1,156,126	39,311	-	1,195,437	583,646	98,665	682,311	513,126	572,480	
		31,571	-	-	31,571	-	287	287	31,284	31,571	
		3,807,044	47,459	30,987	3,823,516	3,574,954	109,724	3,632,994	190,522	232,090	
		94,178	39,348	-	133,526	-	50,240	50,240	83,286	94,178	
		646,728	513,668	-	1,160,396	393,208	154,696	547,904	612,492	253,520	
	Total :	165,175,495	18,172,128	315,229	183,032,394	62,408,430	9,653,426	71,788,885	111,243,509	102,767,065	
		337,290	121,339	-	458,629	-	101,166	101,166	357,463	337,290	
	Adjustment/ Suspense Ac (including Memorandum entries) @	-	-	-	(147,597)	481,707	-	-	-	64,669	
	This Year Total :	165,512,785	18,293,467	315,229	183,491,023	62,408,430	9,754,592	71,890,051	111,453,375	103,234,414	
	Previous Year Total :	161,907,720	6,684,472	1,116,057	166,059,161	55,002,913	8,308,303	62,824,747	103,234,414	-	
	ADVANCE (Work-in-Progress)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	
01.	LAND (REFER NOTE NO. 2 OF NOTES)	300,000	-	-	300,000	-	-	-	300,000	300,000	
02.	BUILDINGS (UNDER CONSTRUCTION)	294,053	10,833,610	10,977,663	150,000	-	-	-	150,000	294,053	
	This Year Total :	594,053	10,833,610	10,977,663	450,000	-	-	-	450,000	594,053	
	Previous Year Total :	-	-	-	594,053	-	-	-	-	-	

@ Adjustment/ Suspense is due to various set of practices adopted by Chapters and additions / deletions of some New Chapters. These were required to be carried out to match the previous / current year figures.

Investments - At Cost

Schedule 4

PARTICULARS	Date of Maturity	As on 1.4.2003	Additions	Deletions	As on 31.3.2004
(A) FIXED DEPOSITS					
National Thermal Power Corporation					
9.5%	05.09.2004	2,000,000	-	-	2,000,000
"	10.09.2004	3,000,000	-	-	3,000,000
"	20.09.2004	5,000,000	-	-	5,000,000
8%	16.09.2005	5,000,000	-	-	5,000,000
7.5%	29.11.2005	7,500,000	-	-	7,500,000
Housing and Urban Development Corporation					
12.5%	04.12.2004	6,000,000	-	-	6,000,000
12%	07.01.2005	5,000,000	-	-	5,000,000
8.5%	07.10.2007	3,000,000	-	-	3,000,000
10.5%	06.07.2008	5,000,000	-	-	5,000,000
"	27.09.2008	2,000,000	-	-	2,000,000
"	10.10.2008	5,000,000	-	-	5,000,000
12%	16.02.2005	50,000	-	-	50,000
10.5%	01.10.2007	16,000	-	-	16,000
ICICI Home Finance (9.75%)	22.10.2004	2,000,000	-	-	2,000,000
Industrial Development Bank of India					
10%	02.11.2006	2,000,000	-	-	2,000,000
"	05.11.2006	2,000,000	-	-	2,000,000
"	06.11.2006	1,000,000	-	-	1,000,000
Others					
7% (T.N.State Transport Dev. Corp. Ltd)	05.10.2006	15,000	-	-	15,000
Total (A)		55,581,000	-	-	55,581,000
(B) BONDS					
ICICI Bank Ltd.					
NIL (Previous Year 1000) 13.5% Bonds of Rs.5000 each	18.06.2003	5,000,000	-	5,000,000	-
10 (Previous Year 10) 11% Bonds of Rs.1 lac each	29.08.2005	1,000,000	-	-	1,000,000
NIL (Previous Year 8) 12.05% Bonds of Rs.1 lac each	02.09.2005	800,000	-	800,000	-
NIL (Previous Year 20) 12.15% Bonds of Rs.1 lac each	23.09.2005	2,000,000	-	2,000,000	- *
NIL (Previous Year 60) 12.1% Bonds of Rs.1 lac each	06.10.2005	6,000,000	-	6,000,000	- *
NIL (Previous Year 20) 12.1% Bonds of Rs.1 lac each	09.10.2005	2,000,000	-	2,000,000	- *
NIL (Previous Year 30) 12% Bonds of Rs.1 lac each	23.10.2005	3,000,000	-	3,000,000	- *
NIL (Previous Year 100) 12% Bonds of Rs.1 lac each	01.11.2005	10,000,000	-	10,000,000	- *
NIL (Previous Year 200) 12.2% Bonds of Rs.1 lac each	19.11.2010	20,000,000	-	20,000,000	- *
30 (Previous Year 30) 11.5% Bonds of Rs.5000 each	19.01.2006	150,000	-	-	150,000
Bonds by Dombivli Chapter		400,000			400,000
Industrial Finance Corporation of India Ltd.					
NIL (Previous Year 800) 16% Bonds of Rs.5000 each	06.09.2003	4,000,000	-	4,000,000	-

Investments - At Cost

Schedule 4 (Contd..)

PARTICULARS	Date of Maturity	As on 1.4.2003	Additions	Deletions	As on 31.3.2004
Industrial Development Bank of India					
NIL (Previous Year 600) 14% Bonds of Rs.10000 each	05.10.2005	6,000,000	-	-	6,000,000
800 (Previous Year 800) 14% Bonds of Rs.5000 each	16.11.2005	4,000,000	-	-	4,000,000
55 (Previous Year 55) 12% Bonds of Rs.1 lac each	04.10.2005	5,500,000	-	-	5,500,000
85 (Previous Year 85) 12% Bonds of Rs.1 lac each	16.11.2007	8,500,000	-	-	8,500,000
15 14% R. Income Bonds of Rs. 5000 each	19.11.2005	590,000	-	515,000	75,000
35 11-20% G. Income Bonds of Rs. 1000 each	05.04.2006	35,000	-	-	35,000
Bonds by Dombivli Chapter		150,000	-	50,000	100,000
Govt. of India (8%)					
Industrial Development Bank of India					
1 (Previous year Nil)	19.05.2009	-	1,500,000	-	1,500,000
1 (Previous year Nil)	16.10.2009	-	2,000,000	-	2,000,000
ICICI Bank Ltd.					
1 (Previous year Nil)	25.07.2009	-	1,000,000	-	1,000,000
1 (Previous year Nil)	19.09.2009	-	4,500,000	-	4,500,000
1 (Previous year Nil)	07.10.2009	-	2,500,000	-	2,500,000
2 (Previous year Nil)	16.10.2009	-	5,000,000	-	5,000,000
1 (Previous year Nil)	28.10.2009	-	5,000,000	-	5,000,000
2 (Previous year Nil)	28.10.2009	-	5,000,000	-	5,000,000
1 (Previous year Nil)	12.11.2009	-	2,500,000	-	2,500,000
1 (Previous year Nil)	14.11.2009	-	887,000	-	887,000
1 (Previous year Nil)	27.12.2009	-	10,000,000	-	10,000,000
1 (Previous year Nil)	27.12.2009	-	2,500,000	-	2,500,000
1 (Previous year Nil)	29.12.2009	-	75,000	-	75,000
8 (Previous year Nil)	18.07.2009	-	800,000	-	800,000
Stock Holding Corporation of India Ltd.					
1 (Previous year Nil)	15.10.2009	-	2,500,000	-	2,500,000
1 (Previous year Nil)	27.10.2009	-	5,000,000	-	5,000,000
1 (Previous year Nil)	26.12.2009	-	5,000,000	-	5,000,000
1 (Previous year Nil)	26.12.2009	-	2,500,000	-	2,500,000
Total (B)		79,125,000	58,262,000	53,365,000	84,022,000
(C) UNITS (UNDER US-64 SCHEME) OF UNIT TRUST OF INDIA					
NIL (Previous Year 345983)		5,621,129	-	5,621,129	-
NIL (Previous Year 10610)		153,578	-	153,578	-
Ranchi		34,838	-	34,838	-
Dombivli		200	-	200	-
Units by Bangalore Chapter (SIRO)		105,410	-	105,410 @	-
		5,915,155	-	5,915,155	-
Less: Provision for fall in the value of Units		2,161,197	-	2,161,197	-
Total (C)		3,753,958	-	3,753,958	-
(D) 51 SHARES OF SHARES IN SAICHDANAND CHS LTD.		510	-	-	510
(E) UTI (6.75%) BOND		-	176,000	-	176,000 @
GRAND TOTAL (A+B+C+D+E)		138,460,468	58,438,000	57,118,958	139,779,510

* Call back option exercised by the bank, includes Fixed Deposits / Bonds valued at Rs.11,81,000 towards Prize Awards endowments (Refer to Schedule 7).

@ includes Rs.70,590 UTI (6.75%) Bonds received in exchange for Rs.1,05,410 UTI US-64 Units.

Current Assets

Schedule 5

PARTICULARS	As at 31.3. 2004		As at 31.3. 2003	
Interest Accrued on Investments		16,774,537		12,713,192
Stock (valued, taken and certified by the Management)				
Publications	303,849		350,629	
Paper	952,527		4,308,019	
Study Material	239,329		315,499	
Others	1,110,628	2,606,333	992,615	5,966,762
Sundry Debtors				
Outstanding for more than six months				
- considered good	680,044		247,042	
- considered doubtful	161,841		-	
Others (considered good)	841,885		247,042	
	1,235,724		872,980	
	2,077,609		1,120,022	
Less : Provision for Bad & Doubtful Debts	161,841		-	
		1,915,768		1,120,022
Cash and Bank Balances				
Cash, Cheques/ Drafts/Postal Orders, Postage Stamps/ Franking units	740,044		685,858	
With Scheduled Banks				
Savings Bank accounts *	13,588,699		12,609,193	
Short/Long Term Deposits	62,995,832		65,745,530	
	77,324,575		79,040,581	
Interest accrued on Term Deposits	8,248,715	85,573,290	5,830,545	84,871,126
TOTAL		106,869,928		104,671,102

* includes Rs. 14,13,673 (Previous Year Rs.21,11,187) under Linked Term Deposits with ICICI Bank.

Loans and Advances

SCHEDULE 6

PARTICULARS	As at 31.3. 2004		As at 31.3. 2003	
Loans				
Regional Councils/Chapters for buildings	11,873,398		12,164,687	
Less: Adjusted against General Reserve	(11,873,398)	-	(12,164,687)	-
Advances				
Employees (including interest accrued thereon)	2,064,154	1,851,841	1,673,990	1,945,577
Others : considered good	232,075		-	
considered doubtful	2,296,229		1,673,990	
	232,075		-	
Less: Provision for Bad & Doubtful Debts				
		2,064,154		1,673,990
Prepaid Expenses		430,018		480,883
Security Deposits				
includes Rs. 155664 (Prev. Year Rs. 118835) deposited with Post Offices		1,741,029		1,583,800
TOTAL		6,087,042		5,684,250

Current Liabilities and Provisions

Schedule 7

PARTICULARS	As at 31.3. 2004		As at 31.3. 2003	
Liabilities				
Received In Advance				
- Student Registration Fee	23,772,800		22,418,175	
- Others	1,445,834	25,218,634	1,258,944	23,677,119
Sundry Creditors		9,006,795		6,484,176
Expense Payable		8,673,022		6,657,514
Library Security Deposit		3,226,564		2,975,084
Employees Benevolent Fund		70,600		4,510
Endowment for prize awards (contra against Rs. 11,81,000 in Schedule 4)		1,255,636		232,255
Trusts / Funds		6,232,129		5,379,005
		53,683,380		45,409,663
Provisions				
Staff Training		10,000,000		-
Voluntary Retirement Scheme				22,500,000
Leave encashment		9,425,506		8,261,227
Obsolescence of Assets		1,143,127		840,353
Property Tax		1,768,399		1,247,004
		22,337,032		32,848,584
TOTAL		76,020,413		78,258,247

Fees from Members and Students

Schedule 8

PARTICULARS	For the Year 2003-04		For the Year 2002-03	
Members				
Annual Fees	4,810,071		4,290,450	
Other Fees	37,100	4,847,171	24,350	4,314,800
Students				
Registration Fees	17,311,995		18,072,195	
Exemption Fees	3,297,080		3,409,897	
Postal Tuition Fees	58,087,120		55,939,156	
Examination Fees	21,619,438		24,364,429	
Licentiate Fees	129,950		145,225	
Others (including PMQ)	423,370		386,950	
Oral Tuition & Other Fees	13,495,127	114,364,080	11,766,056	114,083,908
TOTAL		119,211,251		118,398,708

Other Incomes

Schedule 9

PARTICULARS	For the Year 2003-04	For the Year 2002-03
Incentive on Investments	548,588	154,400
Interest on staff advances	159,196	227,425
Surplus on disposal of Assets	486	1,150
Royalty / Commission	296,468	131,816
Miscellaneous	1,442,340	489,509
TOTAL	2,447,078	1,004,300

Establishment

Schedule 10

Particulars	For the Year 2003-04		For the Year 2002-03	
Salaries and Allowances		39,901,616		38,757,223
Contribution / Provision for : Provident Fund	2,138,136		2,166,606	
Gratuity Fund	3,393,604		4,420,647	
Pension Fund	4,443,041		1,857,000	
Leave encashment	2,395,588	12,370,369	2,054,059	10,498,312
Staff Welfare		3,077,270		2,369,408
Less: Allocated to Scientific Research Activities		(4,979,633)		(5,995,670)
NET		50,369,622		45,629,273

Communication

Schedule 11

Particulars	For the Year 2003-04		For the Year 2002-03	
Postage and Courier	4,415,014		3,169,822	
Telephone, Fax, E-mail, etc.	1,593,829	6,008,843	1,316,451	4,486,273
Less: Allocated to Scientific Research Activities		(445,916)		(327,193)
NET		5,562,927		4,159,080

Other Expenses

Schedule 12

Particulars	For the Year 2003-04		For the Year 2002-03	
Advertisement and Career Awareness		4,607,573		2,612,805
Rent and Taxes		2,371,631		531,260
Electricity and Water		3,437,136		3,406,244
Insurance		202,691		154,706
Repairs and Maintenance				
- Buildings	1,062,365		684,897	
- Vehicles	186,002		153,613	
- Others	820,635	2,069,002	786,697	1,625,207
Legal and Professional Charges		513,089		550,440
Office Expenses		3,459,272		2,594,676
Computerisation				
- Data Processing	310,732		186,117	
- Software	549,291	860,023	409,282	595,399
Meetings		1,205,335		1,058,692
Packing, Cartage and Freight		171,940		171,641
Loss on Sale/ Disposal of Assets		34,355		308,438
Interest Paid		4,574		4,610
Bank Charges		44,675		86,556
Bad and Doubtful Debts		508,808		22,300
Auditors Remuneration				
- Audit Fees	213,058		185,281	
- Other Services	31,250	244,308	100,000	285,281
Appropriation to Bldg. Fund		-		57,539
Miscellaneous Expenses		533,547		725,655
Obsolescence of Assets (<i>Lift at Prasad Nagar</i>)		302,774		302,000
Less: Allocated to Scientific Research Activities		(671,799)		(690,237)
NET		19,898,934		14,403,212

Accounting Policies and Notes to Financial Statements

Schedule 13

(A) ACCOUNTING POLICIES

1. The Financial Statements of the Institute have been prepared on historical cost convention and accrual basis except to the extent indicated elsewhere, and based on the applicable accounting standards.

2. Fees

- Entrance Fee from Associates and Fellow Members is directly credited to "Capital Reserve" when received and no accrual thereof is created.
- Fees received from members is accounted for on cash basis. However, fees received in advance is carried over as a liability.
- Fees other than Registration fees received from students is accounted for on cash basis. Registration fees Received is spread over a period of five years since the benefit accrues to students for a five year period.
- Oral Tuition and other fees received from students at Regions and Chapters are accounted for on receipt basis and no accrual thereof is created.

3. Investments

Investments are stated at cost and provision for decline in value is made, if permanent.

4. Fixed Assets

- Depreciation on fixed assets is charged on written down value basis at the following rates:-

Item	%
Building	5
Furniture and Fixtures	10
Air conditioners/Coolers and other equipments	15
Library Books (Purchased prior to 01.04.1999)	33.33
Vehicles	20
Computers	40
- Depreciation on additions is charged for the full year irrespective of dates of additions. No depreciation is charged in the year of sale.
- Library books acquired on or after 01.04.1999 is charged to Revenue Account under the head "Book and Periodicals".
- Fixed assets, except library books, costing Rs.5000 or less are fully depreciated in the year of acquisition and those whose written down value is Rs.250 or less at the beginning of the year, are fully depreciated.
- Premium paid on leasehold land is not amortized over the period of lease.

5. Inventories

- Stock of paper (as confirmed by Printers) and other materials are valued at cost.
- Publications brought out by Regional Offices and remaining on hand at the close of the year are valued at cost.
- Study materials, Publications, Journal/Bulletins and Audio Cassettes etc. produced by Headquarters and remaining on hand at the close of the year are valued at nominal cost of Re. 1 for items costing upto Rs.50 and Rs.5 for items costing above Rs.50. However, Compact Discs, remaining unsold at the close of the year are valued at cost.

6. Employees retirement and other benefits

- Contribution to "Pension Fund Trust" is made on the basis of actuarial valuation.
- Contribution/Provision to Gratuity Fund is made based on the advice received from Life Insurance Corporation of India.
- Provision for leave encashment is made on the basis of actuarial valuation.

(B) NOTES TO FINANCIAL STATEMENTS

- Exemption in respect of Income Tax has been granted under Section 10(23C)(iv) of the Income Tax Act, 1961 upto the Assessment Year 2003-04. Application for renewal of exemption is under consideration of the Income Tax Authorities.
- Possession of freehold land measuring 500 Sq. Yards re-allotted by Haryana Urban Development Authority (HUDA) at Faridabad to Faridabad Chapter of the Institute at Rs. 3,65,500 could not be handed over by HUDA due to the existing encroachments on the land and the HUDA have been requested either to clear the encroachments or to allot alternative plot of land which had not been effected so far. A sum of Rs. 3,82,500 paid till date (Rs. 3,00,000 is reflected in Advance for purchase of land in the Institute's books and Rs. 82,500 in the books of the Chapter) continues to be included under advances.
- Lift at Prasad Nagar building capitalized at Rs.6,04,774 in the earlier years continue to remain inoperational for want of adequate electric supply. A sum of Rs.6,04,774 (including Rs.3,02,000 provided in the previous year) has been set aside to cover possible obsolescence even though the said lift has not been put to use to take care of the normal wear and tear due to passage of time.

4. Following past practice, closing inventories of publication/study material have been, as a prudent measure, valued at nominal amounts since these have no value except to students and that too only when purchased.
5. A sum of Rs.1,00,00,000 has been set apart during the year from out of surplus, towards meeting staff training cost.
6. The Ahmedabad Municipal Corporation has filed a civil suit for recovery of earlier year's unpaid Municipal Tax of Rs.3,88,867 in Session Court against which the Chapter has deposited a sum of Rs.1,31,000 under protest. The Chapter has been legally advised that the liability would finally be settled for Rs.1,63,000. The matter is pending disposal.
7. For want of details of gross cost and accumulated depreciation provided till date, fixed assets at 14 Chapters/ Satellite Chapters which are depreciated on written down value basis, have been grouped separately in the Fixed Assets Schedule.
8. **Reconciliation of Accounts**
Reconciliation of Chapters/Satellite Chapters Accounts which include transactions relating to various grants given by Headquarters, publications stocks, building reserves contribution/expenses

incurred by the Chapters etc. is in progress. Substantial progress has been made towards reconciliation and clearance of old entries and efforts are continuing to clear the remaining entries. Pending completion of reconciliation and adjustment (including in respect of Chapters who had not sent in their financial statements as on 31.03.2004—refer to Note 9 also) the net difference has been adjusted against General Reserve for the purposes of consolidated accounts.

9. Financial Statements from Pondicherry and Mangalore Chapters have not been received and consolidated. However, being small Chapters, their exclusion, in the opinion of the Management would not impact materially the surplus for the year/assets and liabilities shown.
10. Reserves created at Regions/Chapters have been clubbed under General Reserve in the consolidated accounts.
11. Previous year's figures have been regrouped/ rearranged to the extent possible from the available data from financial statements for the year 2003-04 and after adjustments considered necessary, to make them comparable with that of current year's figures.